डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | 196 | पेज: 8 | जयपुर,बुधवार, 25 जून 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

अच्छी खबर

कर्नाटक में अपनी सड़कें खुद बना रही है जनता

● बदलाव की लहर, 6 जिलों में 7 जगह रोड तैयार ● सालों से खराब सड़के एक-दो हफ्ते में ही बन रहीं

कोवरकोल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में बदलाव की एक अलग लहर चली है। खराब सड़कों की शिकायत करते-करते थक चुके लोग खुद ही अपने यहां की सड़कें बनाने लगे हैं। इसके लिए वे आपस में चंदा और श्रमदान कर रहे हैं। नतीजा, जिन खराब सड़कों की सालों से सरकार से शिकायत कर रहे थे, वे एक दिन में दुरुस्त हो रही हैं। जैसे चिकमंगलूर जिले के श्रृंगी के पास भारतीयनूर और बनशंकरी के लोगों ने 15.75 लाख रुपए इकट्ठे कर 286 मीटर लंबी सड़क खुद ही बना डाली। हासन जिले के मत्स्यशाला गांव में एक शख्स ने 4 ट्रक ईंट-पत्थर दान किया। इसके बाद गांव वालों ने चंदा किया और श्रमदान कर सड़क बना दी। गांव के पंडियन डी कहते हैं- हम अपने नेताओं पर शर्मिंदा हैं। राज्य के छह जिलों के सात गांवों में लोगों ने अपने स्तर पर ही सड़कें बना दी हैं। इनमें गडग, धारवाड़, शिवमोग्गा, कोडागु, कोप्पल और हासन जिले शामिल हैं।

इनमें भी सरकारी सिस्टम से परेशान आम लोगों ने खुद ही सड़क बनाने की पहल की है। पीपल्स रोड के संस्थापक स्वप्नील बंडी ने कहा, हम पूरे देश में हर राज्य भर में ऐसी मुहिम चलाना चाहते हैं ताकि सरकारी सिस्टम को ठोस जिम्मेदारी का अहसास हो सके। अब तक 286 गांवों ने हमसे संपर्क किया है। कोप्पल में डेढ़ किलोमीटर सड़क बना दी है।

युद्ध के मैदान में 'मच्छर' उतारेगा चीन करेगा बड़ा खेला

बीजिंग (एजेंसी)। चीन समय के साथ-साथ खुद को सशक्त बनाने में लगा हुआ है। इसी तरफ चीन ने एक ओर कदम बढ़ाया है। चीनी वैज्ञानिकों ने एक मिलिट्री ड्रोन बनाया है। इस ड्रोन का साइज और आकार मच्छर जैसा है। मच्छर के साइज वाला यह ड्रोन युद्ध के मैदान में

तबाही मचाने के लिए तैयार किया गया है। खास बात यह है कि इसका यूज करके न सिर्फ सर्विलांस किया जा सकता है। बल्कि इसका यूज टोही मिशन को अंजाम देने के लिए भी कर सकते हैं। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, चीन के वैज्ञानिकों ने मिलिट्री ऑपरेशन के लिए मच्छर के आकार का एक बहुत छोटा ड्रोन डेवलप किया है।

इंडिगो के 3 अफसरों पर एससी/एसटी एक्ट का केस

गुरुग्राम (एजेंसी)। हरियाणा के गुरुग्राम में इंडिगो एअरलाइंस के एक ट्रेनी पायलट ने फ्लाइट के कैप्टन समेत 3 लोगों पर एससी/एसटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कराई है। ट्रेनी पायलट ने आरोप लगाया कि उसे भरी मीटिंग में बेइज्जत कर जातिसूचक

शब्द कहे गए। जातिसूचक शब्द के साथ कहा गया- यू आर नॉट फिट टू फ्लाई, यू गो बैक एंड स्टिच द स्लीपर्स (तुम प्लेन उड़ाने के काबिल नहीं हो, वापस जाओ और चप्पलें सिलो)। गुरुग्राम में मीटिंग के बाद ट्रेनी पायलट ने बैंगलुरु में अपने साथ हुई घटना की पुलिस से शिकायत की। कर्नाटक पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज कर गुरुग्राम भेजी है। इसके बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

विधानसभा उपचुनाव में 4-1 से आगे इंडिया

● भाजपा को झटका, केजरी को मिली गुड न्यूज

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 4 राज्यों की 5 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के वोटों की गिनती खत्म हो गई है। परिणामों में इंडिया गठबंधन का हिस्सा रहे दलों ने 4 सीटों पर जीत हासिल की है, वहीं भाजपा को सिर्फ गुजरात की कड़ी सीट पर जीत मिली

है। अब तक आए परिणामों के अनुसार आम आदमी पार्टी को गुजरात की विसावदर सीट पर जीत मिली है। यहां से उसके कैंडीडेट गोपाल इटालिया जीत गए हैं तो वहीं पंजाब की लुधियाना पश्चिमी विधानसभा सीट से पार्टी उम्मीदवार संजीव अरोड़ा ने भी जीत हासिल की है।

ईरान का खुला ऐलान

न्यूक्लियर प्रोग्राम नहीं रोकेंगे

● कहा-अमरीका ने युद्ध की शुरुआत की, खत्म हम करेंगे ● ईरानी सेना ने दी धमकी, जवाब के लिए तैयार रहिएगा

तेहरान (एजेंसी)। ईरान की सेना ने अमेरिका के हमलों का जवाब देने की धमकी दी है। ईरान सैन्य केंद्रीय कमान ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम लेते हुए कहा कि परमाणु ठिकानों पर हमलों ने युद्ध का मैदान खोल दिया है। आपने शुरुआत की है, तो अब कड़ी जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार रहिए। ईरानी सेना के मेजर जनरल अब्दुलरहीम मौसवी ने भी सख्त शब्दों में अमेरिकी

हमलों की निंदा की है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने इजरायल को रोकने के बजाय हमारे ऊपर हमले किए। ऐसा करते हुए अमेरिका ने ईरान को उसके हितों की रक्षा के लिए कोई भी कार्रवाई करने का विकल्प दे दिया है। अमेरिकी हमलों पर रिएक्शन देते हुए ईरानी सेना के प्रवक्ता ने वीडियो जारी किया है। इसमें वह अमेरिकी राष्ट्रपति को गैंबलर ट्रंप कहकर संबोधित कर रहे हैं। ईरानी सेना के प्रवक्ता ने सीधे ट्रंप को संबोधित करते हुए कहा कि आपने युद्ध को शुरू किया है लेकिन इसे खत्म हम करेंगे। प्रवक्ता ने इस वीडियो में अंग्रेजी में अपनी बात कही है।

अमेरिका के बाद इजराइल का ईरानी परमाणु ठिकाने पर हमला

इजराइल ने ईरान पर अपने ताजा हमले में फोर्डो न्यूक्लियर साइट को फिर से निशाना बनाया है। ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी ने बताया कि यह हमला ठीक उसी जगह किया गया, जहां रविवार सुबह अमेरिका ने बस्टर बम गिराए थे। परमाणु ठिकानों पर लगातार हमले के बीच ईरान ने कहा कि वह अपना परमाणु कार्यक्रम नहीं रोकेगा। ईरान के उप विदेश मंत्री माजिद तख्त रवांची ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमलों की कड़ी आलोचना की और इसे 'गंभीर अपराध' बताया। इससे पहले ईरान की मिलिट्री सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता इब्राहिम जोल्फागरी ने सोमवार को ट्रम्प को सीधे संबोधित करते हुए कहा, गैम्बलर ट्रम्प, आपने युद्ध शुरू जरूर किया है, लेकिन इसे खत्म हम करेंगे।

पहलगाम हमले में गिरफ्तार आरोपियों ने एक आतंकी को पहचाना

● कश्मीर पुलिस ने इसका स्कैच-फोटो जारी नहीं किया था, दो मददगार हुए थे अरेस्ट

श्रीनगर (एजेंसी)। पहलगाम हमले के तीन आतंकियों में से एक की पहचान हो गई है। रविवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की गिरफ्त में आए दो आरोपियों ने बताया है कि हमला करने वाले तीन आतंकियों में से एक का नाम सुलेमान शाह है। बाकी दो पाकिस्तानी आतंकियों के नामों का खुलासा फिलहाल नहीं किया गया है। सुलेमान भी उसी आतंकी नेटवर्क का हिस्सा है, जिसमें वे आतंकी शामिल थे, जिनकी तस्वीर पहलगाम हमले के बाद सामने आई थी। इन आतंकियों में हाशिम मूसा, तल्हा भाई और जुनैद थे। हालांकि, जुनैद पिछले साल ही एनकाउंटर में मार दिया गया था। जुनैद के मोबाइल फोन में ही इन आतंकियों के फोटो मिले थे। उस फोटो में सुलेमान की फोटो भी है।

कामाख्या मंदिर में शुरू हुआ अंबुबाची मेला, 'मासिक धर्म' से है रिश्ता

● तीन दिन तक बंद रहते हैं मंदिर के कपाट, मासिक धर्म में होती हैं माता

दिसपुर (एजेंसी)। असम का कामाख्या मंदिर पूरी दुनिया में फेमस है, यहां माता के दर्शन करने के लिए भक्त हजारों की संख्या में पहुंचते हैं। और ये गिनती तब और बढ़ जाती है, जब यहां 3 दिन के लिए अंबुबाची मेला लगता है। ये मेला भारत के सबसे खास और लोकप्रिय त्योहारों में से एक माना जाता है। इस दौरान लोग इकट्ठा होते हैं और असम की कामाख्या देवी का आशीर्वाद लेते हैं। ये पूरा त्योहार कामाख्या मां की रजस्वला स्थिति अर्थात मासिक धर्म के इर्द-गिर्द घूमता है। जहां भारत के कई हिस्सों में आज भी पीरियड्स को लेकर चुप्पी, शर्म और पाबंदियां देखने को मिलती हैं, वहीं असम में इसे सम्मान के साथ पूजा जाता है। इस मेले के दौरान देवी की मासिक धर्म की अवस्था को पूजते हैं। गुवाहाटी, असम की नीलांचल पहाड़ी पर स्थित कामाख्या मंदिर देवी शक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा का एक बहुत ही पवित्र और खास स्थान है। मंदिर 51 शक्तिपीठों में से एक है और दुनियाभर से लाखों भक्त यहां दर्शन के लिए आते हैं। यहां का सबसे बड़ा त्योहार अंबुबाची मेला है, जो देवी कामाख्या के मासिक धर्म (पीरियड्स) से जुड़ी एक अनोखी और पुरानी परंपरा के साथ कनेक्टेड है। साल 2025 में ये मेला 26 जून तक मनाया जाएगा।

कैदियों के लड़ते ही ऐक्टिव हो जाएगा लॉकिंग सिस्टम

दिल्ली में तिहाड़ से भी हाईटेक जेल, जल्द शुरू होने वाला है काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के नरेला में एक नई हाई-सिक्योरिटी जेल बनने वाली है। यह जेल अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की सेलुलर जेल से प्रेरित है। इस जेल को बनाने का काम जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है। इस प्रोजेक्ट पर लगभग 148.6 करोड़ रुपये खर्च होंगे। अधिकारियों का कहना है कि पहले टेंडर में कोई ठेकेदार नहीं मिला था। इसलिए नियमों में बदलाव किया गया और वित्तीय पहलुओं पर फिर से काम किया गया। इसके बाद संशोधित प्रस्ताव (प्रिजन्स) को भेजा गया। यह नई जेल दिल्ली की अन्य जेलों, जैसे तिहाड़, मंडोली और रोहिणी का बोझ कम करेगी। इन जेलों में क्षमता से ज्यादा कैदी हैं।

अधिकारियों ने बताया कि विभाग जल्द ही 11 एकड़ के प्लॉट पर जेल का पहला चरण शुरू करेगा। दूसरे चरण में, कर्मचारियों के रहने के लिए घर और एक ट्रेनिंग सेंटर बनाया जाएगा। नई जेल में 250 सेल होंगे। ये सेल एक केंद्रीय वॉचटावर से इस तरह निकलेंगे कि पूरी जेल एक पहिये के स्पोक्स की तरह दिखेगी।

एक दूसरे को देख भी नहीं सकेंगे कैदी

दिल्ली सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि नरेला की जेल में एक लॉकिंग सिस्टम होगा, जो जेल में दंगे या झड़प होने पर अपने आप शुरू हो जाएगा। गार्डों को बॉडी कैमरे भी दिए जाएंगे। सेल इस तरह से बनाए जाएंगे कि हाई-रिस्क कैदियों को एक-दूसरे को देखने या बात करने का मौका नहीं मिलेगा, जिससे जेल में गैंग बनाने की उनकी क्षमता प्रभावित होगी। जेल में इन-बिल्ट जैमर लगाए जाएंगे, जिससे मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। जेल कर्मचारियों और कैदियों के परिवारों के लिए सुरक्षा बढ़ाई जाएगी। जेल की दीवारें बहुत ऊंची होंगी ताकि कोई फोन, ड्रग्स या अन्य प्रतिबंधित चीजें अंदर न फेंक सके।

पांच लोग कर रहे हैं सब खेल, मेरी जान को खतरा

कोर्ट जाएंगे..तेज प्रताप यादव का ऐलान-ए-जंग

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्व मंत्री और निलंबित राजद नेता तेज प्रताप यादव ने अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। तेज प्रताप यादव ने कहा- 'अभी मैं असुरक्षित महसूस कर रहा हूं। मैं सरकार से अपील करता हूं कि मेरी सुरक्षा बढ़ाई जाए। हमारे दुश्मन हर जगह लगे हुए हैं... मेरी जान को खतरा है।' तेज प्रताप यादव ने कहा-जिस तरीके से प्रकरण हुआ, किन लोगों के माध्यम से साजिश करके मुझे पार्टी से निकाला गया, ये बिहार की पूरी जनता ने देखा। पूरी जनता मेरा स्वभाव जानती है, इसी का गलत फायदा उठाकर मुझे कुछ लोगों ने दबाने की कोशिश की। तेज प्रताप यादव दबने वाला नहीं है। मैं कुछ लोग जो वहां बैठे हैं उन्हें चुनौती देता हूं। मैं अब जनता के बीच जाऊंगा, जनता न्याय करेगी।

भारत में सस्ते दामों पर मक्का-सोयाबीन बेचने पर अड़ा अमेरिका

इससे भारतीय किसानों को नुकसान, भारत-अमेरिका ट्रेड डील बीच में अटकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच होने वाली ट्रेड डील, कृषि उत्पादों पर इंपोर्ट ड्यूटी के चलते बीच में अटक गई है। ट्रेड डील के लिए अमेरिका अपने जेनेटिकली मॉडिफाइड फूड जैसे मक्का और सोयाबीन पर इंपोर्ट ड्यूटी घटाने की मांग कर रहा है। एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका चाहता है कि ये प्रोडक्ट भारत में सस्ते बिक सकेंगे। वहीं भारत सरकार किसानों को नुकसान होने के कारण इंपोर्ट ड्यूटी नहीं घटाना चाहती। भारतीय अधिकारियों का मानना है कि अगर अमेरिकी सस्ते फूड भारत में आ जाएंगे, तो भारतीय किसानों की फसलें बिकना मुश्किल हो जाएगी। ऐसे में डील पर असमंजस बना हुआ है। 9 जुलाई की डेडलाइन से पहले इसका हल निकलना मुश्किल लग रहा है। अमेरिका चाहता है कि भारत फसलों (मक्का, सोयाबीन) और अन्य कृषि उत्पादों पर आयात शुल्क कम करे। साथ ही, वो मेडिकल डिवाइसेज पर टैरिफ और डेटा लोकलाइजेशन नियमों में ढील चाहता है। अमेरिका अपने डेयरी उत्पादों, गाड़ियों, और व्हिस्की जैसे सामानों के लिए भी कम शुल्क की मांग कर रहा है। भारत ने अमेरिका की मांगों को मानने से इनकार कर दिया, खासकर कृषि और डेयरी बाजार खोलने की मांग को। भारत का कहना है कि इससे लाखों गरीब किसानों को नुकसान होगा। भारतीय उत्पाद, अमेरिकी उत्पादों से मुकाबला नहीं कर पाएंगे। भारत ने

कहा है कि अगर अमेरिका ने स्टील और ऑटोमोबाइल पर शुल्क लगाए, तो हम भी जवाबी शुल्क लगाएंगे। भारत चाहता है कि अमेरिका उसके टेक्सटाइल, चमड़ा, दवाइयां, और ऑटो पार्ट्स पर शुल्क हटाए या कम करे। भारत ने शुरू में शून्य शुल्क की मांग की थी, लेकिन अब कम से कम 10 फीसदी बेसलाइन टैरिफ पर सहमति की उम्मीद है, जो अमेरिका सभी देशों पर लागू कर रहा है। अगर 9 जुलाई तक कोई डील नहीं हुई, तो अमेरिका भारत के सामान पर 26 फीसदी शुल्क लगा सकता है, जिसमें टेक्सटाइल, दवाइयां, और ऑटो पार्ट्स शामिल हैं। इससे भारतीय निर्यातकों को नुकसान होगा। भारत भी जवाब में अमेरिकी सामान पर शुल्क बढ़ा सकता है, जिससे व्यापार तनाव बढ़ सकता है। बातचीत अभी चल रही है। जून 2025 में दिल्ली में हुई चर्चाओं में डिजिटल ट्रेड और कस्टम्स सुविधा जैसे मुद्दों पर सहमति बनी। भारत कुछ कृषि उत्पादों और गाड़ियों पर शुल्क कम करने पर विचार कर रहा है, बशर्ते अमेरिका भारत के टेक्सटाइल और जूते जैसे सामानों पर 10 फीसदी शुल्क दे लेकिन जीएम फूड और डेयरी जैसे मुद्दों पर रुकावट बनी हुई है। भारत और अमेरिका दोनों डील को जल्दी फाइनल करना चाहते हैं, लेकिन भारत किसानों को लेकर चिंतित है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

ईरान-इज़राइल सीज़फायर टूटा

मध्य पूर्व एक बार फिर जंग की दहलीज़ पर खड़ा है। इज़राइल और ईरान के बीच हुआ संघर्षविराम टूट चुका है और अब हालात तेज़ी से विस्फोटक दिशा में बढ़ते नज़र आ रहे हैं। इज़राइल की ओर से तेहरान पर हमले की खुली धमकी और ईरान की आक्रामक चेतावनियों ने इस टकराव को केवल दो देशों की लड़ाई नहीं रहने दिया, बल्कि इससे वैश्विक शांति, कूटनीति और ऊर्जा-सुरक्षा जैसे बुनियादी मुद्दे भी गहराने लगे हैं।

इस हालात में अब कुछ मूल सवाल सामने खड़े होते हैं — जिन पर न केवल क्षेत्रीय देशों को, बल्कि पूरी अंतरराष्ट्रीय बिरादरी को विचार करना चाहिए।

क्या संघर्षविराम एक रणनीतिक छल था?

इज़राइल और ईरान के बीच जो सीमित अवधि का युद्धविराम हुआ था, वो किसी स्थायी समाधान का प्रतीक नहीं था। यह अब स्पष्ट हो चुका है कि सीज़फायर केवल एक रणनीतिक विराम था — दोनों पक्षों को खुद को सैन्य और राजनीतिक रूप से पुनः तैयार करने का समय मिला। यह सवाल उठता है कि क्या भविष्य में संघर्षविराम को विश्वास के साथ देखा जा सकता है, या अब ये केवल अस्थायी धोखे की शक्ल में रहेंगे?

क्या तेहरान पर हमला पूरे क्षेत्र को युद्ध में झोंक देगा?

तेहरान पर हमला केवल एक राजधानी पर सैन्य कार्रवाई नहीं होगा, बल्कि यह ईरान की संप्रभुता और अस्मिता पर सीधा हमला माना जाएगा। इसके परिणामस्वरूप ईरान न केवल प्रत्यक्ष प्रतिक्रिया देगा, बल्कि उसके सहयोगी गुट — जैसे हिज़्बुल्ला (लेबनान), हूती (यमन), और इराक-सीरिया के शिया मिलिशिया — पूरे क्षेत्र को युद्ध के मैदान में तब्दील कर सकते हैं। यह टकराव सीधा सऊदी अरब, अमेरिका, तुर्की और रूस जैसे शक्तिशाली देशों को भी खींच सकता है।

क्या अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं अब केवल मौन दर्शक बन चुकी हैं?

संयुक्त राष्ट्र, ओआईसी, और यूरोपीय संघ जैसे संगठन केवल बयान देने और चिंता ज़ाहिर करने तक सीमित रह गए हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि जब दो देश खुलेआम एक-दूसरे को धमकाते हैं, रॉकेट दागते हैं और नागरिक आबादी खतरे में होती है — तब इन संस्थाओं की भूमिका क्या होनी चाहिए? क्या अंतरराष्ट्रीय कानून और चार्टर सिर्फ छोटे देशों पर लागू होते हैं?

इस्राइल-ईरान टकराव के पीछे छिपे गहरे एजेंडे क्या हैं?

यह टकराव महज़ एक-दूसरे के ऊपर जवाबी हमला नहीं है। इसके पीछे कई रणनीतिक एजेंडे हैं — इज़राइल के लिए ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को रोकना सर्वोपरि है, वहीं ईरान इस्राइली विस्तारवाद और फ़िलिस्तीनी दमन का विरोध करता रहा है। यह लड़ाई धार्मिक पहचान, क्षेत्रीय वर्चस्व और वैश्विक ध्रुवीकरण का मिश्रण बन चुकी है। क्या दुनिया इस बार भी सतही विश्लेषण कर, इन गहराइयों को नज़रअंदाज़ करेगी?

भारत और अन्य एशियाई देशों की भूमिका क्या होगी?

भारत जैसे देशों के लिए यह संकट केवल 'बाहरी मुद्दा' नहीं है। तेल की कीमतें, खाड़ी देशों में बसे करोड़ों प्रवासी भारतीय, वैश्विक व्यापार रूट और कूटनीतिक संतुलन — सब कुछ इस युद्ध से प्रभावित होगा। भारत अभी तक तटस्थ नीति अपनाए हुए है, लेकिन क्या अब समय नहीं आ गया कि वह शांति की पहल करे और इस क्षेत्रीय संकट को वैश्विक स्तर पर शांति में बदलने की कोई ठोस कोशिश करे?

सबसे बड़ा सवाल: इंसानियत कब बचेगी?

हर युद्ध का पहला शिकार आम इंसान होता है — बच्चे, महिलाएं, बुज़ुर्ग, नागरिक। चाहे वो गाज़ा हो या तेहरान — बम किसी सरकार पर नहीं, इंसानियत पर गिरते हैं। क्या 21वीं सदी की दुनिया अब भी बारूद से ही फैसले करेगी? क्या अब भी राजनैतिक इच्छाशक्ति युद्ध से ज़्यादा शांति के लिए नहीं जागेगी?

"ट्रैफिक का जाल, जनजीवन बेहाल: क्या है समाधान?"

आज के आधुनिक युग में विकास और तरक्की के साथ-साथ एक ऐसी समस्या भी हमारे सामने तेजी से उभर कर आई है, जो न केवल हमारे समय और संसाधनों की बर्बादी का कारण बन रही है, बल्कि नागरिकों के मानसिक तनाव, पर्यावरण प्रदूषण और सड़क सुरक्षा जैसे अहम मुद्दों को भी जन्म दे रही है—यह समस्या है ट्रैफिक जाम। देश के हर छोटे-बड़े शहर, महानगर और यहां तक कि कस्बों में भी अब यह आम परेशानी बन चुकी है।

ट्रैफिक की समस्या का सीधा संबंध शहरों की अनियोजित विकास नीति, जनसंख्या वृद्धि, सार्वजनिक परिवहन की दुर्दशा और लोगों की निजी वाहनों पर बढ़ती निर्भरता से है। इस समस्या को सिर्फ कानून बना देने या चंद सिग्नलों को ठीक कर देने से हल नहीं किया जा सकता। इसके लिए बहुआयामी और दीर्घकालिक योजना बनानी होगी, जिसमें सरकार, प्रशासन और आमजन की भागीदारी आवश्यक है।

समस्या की जड़ में है बेतरतीब विकास और निजी वाहनों की बढ़ती संख्या

हमारे शहर अनियोजित ढंग से बढ़ते जा रहे हैं। कहीं पर सड़कों का चौड़ीकरण हुआ ही नहीं, कहीं मकान सड़क से सटे हुए हैं और कहीं दुकानदारों ने फुटपाथ तक घेर लिए हैं। नतीजतन, जब सैकड़ों वाहन एक ही गली या तंग रास्ते से गुजरते हैं तो जाम तो लगना ही है। बेतरतीब शहरी विकास इस समस्या की सबसे बड़ी वजह है। शहरों की प्लानिंग में ट्रैफिक मूवमेंट की अनदेखी की गई है। बीते एक दशक में मध्यमवर्ग की आय बढ़ी है और उसका सीधा असर दिखा है—हर घर में कम से कम एक टू-व्हीलर या कार होना अब आम बात हो गई है। लेकिन क्या उतनी ही संख्या में सड़कें बढ़ीं? क्या सिग्नल्स और पार्किंग की व्यवस्था विकसित हुई? नहीं। यही असंतुलन ट्रैफिक जाम को जन्म देता है। निजी वाहन बढ़ते जा रहे हैं और सार्वजनिक परिवहन घटता जा रहा है।

1. जनसंख्या और वाहन वृद्धि पर नियंत्रण जरूरी

शहरों की सीमाएं तो फैलती जा रही हैं, लेकिन इन शहरों के भीतर ट्रैफिक लोड उठाने की क्षमता जस की तस बनी हुई है। आज के समय में लगभग हर मध्यमवर्गीय परिवार के पास कम से कम एक टू-व्हीलर और एक फोर-व्हीलर वाहन है। जब सड़कों की संख्या और चौड़ाई उतनी ही रहे, और वाहनों की संख्या हर दिन बढ़ती जाए, तो ट्रैफिक जाम होना स्वाभाविक है। इसलिए शहरों में वाहनों के अनियंत्रित पंजीकरण पर लगाम लगाना जरूरी है। सख्त नियमों के तहत एक परिवार के लिए एक या दो वाहन की सीमा तय की जा सकती है।

2. सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को मजबूत बनाना होगा

आज भी कई बड़े शहरों में मेट्रो, ट्राम, बीआरटीएस जैसी सुविधाएं नहीं हैं। जहां हैं भी, वहां उनका नेटवर्क सीमित है या रखरखाव खराब। अगर सरकारी बसें समय पर, सस्ती और आरामदायक हों, तो लोग निजी वाहन से यात्रा करने के बजाय इन्हें प्राथमिकता देंगे। दिल्ली मेट्रो इसका एक अच्छा उदाहरण है, जिसने लाखों लोगों को रोजाना सफर की राहत दी है। इसी तरह सभी शहरों को स्थानीय परिवहन व्यवस्था पर ध्यान देना चाहिए।

3. ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन

भारत में ट्रैफिक जाम की एक बड़ी वजह है लोगों का ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करना। रेड लाइट जंप करना, गलत दिशा में वाहन चलाना, बिना लाइसेंस गाड़ी चलाना, फुटपाथ पर बाइक दौड़ाना आदि सामान्य दृश्य बन चुके हैं। जब तक ट्रैफिक पुलिस नियमों का कड़ाई से पालन नहीं कराएगी और नागरिक स्वयं सजग नहीं होंगे, तब तक कोई योजना सफल नहीं हो सकती। इसके लिए जुर्माना राशि में वृद्धि के साथ ई-चालान प्रणाली को और प्रभावशाली बनाना होगा।

4. स्मार्ट ट्रैफिक सिस्टम और तकनीकी उपाय

आज जब देश डिजिटल इंडिया की ओर बढ़ रहा है, तब ट्रैफिक व्यवस्था में भी तकनीक का समावेश आवश्यक हो गया है। स्मार्ट सिग्नल्स, सीसीटीवी निगरानी, ट्रैफिक फ्लो को नियंत्रित करने वाले सेंसर, लाइव ट्रैफिक अपडेट ऐप आदि आज के समय की जरूरत हैं। कई देशों ने ऐसे सिस्टम से ट्रैफिक जाम की समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया है।

5. अतिक्रमण और अवैध पार्किंग पर सख्ती

हमारे शहरों की सबसे बड़ी परेशानी है सड़कों पर अतिक्रमण और अवैध पार्किंग। दुकानदार अपने सामान सड़क पर फैला देते हैं, लोग दुकानों के आगे या तंग गलियों में गाड़ियां खड़ी कर देते हैं, जिससे वाहनों को निकलने में दिक्कत होती है। इन सबके खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। नगरपालिका, पुलिस और ट्रैफिक विभाग को समन्वय से काम करना चाहिए और ऐसे लोगों पर भारी जुर्माना लगाना चाहिए।

6. शहरी नियोजन और इन्फ्रास्ट्रक्चर का पुनर्निर्माण

शहर जिस गति से फैल रहे हैं, उसी अनुपात में सड़कों, पुलों, बायपास, फ्लाईओवर और अंडरपास जैसी सुविधाओं का विस्तार नहीं हो रहा है। एक ही रास्ते से स्कूल, दफ्तर, बाजार और अस्पताल जाने को मजबूर लाखों लोग ट्रैफिक को बद से बदतर बना देते हैं। शहरी नियोजन में हर क्षेत्र का अलग मार्ग और यातायात दिशा निर्धारित करना अनिवार्य है। इसके साथ ही पुराने शहरों में सड़कों के चौड़ीकरण और मल्टीलेवल पार्किंग की व्यवस्था की जानी चाहिए।

7. साइकिल और पैदल यात्रियों के लिए विशेष मार्ग

अगर छोटे-छोटे फासले तय करने के लिए लोग वाहन के बजाय पैदल चलें या साइकिल का उपयोग करें, तो ट्रैफिक का लोड काफी कम किया जा सकता है। इसके लिए फुटपाथ, साइकिल ट्रैक और सुरक्षित ज़ेब्रा क्रॉसिंग का निर्माण अनिवार्य होना चाहिए। इससे न केवल ट्रैफिक घटेगा बल्कि लोगों का स्वास्थ्य भी सुधरेगा और पर्यावरण को भी राहत मिलेगी।

8. ट्रैफिक शिक्षा को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाना चाहिए

जब तक बच्चे बचपन से ट्रैफिक नियमों की अहमियत नहीं समझेंगे, तब तक सड़क पर सजग नागरिक नहीं बन पाएंगे। स्कूलों में ट्रैफिक से जुड़ी शिक्षा दी जाए, कार्यशालाएं करवाई जाएं और अभिभावकों को भी इस दिशा में जागरूक किया जाए, तो यह एक स्थायी समाधान की दिशा में मजबूत कदम हो सकता है।

समाधान की दिशा में जरूरी पहल- अब यह समझना जरूरी है कि यदि ट्रैफिक जाम की समस्या एक बहुस्तरीय संकट है, तो उसका समाधान भी समग्र और बहुआयामी होगा।

1. स्मार्ट सिटी के नाम पर **असली** स्मार्ट ट्रैफिक व्यवस्था लागू हो केवल नाम से स्मार्ट सिटी बनने से कुछ नहीं होगा। वहां पर स्मार्ट ट्रैफिक सिग्नल्स, लाइव ट्रैफिक डेटा, सीसीटीवी मॉनिटरिंग, और इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (ITMS) अनिवार्य रूप से लागू होने चाहिए।
2. सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता दी जाए हर शहर में इलेक्ट्रिक बसें, फीडर सेवाएं, मेट्रो विस्तार, लोकल ट्रेन और ट्राम सेवाएं शुरू की जानी चाहिए। इन्हें सुविधाजनक और सस्ती बनाना होगा ताकि लोग खुद-ब-खुद निजी वाहनों का उपयोग कम कर दें।
3. मल्टीलेवल पार्किंग और पार्किंग नीति शहरों के भीड़भाड़ वाले इलाकों में मल्टीलेवल पार्किंग और भुगतान आधारित पार्किंग व्यवस्था होनी चाहिए। जहां जगह नहीं है, वहां सिर्फ दोपहिया वाहनों की पार्किंग हो। अवैध पार्किंग पर तुरंत चालान और टोइंग की व्यवस्था लागू हो।
4. साइकिल और पैदल यात्रियों के लिए विशेष रास्ते यूरोप और चीन की तरह भारत में भी शॉर्ट डिस्टेंस के लिए साइकिल और पैदल यात्रा को बढ़ावा दिया जाए। इसके लिए सुरक्षित फुटपाथ, साइकिल ट्रैक और ज़ेब्रा क्रॉसिंग जरूरी हैं।
5. ट्रैफिक शिक्षा जरूरी हो स्कूलों से लेकर कॉलेजों तक ट्रैफिक नियमों की पढ़ाई अनिवार्य होनी चाहिए। सामाजिक अभियानों, विज्ञापनों और वर्कशॉप्स के जरिए लोगों को जागरूक करना होगा कि उनका ट्रैफिक नियमों का पालन सिर्फ उनके लिए नहीं, पूरे समाज के लिए ज़रूरी है।
6. अतिक्रमण हटाओ अभियान सख्ती से लागू हो नगर निगम और पुलिस को साथ मिलकर नियमित रूप से अतिक्रमण हटाने की मुहिम चलानी चाहिए। जो दुकानदार सड़कों पर कब्जा करते हैं, उन्हें जुर्माने के साथ लाइसेंस निरस्त करने की सजा दी जानी चाहिए।
7. फ्लाईओवर, अंडरपास और बायपास का विस्तार हो ट्रैफिक के दबाव को कम करने के लिए शहरों के भीतर और बाहर फ्लाईओवर व बायपास की संख्या बढ़ाई जाए। इससे भीड़भाड़ वाले चौराहों पर लोड कम होगा और यातायात निर्बाध चल सकेगा।

पैगम्बर मुहम्मद (स0) ने अपने आखिरी पैगाम में क्या कहा था?

यह पैगाम मक्का में माउंट अराफात की उरना घाटी में 10 एएच (623 ई।) को जुल-हिज्जा के नौवें दिन दिया गया था। यह हज का मौका था। इसे विदाई सफर ए हज के तौर पर भी जाना जाता है।

अल्लाह की तारीफ और शुक्र अदा करने के बाद पैगम्बर (स.) ने इन लफ्जों से शुरुआत की:

"ए लोगों! मेरी बात ध्यान से सुनो, क्योंकि मैं नहीं जानता कि इस साल के बाद मैं कभी तुम्हारे बीच आ पाऊंगा या नहीं। इसलिए, जो मैं कह रहा हूं उसे ध्यान से सुनो और इन लफ्जों को उन लोगों तक पहुंचाओ जो आज यहां मौजूद नहीं हो सके।"

"ऐ लोगों! जिस तरह तुम इस महीने को, इस दिन को, इस शहर को पाक समझते हो, उसी तरह हर मुसलमान की जान और माल को पाक अमानत समझो। जो माल तुम्हें सौंपा गया है, उसे उसके असली मालिकों को लौटा दो। किसी को तकलीफ़ न पहुंचाओ, ताकि कोई तुम्हें तकलीफ़ न पहुंचाए। याद रखो कि तुम अपने रब से ज़रूर मिलोगे और वह तुम्हारे कामों का हिसाब लेगा।" "अल्लाह ने तुम्हें सूद लेने से मना किया है, इसलिए अब से सारा ब्याज माफ कर दिया जाएगा। तुम्हारी पूंजी तुम्हारे पास रहेगी। तुम न तो कोई असमानता करोगे और न ही किसी तरह की असमानता को सहन करोगे। अल्लाह ने फैसला सुनाया है कि कोई ब्याज नहीं लिया जाएगा और अब्बास इब्न अल-मुत्तलिब को दिया जाने वाला सारा ब्याज माफ कर दिया जाएगा।"

"इस्लाम पहले कत्ल से पैदा हर अधिकार अब से खत्म कर दिया गया है और पहला ऐसा अधिकार जिसका मैं त्याग करता हूं, वह रबिया इब्न अल-हरिथिया के कत्ल से पैदा हुआ है।"

"ऐ लोगों! काफ़िर लोग कैलेंडर के साथ छेड़छाड़ करते हैं, ताकि अल्लाह ने जो हराम किया है, उसे हलाल बना सकें और अल्लाह ने जो हलाल किया है, उसे हराम कर सकें। अल्लाह के यहां महीने बारह हैं। उनमें से चार पाक हैं, कुछ एक के बाद एक आते हैं और एक जुमा और शाबान के महीनों के बीच में आता है।"

"अपने मजहब की हिफाजत के लिए शैतान से सावधान रहो। उसने सारी उम्मीदें खो दी हैं कि वह तुम्हें बड़ी चीजों में गुमराह कर सकेगा, इसलिए छोटी चीजों में उसका अनुसरण करने से सावधान रहो।"

"ऐ लोगों, यह सच है कि तुम्हारी औरतों के तुल्लुक में तुम्हारे कुछ अधिकार हैं, किन्तु औरतों का भी तुम पर अधिकार है। याद रखो कि तुमने उन्हें अल्लाह के भरोसे और उसकी इजाजत से ही अपनी बीवियां बनाया है। अगर वे तुम्हारे हक का पालन करें तो उन्हें भी अच्छा खाना और अच्छा कपड़ा पाने का हक है। अपनी औरतों के साथ अच्छा व्यवहार करो और उनके साथ अच्छा व्यवहार करो, क्योंकि वे तुम्हारी साझेदार और समर्पित सहायक हैं। और यह तुम्हारा अधिकार है कि वे किसी ऐसे शख्स से दोस्ती न करें जिसे तुम पसंद न करते हो, और यह भी कि वे कभी भी बदचलन न हों।"

"ए लोगों! मेरी बात ध्यान से सुनो, अल्लाह की इबादत करो, पांचों वक्त की नमाज़ें पढ़ो, रमज़ान के महीने में रोज़ा रखो और अपनी दौलत ज़कात में दो। अगर तुममें काबिलियत हो तो हज भी करो।"

"सारी मानवजाति आदम और हव्वा से है, एक अरब को किसी गैर-अरब पर कोई तरजीह नहीं है, न ही एक गैर-अरब को किसी अरब पर कोई तरजीह है; इसी तरह एक गोरे को किसी काले पर कोई तरजीह नहीं है, न ही एक काले को किसी गोरे पर कोई तरजीह है, सिवाय धर्मपरायणता और अच्छे काम के। सीखो कि हर मुसलमान हर मुसलमान का भाई है और मुसलमान एक भाईचारा बनाते हैं। एक मुसलमान के लिए कोई भी ऐसी चीज़ जायज नहीं होगी जो किसी दूसरे मुसलमान की हो, जब तक कि वह आजाद तौर से और मर्जी से न दी गई हो।"

"अपने ऊपर ज़ुल्म न करो। याद रखो एक दिन तुम अल्लाह से मिलोगे और अपने कामों का जवाब दोगे। इसलिए सावधान रहो, मेरे चले जाने के बाद धर्म के रास्ते से विचलित न हो जाना।"

"ऐ लोगों! मेरे बाद कोई पैगम्बर या रसूल नहीं आएगा और कोई नया धर्म पैदा नहीं होगा। इसलिए ऐ लोगों! अच्छी तरह से सोच-विचार करो और जो बातें मैं तुम तक पहुंचा रहा हूं, उन्हें समझो। मैं अपने पीछे दो चीज़ें छोड़ रहा हूं, कुरान और सुन्नत। अगर तुम इनका पालन करोगे तो कभी गुमराह नहीं होगे।"

"वे सभी जो मेरी बात सुनते हैं, वे मेरे शब्दों को दूसरों तक पहुंचाएंगे और फिर दूसरों तक पहुंचाएंगे; और जो लोग मेरी बात को अंत में सुनते हैं, वे उन लोगों की तुलना में मेरे शब्दों को बेहतर ढंग से समझ सकें जो मुझे सीधे सुनते हैं।"

"ऐ अल्लाह, मेरी गवाही दे कि मैंने तेरा पैगाम अपनी क़ौम तक पहुंचा दिया है।"

इस धर्मोपदेश के एक भाग के रूप में, पैगम्बर ने उन्हें अल्लाह की ओर से एक रहस्योद्घाटन सुनाया, जो उन्हें अभी-अभी मिला हुआ था, और जिसने कुरान को पूरा किया, क्योंकि यह प्रकट होने वाला अंतिम अंश था:

आज काफिरों की निराशा तुम्हारे दीन पर हावी होने से रही। अतः उनसे न डरो, बल्कि मुझसे डरो। आज मैंने तुम्हारे लिए तुम्हारा दीन पूरा कर दिया और तुम पर अपनी नेमत पूरी कर दी। और यह मेरी खुशी है कि मैंने तुम्हारे लिए इस्लाम को दीन के रूप में चुन लिया। (सूरा 5, आयत 3)

पैगंबर के गुजारिश पर सफ़वान के भाई रबिया (आरए) ने एक-एक वाक्य दोहराकर उपदेश दिया, जिसकी आवाज़ बहुत शक्तिशाली थी और उन्होंने इस मौके पर जमा दस हज़ार से ज़्यादा लोगों के सामने ईमानदारी से उपदेश सुनाया। अपने उपदेश के अंत में, पैगंबर ने पूछा "हे लोगों, क्या मैंने ईमानदारी से अपना संदेश तुम तक पहुँचा दिया है?" हज़ारों तीर्थयात्रियों की ओर से "हे अल्लाह! हां!" की शक्तिशाली आवाज़ उठी और "अल्लाहुम्मा नाम" के जीवंत शब्द पूरी घाटी में गड़गड़ाहट की तरह गूंज उठे। पैगंबर ने अपनी तर्जनी उठाई और कहा: "हे अल्लाह गवाही दो कि मैंने तुम्हारा संदेश तुम्हारे लोगों तक पहुंचा दिया है।"

सती-सावित्री के देश में यह क्या हो रहा है?

हमारा देश भारत यूं ही महान नहीं कहलाता है। यहाँ की सभ्यता और संस्कृति में रिश्तों की बहुत कद्र की गई है। एक दूसरे प्रति इतना आदर और इतना सम्मान रहा है कि इंसान तो इंसान, पत्थरों की भी पूजा की जाती है (मले ही इसे कोई अन्यथा ले, लेकिन हकीकत को ठुकरा नहीं सकते हैं)। आख्यानों, किवदन्तियों, दन्तकथाओं और पौराणिक माध्यमों से पता चलता है कि रिश्तों की सदैव लाज रखी गई है। यदि अनजान व्यक्ति भी भाई-बन्धु के ससुराल का हो तो ब्यायजी का रिश्ता जोड़ लिया जाता था। महाराज दशरथ के वचन के खातिर श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और सीताजी ने जो त्याग किए, उन्हें दुनियाँ जानती है।

जहाँ तक पति-पत्नि के रिश्तों की बात है, पति को यहाँ परमेश्वर का दर्जा दिया गया था, वह चाहे जैसा भी हो (नारीवादी संगठन भले ही इस पर आपत्ति उठाए)। गाँधारी ने अपने दृष्टिहीन पति के खातिर सारी जिन्दगी आँखों पर पट्टी बाँधे रखी थी। इसी प्रकार नल दमयन्ती, शिव-सती, सत्यवान सावित्री राम-सीता आदि की कहानियाँ यहाँ हजारों वर्षों से यूं ही प्रचलित नहीं हैं। ये भले ही कहानियाँ हों लेकिन भारतीय नैतिक मूल्यों के बारे में बताती हैं कि आखिर अपने सुहाग की रक्षा के लिए एक भारतीय नारी कहाँ तक जा सकती है? उसे मृत्यु के देवता यम से लड़ने में भी कोई परहेज नहीं रहा।

ये तो हुईं प्रचीन भारत की बातें। इनकी तुलना वर्तमान से करना उचित नहीं होगा, क्योंकि अनेकानेक परिस्थितियाँ बदली हैं। लेकिन अभी भी ऐसी नारियों हैं, जिन्होने अपने अंग दान करके पतियों की जान बचाई है, जिनकी खबरें अखबारों में छपती रहती हैं। अन्य देशों के बजाय भारत में आज भी रिश्तों की इज्जत अधिक है और जिन्दगी एक-दूजे के बिना अधूरी समझी जाती है, जैसे एक पहिए की साइकिल। पति-पत्नी दोनों जिन्दगी खट्टे-मीठे अनुभवों के साथ जीते हैं। पति की लम्बी उम्र की कामना के साथ करोड़ों औरतें आज भी हर साल करवा चौथ का व्रत करती हैं। लेकिन कुछ वर्षों से न जाने क्या हो गया है इस देश में, न जाने कैसी विषैली हवा चल रही है कि रिश्तों की गरिमा तार-तार हो रही है!! पिता-पुत्र, माँ-बेटा, भाई-भाई, भाई-बहिन, जीजा-साला, पति-पत्नि-कोई भी रिश्ता ले लीजिए, एक-दूसरे के लिए प्राणघातक हुए हैं और जान तक ली है। इसके लिए हम किसी अन्य संस्कृति को दोषी नहीं ठहरा सकते है, क्योंकि गहराई से देखें तो पता चलता है कि संस्कृति चाहे इस्लामिक हो, चाहे ईसाई, चाहे यूनानी हो या चीनी, सभी में रिश्तों को अच्छी तरह निभाया जाता था। अपवाद तो हर जगह मिलते ही हैं जैसे अजातशत्रु और उदयसिंह प्रथम ने अपने ही पिताओं क्रमशः बिम्बिसार और महाराणा कुम्भा की हत्या की थी। सम्राट अशोक के बारे में प्रसिद्ध है कि उन्होंने अपने 99 भाईयों की हत्या की थी!!

इस युग में पहले जैसी आस लगाना निरर्थक है लेकिन इतना हर कोई चाहता है कि जो सम्बन्ध है; जो रिश्ते-नाते हैं वे निभाये जायें और न निभा सकें तो बाइज्जत उनसे मुक्त हुआ जाए।

हाल ही में इन्दौर की सोनम द्वारा अपने पति राजा रघुवंशी की निर्मम हत्या ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। यह घटना देश में सांस्कृतिक अवमूल्यन की प्रतीक है। इस मामले में जो भी हुआ और हो रहा है, वह तो समाचार पत्रों में आ ही रहा है। यह गम्भीर विषय है कि जहाँ एक ओर पति के खातिर मौत से लड़ने वाली नारियाँ हुई हैं, वहीं ऐसी नारियाँ भी हो रही हैं जो इस शब्द को ही कलंकित कर रही हैं, और अपने सात फेरे वाले पति की हत्या कर रही हैं या करवा रही हैं। किस्से कहानियों में ही सही, लेकिन कहा जाता है कि नाग-नागिन के जोड़े में से यदि नाग को मार दिया जाए तो नागिन बदला जरूर लेती है और अपने नाग के हत्यारे को मार कर ही दम लेती है। इस देश की नारियों को क्या हो गया है?

खबरों के अनुसार देश के पाँच बड़े राज्यों में पिछले पाँच साल में पत्नियों द्वारा 785 पतियों की हत्या की गई या करवाई गई (राजस्थान पत्रिका 11 जून 2025)। रिपोर्ट बताती है कि देश में किस कदर पति-पत्नि के रिश्तों में खटास बढ़ती जा रही है?

ऐसा नहीं है कि मात्र पत्नियों ही पतियों की हत्यायें करवा रहीं हैं या कर रही है। सिक्के का दूसरा पहलू भी सत्य है, अर्थात् कई दुर्घटनाओं में पतियों ने भी पत्नियों की हत्यायें की हैं या करवाई हैं। दाम्पत्य जीवन में इस प्रकार की दुर्घटनाओं का होना अत्यन्त दुखद है। कोई भी रिश्ता हो, वह जबरन नहीं निभाया जाता है। कुछ रिश्तों को निभाएं चाहे नहीं निभाएं, हम नहीं मिटा सकते हैं जैसे दादा पोता, माता-पिता, भाई-बहिन, चाचा-भतीजा, ताऊ भतीजा, बुआ-भतीजा आदि। ये रिश्ते एक बार बन गये, तो सदैव कायम रहते हैं. आप माने या न मानें, निभाएं या न निभाएं। निभाने पर रिश्तों की गर्माहट बनी रहती है, अन्यथा धीरे-धीरे ठण्डे पड़ने लग जाते हैं।

कुछ रिश्ते हम स्वयं बनाते हैं। पति-पत्नि का रिश्ता भी इनमें से एक है। शादी होने पर दो जनें ही पति-पत्नि बनते हैं, लेकिन इसके साथ कई और रिश्ते स्वतः बन जाते हैं जो केवल पति-पत्नि के रिश्ते की डोर पर ही आश्रित रहते हैं। सास-ससुर, जीजा-साला, जीजा-साली, ननदोई-सहलज, ननद-भाभी, समधी समधन आदि इसी प्रकार के रिश्ते हैं। पति-पत्नि में तलाक होने पर ये रिश्ते भी प्रायः समाप्त ही समझे जाते हैं।

अब पहले जैसी बातें रही नहीं है। लड़के-लड़कियाँ अपनी मनमर्जी से शादियाँ कर रहे हैं। अतः विवाह के बन्धन में बंधने से पहले लड़के-लड़की (और यदि शामिल हों तो) उनके माता-पिता, नातेदार रिश्तेदार बिना किसी जोर-जबर्दस्ती के यह निश्चित कर लें कि लड़का-लड़की इस शादी के लिए तैयार है या नहीं ? क्या वे इस रिश्ते को आजीवन निभा लेंगे ? वे ऊपरी मन से तो शादी नहीं कर रहे हैं? इसी प्रकार और भी आवश्यक जांच कर लेनी चाहिए।

शादी हो जाने के बाद भी शादी को निभाना ही है, इसे आवश्यक नहीं मानते हुए जब भी आवश्यक समझें, रिश्तों का विश्लेषण कर लें कि हम साथ-साथ रह सकते हैं कि नहीं? अगर नहीं तो कानूनन तलाक ले लें और अपना-अपना अलग घर बसा लें। लेकिन किसी भी हाल में अपनी पत्नी या पति की हत्या करने या करवाने जैसा जघन्य कार्य नहीं करें। दुनिया के किसी भी धर्म, जाति, देश या स्थान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि आप जीवनसाथी से असन्तुष्ट या नाराज हैं तो उसकी हत्या कर दें, उसकी जान ले लें। अन्ततः परिणाम जेल या सजा-ए-मौत ही होता है।

सामाजिक संगठनों, पंच पटेलों को भी सोचना चाहिए कि अब जमाना बदल गया है। शादी के लिए किसी प्रकार की जोर-जबर्दस्ती नहीं करनी चाहिए ताकि भविष्य में राजा रघुवंशी हत्याकाण्ड जैसी वारदातें नहीं हो।

- **डॉ. श्याम सुन्दर बैरवा, भीलवाड़ा, 8764122431**

पं. दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े का शुभारंभ

-गत सरकार में प्रदेश पिछड़ा, अब विकास की दौड़ में अव्वल - भजनलाल शर्मा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अंत्योदय के सिद्धांत के अनुसार गांव, गरीब, किसान, मजदूर के सशक्त होने से ही देश की तरक्की संभव है। इस दर्शन को साकार करने के लिए राज्य सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़े के माध्यम से समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें, शिविरों में जाएँ, अपने लंबित कार्य पूरे करवाएँ और दूसरों को भी प्रेरित करें।

शर्मा ने मंगलवार को जयपुर जिले की दूदू तहसील स्थित बिचून ग्राम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय संबल पखवाड़े का शुभारंभ किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय जी एक ऐसे महान विचारक थे, जिन्होंने अपने जीवन को समाज के वंचित वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। उनका सपना था कि भारत का हर गांव और हर व्यक्ति आत्मनिर्भर बने। इस पखवाड़े के माध्यम से हम विकास के उजियारे को हर जरूरतमंद तक पहुंचाने का संकल्प पूरा कर रहे हैं।

अंत्योदय संबल पखवाड़े में जनता के काम होंगे पूरे-

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पखवाड़े के दौरान गरीब और वंचित वर्ग के वर्षों से अटके कार्यों को पूरा कर उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा, जिससे उनके जीवन में स्थायी बदलाव आए। उन्होंने कहा कि इस पखवाड़े में विभिन्न शिविरों के माध्यम से कई महत्वपूर्ण कार्य किए जाएंगे, जो गरीब परिवारों को संबल प्रदान करेंगे। शिविरों में भूमि-संबंधी विवादों का समाधान और आपसी सहमति से बंटवारे, पं. दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गाँव योजना में 10 हजार गाँवों में बीपीएल परिवारों का सर्वे कर उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाएगा। साथ ही, स्वामित्व पट्टे बनाने एवं वितरण करने जैसे कार्यों से ग्रामीण बिना कानूनी अड़चनों के अपनी जमीन का स्पष्ट स्वामित्व प्राप्त कर सकेंगे।

वंचित वर्ग के जीवन को बेहतर बना रही हमारी सरकार-

शर्मा ने कहा कि इन शिविरों में पानी की टंकियों की सफाई, लंबित नल कनेक्शन देने, लीकेज की मरम्मत, नहरों की सफाई जैसे प्रकरण भी शामिल होंगे, जिससे गांवों में स्वच्छ पेयजल और बेहतर सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसी तरह नर्सरियों से पौधों का वितरण, मृदा नमूनों का संग्रहण और मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण किसानों को वैज्ञानिक खेती करने में सहायता करेगा। उन्होंने कहा कि शिविरों में मंगला पशु बीमा, पशुओं की जांच, इलाज और टीकाकरण जैसे कार्यों से पशुपालकों को आर्थिक सुरक्षा मिल सकेगी। पखवाड़े के दौरान आयुष्मान कार्ड वितरण, एनएफएसए के लंबित प्रकरणों का निस्तारण, विद्यालयों में प्रवेशोत्सव से बच्चों का नामांकन तथा झूलते तारों और विद्युत पोलों की मरम्मत जैसे कार्यों से सीधे तौर पर गरीब और वंचित वर्ग का जीवन सुगम होगा।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हो रही संकल्प से सिद्धि-

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 से देश के हर क्षेत्र में आया अभूतपूर्व बदलाव हम सबने देखा है। उनके नेतृत्व में देश संकल्प से सिद्धि तक का सफर तय कर रहा है। मोदी के अनुसार देश में गरीब, युवा, महिला और किसान चार जातियां हैं तथा इन्हीं के उत्थान से देश-प्रदेश का विकास संभव है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रकृति को समर्पित 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरित होकर हमने भी प्रदेश में इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है।

हर नागरिक को समृद्ध और सशक्त बनाना हमारा लक्ष्य-

मुख्यमंत्री ने कहा कि गत सरकार के समय प्रदेश हर क्षेत्र में पिछड़ गया था। हमने आते ही इस स्थिति को बदलने का संकल्प लिया। हमारी सरकार का स्पष्ट लक्ष्य राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में सरप्लस स्टेट बनाना है। इसके लिए हमारी सरकार ने बिजली आपूर्ति में ऐतिहासिक सुधार किए हैं। उन्होंने कहा कि गर्मियों में पहले महंगी दरों पर बिजली खरीदनी पड़ती थी लेकिन हमने इस मजबूरी को खत्म करते हुए 18 हजार 509 मेगावाट की रिकॉर्ड पीक डिमांड को बिना किसी व्यवधान के पूरा किया। हमारी सरकार ने बिजली उधार लिए बिना ही रबी सीजन में किसानों को इसकी निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की।

गोपालन विभाग ने एप में किया अपग्रेडेशन

-गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने प्रेस वार्ता में दी जानकारी

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। प्रदेश की गौशालाओं को पूरी पारदर्शिता के साथ अनुदान राशि का भुगतान समय पर मिले इसके लिए गोपालन विभाग ने अपनी एप में आमूलचूल परिवर्तन किया है। गोपालन, डेयरी, पशुपालन एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने मंगलवार को पशुपालन निदेशालय के राजस्थान पशुधन विकास बोर्ड के मीटिंग हॉल में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि इस परिवर्तन के साथ डुप्लीकेट टैग के जरिए भुगतान उठाने की आशंका पूरी तरह से खत्म हो गई है। साथ ही, इस एप में अपडेग्रेडेशन के बाद राज्य सरकार को करीब 29 करोड़ रुपए की राशि की बचत हुई है। इस दौरान उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार की ओर से पशुपालन व गोपालन विभाग की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे जानकारी देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में सरकार ने बजट वर्ष-2024-25 व 2025-26 में जो घोषणाएं की हैं, उनमें से अधिकतर पूरी हो गई हैं।

पशुओं के कल्याण के लिए कृतसंकल्पित सरकार-

पशुपालकों के लिए चलाई जा रही मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना, नस्ल सुधार के लिए गिर गाय में ब्राजील के उन्नत नस्ल के गिर सांड का सीमन लगाने, सैक्स सोर्टेड तकनीक, मोबाइल वेटेनरी वैन, गोपालक क्रेडिट कार्ड योजना की प्रगति के बारे में जानकारी दी। कुमावत ने कहा कि पशुपालकों को उनके द्वार पर पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराए जाने हेतु मेडिकल सेवा-108 की तर्ज पर 1962 मोबाइल वेटेरिनरी सेवाएं प्रारंभ की गई है। 536 मोबाइल वाहनों द्वारा अब तक 48 लाख पशुओं का उपचार कर 11.92 लाख से अधिक पशुपालकों को लाभान्वित किया गया है। मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत 400 करोड़ का व्यय कर गाय, भैंस, भेड़-बकरी एवं ऊँट सहित 21 लाख पशुओं का निःशुल्क बीमा किये जाने के लिए ऑनलाईन पंजीकरण 13 दिसम्बर, 2024 से प्रारम्भ कर 8.95 लाख पशुपालकों के 20.30 लाख पशुओं का पंजीकरण किया गया। योजना के तहत अब तक 337134 परिवार के 6.57 लाख पशुओं की निःशुल्क बीमा पॉलिसी जारी की गई है। वर्ष 2025-26 के दौरान 42 लाख पशुओं का बीमा निःशुल्क किया जायेगा।

सरकार की 29 करोड़ 58 लाख 84 हजार रुपए की राशि की बचत-

गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने गोशालाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं की चर्चा करते हुए कहा कि तत्कालीन सरकार के समय गौवंश की संख्या अधिक बताकर करोड़ों रुपए का फर्जी भुगतान उठाने का मामला सामने आने पर उसकी जांच करवाई गई। मंत्री ने कहा कि जांच के बाद अकेले जैसलेमर जिले में 28 गौशालाओं को दोषी पाए जाने पर उन्हें ब्लैकलिस्ट करते हुए वर्ष-2024-25 के दूसरे चरण का भुगतान रोक दिया गया। साथ इन गौशालाओं की विस्तृत व प्रभावी तरीके से जांच के लिए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को जांच सौंपी गई है। इसके अलावा पिछले कुछ समय से गौवंश के डुप्लीकेट टैग लगाकर उनकी संख्या अधिक दिखाकर भुगतान उठाने के मामले भी गोपालन विभाग ने पकड़े हैं। इस जांच में 49 हजार 314 फर्जी गौवंश का भंडाफोड़ करते हुए संबंधित गौशालाओं की अनुदान राशि रोकी गई है। इससे गोपालन विभाग ने 29 करोड़ 58 लाख 84 हजार रुपए की राशि की बचत की है।

811 करोड़ के लिए भौतिक सत्यापन कराया -

गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि गौशालाओं को समय पर अनुदान राशि का भुगतान हो इसके लिए गोपालन विभाग की एप में अपग्रेडेशन किया गया है। इसके बाद नवंबर, दिसंबर-2024, जनवरी, फरवरी व मार्च-2025 तक के 150 दिन की बकाया करीब 811 करोड़ रुपए की राशि जल्द ही जारी की जाएगी। इसके लिए विभागीय स्तर पर भौतिक सत्यापन का कार्य पूरा कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गौवंश की चिंता करते हुए दो बार में करीब 25 फीसदी तक प्रति गौवंश की अनुदान राशि में बढ़ोतरी की है। इससे प्रदेश की तीन हजार से ज्यादा गौशालाओं के 13 लाख 80 हजार गौवंश को चारा, पानी इत्यादि उपलब्ध होगा।

अरनिया कलां में शिक्षा मंत्री ने किया शिविर का शुभारंभ

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़े के पहले दिन शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने मंगलवार को कोटा जिले के खैराबाद पंचायत समिति की अरनिया कलां ग्राम पंचायत मुख्यालय पर आयोजित शिविर का विधिवत् शुभारंभ किया।

शुभारंभ के अवसर पर शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री ने कहा कि इस पखवाड़े का उद्देश्य समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ते हुए उन्हें संबल प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को नामांतरण खोलने जैसे राजस्व से संबंधित प्रकरणों के प्राथमिकता से निस्तारण के निर्देश दिए।

दिलावर ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अरनिया कलां में इंटरलॉकिंग के लिए 6 लाख रूपये एवं बैरवा समाज सामुदायिक भवन के लिए 10 लाख रूपये विधायक कोष से स्वीकृत किए।

250 पौधे, 50 मिनी बीज किट वितरित—

अरनिया कलां में आयोजित शिविर में साढ़े पांच सौ से अधिक ग्रामीण पहुंचे। वन विभाग की ओर से ग्रामीणों को 250 पौधे वितरित किए गए। ग्रामीणों ने वहां चारागाह भूमि पर पौधारोपण भी किया। शिविर में 50 मिनी बीज किट एवं 14 सॉइल हेल्थ कार्ड वितरित किए गए। बिजली विभाग द्वारा झुलते तारों के दो प्रकरणों में तार सही करवाए एवं पेड़ों की कटाई-छटाई करवाई गई। शिविर में सीमाज्ञान का एक प्रकरण एवं आपसी सहमति से भूमि विभाजन के एक प्रकरण का निस्तारण किया गया। इसके अलावा एनएफएसए में लंबित पांच आवेदनों का सत्यापन करवाया गया। खैराबाद पंचायत समिति के उंडवा एवं सलावदखुर्द ग्राम पंचायत पर भी अन्त्योदय संबल शिविर आयोजित किए गए।

पेंशन सत्यापन के 12 प्रकरण निस्तारित—

लाडपुरा की ग्राम पंचायत ताथेड़ में आयोजित शिविर का जिला कलक्टर पीयूष समारिया ने निरीक्षण किया एवं अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ आमजन की समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए। ताथेड़ में आयोजित शिविर में आपसी सहमति से खातेदारी भूमि के विभाजन के तीन प्रकरण तथा नामांतरण के दो प्रकरण एवं पेंशन सत्यापन के 12 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। शिविर में गरीबी रेखा से ऊपर आ चुके दो परिवारों का ऑनलाइन सत्यापन किया गया।

देवनानी ने बर्लिन मेयर कार्यालय और स्टेट असेंबली का किया अवलोकन

-भारत-जर्मनी लोकतांत्रिक संवाद को मिली नई ऊर्जा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को जर्मनी प्रवास के दौरान बर्लिन में महापौर के कार्यालय एवं जर्मन स्टेट असेंबली का अवलोकन किया। बर्लिन महापौर को वहां "रेजीरेंडर बर्गोमास्टर" कहा जाता है।

देवनानी को बर्लिन मेयर ने बताया कि बर्लिन की स्टेट असेंबली का भवन न केवल बर्लिन की प्रशासनिक शक्ति का प्रतीक है अपितु आधुनिक लोकतंत्र की उत्कृष्ट कार्यप्रणाली का जीवंत उदाहरण भी है।

इस अवसर पर देवनानी ने बर्लिन की कार्यकारी प्रणाली, लोकतांत्रिक स्वरूप एवं डिजिटल गवर्नेंस की बारीकियों को निकटता से देखा और उसकी पारदर्शिता व सुगठित व्यवस्था की प्रशंसा की। उन्होंने बर्लिन सीनेट के प्रशासनिक तंत्र और जनहित नीतियों के क्रियान्वयन मॉडल को "संगठित लोकतंत्र की उत्कृष्ट अभिव्यक्ति" बताया।

देवनानी ने कहा बर्लिन जैसे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध शहर का प्रशासनिक मॉडल यह दर्शाता है कि तकनीक, नागरिक सहभागिता और पारदर्शिता के साथ एक शहर किस प्रकार भविष्य की दिशा तय कर सकता है। राजस्थान विधानसभा के लिए यह अनुभव अत्यंत प्रेरणादायी है।

इस ऐतिहासिक दौरे के माध्यम से न केवल प्रशासनिक अनुभवों का आदान-प्रदान हुआ बल्कि दो प्राचीन सभ्यताओं – भारत और जर्मनी के मध्य लोकतांत्रिक मूल्यों की साझी चेतना और संवाद की भूमि भी सशक्त हुई।

देवनानी ने बर्लिन प्रशासन को उनके सशक्त नेतृत्व और नवाचार पर आधारित प्रणाली के लिए बधाई दी और कहा कि यह यात्रा "एक विचारशील लोकतंत्र से दूसरे विचारशील लोकतंत्र की यात्रा थी, जहाँ अनुभव, संवाद और प्रेरणा का अनमोल संगम हुआ।" इस मौके पर राजस्थान विधानसभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा भी मौजूद रहे।

स्वायत्त शासन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित

- शासन सचिव ने भविष्य की कार्ययोजना को प्रभावी ढंग से लागू करने के दिए निर्देश

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने मंगलवार को मुख्यालय के सभागार में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने विभाग के कार्यों और योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर भविष्य की कार्ययोजना को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जैन ने अधिकारियों कोा निर्देश दिए कि शहरी जनजीवन से जुड़ी योजनाओं जैसे स्वच्छ भारत मिशन (शहरी), अमृत योजना, अन्नपूर्णा रसोई योजना, शहरों की साफ-सफाई, कचरा प्रबंधन, नालों की सफाई, स्मार्ट सिटी परियोजनाएं आदि का धरातल पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने नगर निकायों की कार्य क्षमता बढ़ाने, पारदर्शिता एवं जनभागीदारी को सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया।

बैठक के दौरान उन्होंने प्रमुख चुनौतियों जैसे ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, जलभराव, स्ट्रीट वेंडर ज़ोन का सुव्यवस्थित संचालन, राजस्व वृद्धि एवं नगरीय निकायों में ई-गवर्नेंस को विस्तार देने की दिशा में अधिकारियों से फीडबैक लिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि आमजन तक योजनाओं का सीधा लाभ पहुँचना ही विभाग की प्राथमिकता होनी चाहिए।

जैन ने अधिकारियों को कहा कि सभी नगरीय निकाय जनसुनवाई तंत्र को और अधिक संवेदनशील एवं सुदृढ़ बनाए तथा समयबद्ध सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और पारदर्शिता को आधार बनाकर ही सुशासन की स्थापना संभव है। बैठक में विभाग के निदेशक इंद्रजीत सिंह, अतिरिक्त निदेशक श्याम सिंह, मुख्य अभियंता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

वनविहार ईदगाह जयपुर में बड़ा हादसा, बाल-बाल बचा युवक

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। घनी आबादी वाले क्षेत्र वनविहार ईदगाह (जयपुर) में ट्रक जो सामान लेकर अंदर कॉलोनी में आ रहा था। तारों के उलझने से पास ही में लगा बिजली का खम्बा और ट्रांसफॉर्मर नीचे आ गिरा, इससे सड़क के एक तरफ़ अपनी गाड़ी पर बैठा युवक चपेट में आ गया। स्थानिय लोगों ने उसे बचा लिया हालाकि खम्बे में दौड़ते करंट से लड़के को चोट आयी सर और कमर जल गई, गाड़ी खम्बे के नीचे क़रीब 1 घंटे तक फसीं रही। सवाल खड़ा होता है कि ज़िम्मेदार कौन!

विधुत विभाग जो मुख्य सड़क कि एक तरफ़ खुले में ट्रांसफॉर्मर लगाते हैं।

वार्ड 76 के कांग्रेस पार्षद सोहैल मंसूरी जिनकी ज़िम्मेदारी बनती है मुख्य सड़के और गालियाँ आम जन के लिए सुरक्षित हो, ना कोई व्यवस्था नज़र आयी ना कोई तुरंत एक्शन, घटना स्थल पर स्थानीय पार्षद नदारद नज़र आए।

महिला एवं बाल विकास की योजनाओं को नई रफ्तार

-दिया कुमारी ने दिए अहम निर्देश

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में मंगलवार को शासन सचिवालय में विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में महिला अधिकारियों और निदेशालयों की मौजूदगी में विभाग की विभिन्न योजनाओं और बजट घोषणाओं की प्रगति पर गहन चर्चा की गई।

बैठक में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय, पोषण आहार में दूध की मात्रा बढ़ाने, और आंगनबाड़ी भवनों की मरम्मत के लिए 50 करोड़ रुपये व्यय करने जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं की समीक्षा की गई। 3 हजार 688 भवनों की मरम्मत के लिए समग्र शिक्षा अभियान से समन्वय कर शीघ्र कार्य करवाए जाने के निर्देश दिए गए।

उप मुख्यमंत्री ने 'अमृत आहार योजना' के अंतर्गत सप्ताह में 5 दिन वितरित किये जा रहें दूध की मात्रा बढ़ाकर वितरित किये जाने पर आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही 'न्यूट्रि-किट योजना' के प्रभावी क्रियान्वयन की स्थिति जानी गई। राज्य द्वारा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में किए गए उल्लेखनीय प्रदर्शन की भी सराहना की गई। जिसमें राजस्थान अग्रणी राज्यों में शामिल है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विभागीय कार्यक्रमों की सार्वजनिक जागरूकता के लिए मीडिया और सोशल मीडिया पर नियमित प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि "अच्छे कामों को सिर्फ कागज़ों में नहीं, जनता तक भी पहुँचना चाहिए।"

पोषण ट्रैकर, आंगनबाड़ी केंद्र, आदर्श आंगनबाड़ी, सखी केंद्र, उड़ान योजना, नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना, कौशल सामर्थ्य योजना, और मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना जैसे कार्यक्रमों की भी समीक्षा की गई और समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए। साथ ही, उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों में शौचालय निर्माण और स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था के भी निर्देश भी दिए गए।

बारिश के बीच निगम आयुक्त डॉ. निधि पटेल का फील्ड दौरा

-जलभराव वाले इलाकों का लिया जायजा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम हेरिटेज जयपुर आयुक्त डॉ. . निधि पटेल ने मंगलवार को निगम क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान निगम आयुक्त निधि पटेल शहर में हो रही लगातार बारिश के बीच निगम अधिकारियों के साथ जल भराव वाली जगहों पर पहुंची और आमजन को राहत देने के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। इससे पहले निगम आयुक्त डॉ. . निधि पटेल ने हेरिटेज निगम मुख्यालय में निगम के विकास कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक की। जिसमें हेरिटेज निगम अधिकारियों के साथ वन टू वन बात की और चल रहे विकास कार्यों की प्रगति के बारे जाना। इस दौरान आयुक्त ने कहा कि वे लगातार फील्ड में निरीक्षण करेंगी। ऐसे में सभी अधिकारी नियमित रूप से फील्ड में निरीक्षण करें। साथ ही बारिश के सीजन को देखते हुए जर्जर इमारत को चिह्नित कर जांच करें। बारिश में जलभराव की समस्या और सीवर ओवर फ्लो की शिकायत नहीं हों, इससे पहले ही ठोस प्लानिंग के साथ निस्तारण किया जाएं। निरीक्षण के दौरान हेरिटेज निगम अतिरिक्त आयुक्त सुरेंद्र सिंह यादव, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्रवण कुमार वर्मा, उपायुक्त सतर्कता पुष्पेंद्र सिंह राठौड़, उपायुक्त युगांतर शर्मा और इंजिनियर विंग के अधिकारी मौजूद रहे।

सुबह छह बजे किया सफाई व्यवस्था का निरीक्षण

इससे पहले निगम आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने शहर की सफाई व्यवस्था को जानने के लिए औचक निरीक्षण किया। जिसमें आयुक्त निधि पटेल ने कलेक्ट्री सर्कल, बनीपार्क, सुभाष नगर, खासा कोठी, जय सिंह हाइवे आदि इलाकों में सफाई व्यवस्था देखी। इस दौरान निगम आयुक्त ने सड़क पर कचरा देख मौके पर ही स्वास्थ्य निरीक्षक को बुला सफाई कराई। वहीं आयुक्त निधि पटेल ने वार्डो में भी डोर टू डोर कचरा संग्रहण की व्यवस्था देखी और अधिकारियों को मौके पर ही दिशा निर्देश दिए।

निगम आयुक्त ने यहां यहां किया निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने जवाहर नगर कच्ची बस्ती, जामडोली, भरत विहार, ट्रांसपोर्ट नगर, दिल्ली रोड, रामगढ़ मोड़ रेनबो रेस्टोरेंट, जल महल, ताल कटोरा और पौंड्रिक पार्क में निरीक्षण किया। इस दौरान जवाहर नगर कच्ची बस्ती में जलभराव होने पर अतिरिक्त मैडपंप लगाने के निर्देश दिए। वहीं जामडोली में सड़क पर पानी भरने की समस्या के निस्तारण के लिए भी निर्देश दिए।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

जोधाणा जागरूक मंच संस्थान द्वारा 200 मेघावी प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

जोधपुर,(रॉयल पत्रिका)। नवीन जोधाणा जागरूक मंच संस्थान के संस्थापक साजिद खान ने बताया कि मुस्लिम प्रतिभा सम्मान समारोह कारवां गार्डन में आयोजित हुआ जिसमें 200 प्रतिभाओं का सम्मान किया गया मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र लेकर बच्चों के चेहरे पर खुशी झलकती नजर आई। कार्यक्रम की शुरुआत तिलावत कुरान से हुई और संस्थापक साजिद खान द्वारा जोधाणा जागरुक मंच द्वारा किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला गया। प्रोग्राम में अतिथियों ने बच्चों को मुबारकबाद दी और अपने-अपने जीवन में विभिन्न संघर्षों के बारे में बच्चों को अवगत कराया । मुस्लिम प्रतिभा सम्मान समारोह में बतौर अतिथी श्रीमान निसार खान (रि.आर. ए. एस) मोहम्मद हारून बेलिम(रजिस्ट्रार संस्थाए), सलीम खान (जिला अध्यक्ष कांग्रेस जोधपुर), मनीषा पंवार (पूर्व विधायिका) सैय्यद हारून अली (ट्रैवल थैरेपी), हसीना बानो, डॉ. देव बिसारिया, मोहम्मद फारूक ,मुहम्मद सिराज नूरी, रहीम सांखला, रसीद अंसारी, रफीक कारवां, समाजसेवी मोहम्मद जावेद, मोहम्मद साजिद, सहित समाज के बुद्धिजीवी, प्रभुत्वजन और शिक्षाविद आदि उपस्थित रहे और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया 10th क्लास के टॉप 3 बच्चों में साजिद अंसारी 97.50%,जाकिया मोदी 96%,जाहिदा खान 94%,

12th क्लास में सालेहा अंसारी 94%, अब्दुल रहमान 94%, ताहिरा बानो 94% खेल के क्षेत्र में समायरा अली और जुनैद सैय्यद को सम्मानित किया गया रक्तदान के क्षेत्र में वसीम खान ओर विनोद आचार्य जी को सम्मानित किया

कार्यक्रम के दौरान प्रदेशाध्यक्ष इंसाफ अली को नियुक्ति पत्र दिया गया कार्यक्रम का संचालन सैयद हैदर अली रंगरेज ने , मोहम्मद यासीन, मोहम्मद सरवर ने किया। अंत में मेहमानों का शुक्रिया संरक्षक नसीम अली ने किया। इस मौके पर संस्था के प्रदेशाध्यक्ष इंसाफ अली भाईजान और अध्यक्ष इमरान कुरैशी ने बताया कि कार्यक्रम में आसिफ खान सिन्धी,इरफान कुरैशी, काजी वाहिद अली,निसार गेंद,इकबाल अंसारी,शकील पठान, सचिव शकील अहमद, कार्यवाहक अध्यक्ष आसिफ नूरी, जोधाणा युवा मंच के अध्यक्ष अकरम सांखला, ताजदार अब्बासी, सैयद हैदर अली, नूर मोहम्मद, कोषाध्यक्ष मोहम्मद हारुन, मोहम्मद, यासीन वरिष्ठ अध्यापक, मोहम्मद इमरान, इमरान कुरेशी, युसूफ लोहानी, मोहम्मद आमिर, शौकत कुरैशी,नूर मोहम्मद,, बादशाह खान,इमरान कुरेशी, मोहम्मद सरवर,शाहरुख खान, एडवोकेट अब्दुल खालिद, उमर सांमरिया, शिफरान राठौर, मोहम्मद साजिद, रियाज मुल्लाजी, मोहम्मद सलीम मुन्ना, इब्राहिम,मोहम्मद आरिफ राठौड़, इफ्तिखार, उस्मान ,अशफ़ाक,रीजवान आदि उपस्थित रहे।

कांग्रेस के संविधान बचाओ कार्यक्रम में लगातार बरसात के बावजूद हजारों की संख्या में पहुंचे कांग्रेसजन

-निर्दोष प्रमोद भाया को गिरफ्तार करके दिखाए बारां एसपी- डोटासरा

शब्बीर हुसैन

बारां, (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस जिला संगठन महामंत्री कैलाश जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि बारां जिला मुख्यालय पर कांग्रेस संगठन से प्राप्त निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी बारां द्वारा जिला मुख्यालय पर संविधान बचाओ रैली का आयोजन किया गया। भारी बरसात के बावजूद बारां जिले सहित हाडौती संभाग के कोटा, बून्दी, झालावाड़ से 15 हजार से अधिक कांग्रेस नेताओं, पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। पधारे हुए सभी अतिथियों का डीसीसी की तरफ से स्वागत सम्मान किया गया तथा कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री मोदीजी बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की आय दोगुनी करने, विदेश नीति ठीक करने, एक के बदले 10 सिर लाने जैसे कई मुद्दो पर पूरी तरह विफल हो चुके है। 11 साल के शासन में मोदीजी ने कौनसा अपना वादा पूरा कर दिया वह यह बता दे। केवल उन्होनें संविधान, लोकतंत्र को कमजोर करने का कार्य किया है। उन्हें देश के नौजवानों, बेरोजगारों, किसानों, व्यापारियों की चिन्ता नही है। जब पहली बार मोदीजी की सरकार बनी तक उन्होंने भूमि अधिग्रहण कानून को बदलकर अडाणी, अम्बानी को जमीने देने की साजिश रची। डोटासरा ने कहा कि कोई भी भाजपा नेता या अधिकारी प्रमोद जैन भाया की तरफ आंख उठाकर देखेगा तो हम ईट से ईट बजा देंगे।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज हो हालात प्रमोद जैन भाया के साथ हो रहे है वही हालात पूरे देश के अन्दर इन दिनों हो रहे है। राहुल गांधी ने भारत जोडो यात्रा की, उनके पिताजी राजीव गांधी जी को बम से उडा दिया, उनकी दादी इंदिरा गांधी के सीने पर गोलियां दागकर छलनी कर दिया और उसी परिवार के व्यक्ति को 56 घण्टे तक ईडी पूछताछ के लिए बुलाती है। भाजपा सरकार ईडी, सीबीआई जैसी संस्थाओं का दुरूपयोग कर रही है। हम सभी नेताओं पर मुकदमें दर्ज है। भाजपा कितनी ही ताकत लगा ले हम डरने वाले नही है।

पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया ने अपने सम्बोधन में कहा कि चुनाव होते रहते है, इसमें हार-जीत होती है लेकिन विरोधी दुश्मन नही होता। मैंने जिला परिषद में पहला चुनाव स्व. सोहनलाल गुप्ता, दूसरा चुनाव हेमराज मीणा पूर्व विधायक, तीसरा चुनाव स्व. प्रेम नारायण गालव, चैथा चुनाव स्व. रघुवीर सिंह कौशल, पांचवा एवं छठा चुनाव प्रभूलाल सैनी के खिलाफ चुनाव लड़ा। वर्ष 2023 में मैंने कंवरलाल मीणा के खिलाफ चुनाव लड़ा। कंवरलाल मीणा की आपराधिक पृष्ठभूमि रही है और उसी की देन है कि मेरे एवं मेरे जिम्मेदार साथियों पर झूंठे मुकदमें दर्ज हुए। मांगरोल में स्टेडियम विकास के कार्य करवाए जिसे लेकर मेरे खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया गया। अन्ता में विकास के कार्य करवाए गए जिसमें कई धार्मिक कार्य भी थे, मेरे खिलाफ अन्ता में जो मुकदमा दर्ज करवाया गया उसमें मेरा फर्जी लेटरपेड लगा दिया। आरटीआई से सूचना चाही जाने पर नगर पालिका द्वारा जवाब दिया कि ऐसा कोई पत्र उनके कार्यालय में प्राप्त ही नही हुआ है। हमारी नगर परिषद बारां में एससी दलित समाज की महिला सभापति ज्योति पारस है उनके खिलाफ एक ही प्रकरण में 3 बार मुकदमे दर्ज करवाए जिस पर हाईकोर्ट ने भी नाराजगी व्यक्त की। इसी प्रकार हमारे साथी उप सभापति स्वर्गीय गौरव शर्मा ने पट्टा बनवाया अपने घर के पास के भूखण्ड का, उस पत्रावली में कांट-छांट कर नक्शा लगा दिया दूसरी कालोनी का। हमारे शाहबाद पंचायत समिति के उप प्रधान कौशल राठौर को 7 साल पुराना केस बताकर मुकदमा दर्ज किया और इस मुकदमें में उनसे 7 साल पुराने नोट बरामद किए। आश्चर्य की बात तो यह है कि पुलिस ने जो नोट बरामद किए वह उस समय छपे ही नही थे। वर्ष 2014 से जिला कलक्टर व जिला पुलिस अधीक्षक के घर, ऑफिस से केवल 700 मीटर की दूरी पर मिट्टी का खनन हो रहा है और यह खनन अभी भी जारी है इसके लिए गूगल रिपोर्ट देख सकते है। दैनिक भास्कर में अभी एक आदिवासी सहरिया की जमीन का प्रकरण छपा था। उस आदिवासी के पास 50-60 बीघा जमीन है और उस पर पूर्व पहले से ही पत्थर निकाले जा रहे थे और अभी भी निकाले जा रहे है जो स्वयं अपनी मर्जी से इस कार्य में लिप्त है। एक मुल्जिम को पुलिस ने पकडा उसे 3 दिन तक दूसरे थाने में रखकर थर्ड डिग्री का प्रयोग किया फिर उसको कोतवाली बारां को सौंपा वहां पर भी उस पर थर्ड डिग्री का प्रयोग किया, उससे यह कहलवाना चाहा कि कि प्रमोद भाया ने नरेश मीणा को मारने के लिए हमें रिवाल्वरें दी।

भाया ने कहा कि इन झूंठे मुकदमों को लेकर मैंने, डोटासरा एवं जूली के साथ मिलकर पूर्व डीजीपी साहू को अपना प्रतिवेदन दिया और उन्हें बताया तो उन्होनें भी इन मुकदमों को बातचीत में झूंठा माना। यदि इन झूंठे मुकदमों का बारां, झालावाड जिले बाहर के पुलिस अधिकारी से यदि जांच करवाई जाएगी तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।

जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया ने कहा कि आज पूरे देश सहित राजस्थान प्रदेश में संविधान की खुलेआम धज्जियां उडाई जा रही है, माफिया हावी है, सारे नियम, कायदे-कानून तोड़े जा रहे है, कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित किया जा रहा है, पूरी तरह से भय व अराजकता का माहौल है। देश का संविधान और लोकतंत्र खतरे में है। नगर पालिकाओं एवं पंचायतीराज संस्थाओं के 5 साल पूरे हो जाने के बावजूद संविधान के अनुसार चुनाव नही करवाए जा रहे है। आमजन को बिजली, पानी, सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध नही हो पा रही है, युवा बेरोजगार होकर भटक रहे है।

लोकसभा प्रत्याशी प्रहलाद गुंजल ने कहा कि 56 इंच के सीने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कांग्रेस मुक्त भारत बनाना चाहते है और एकदलीय व्यवस्था की तरफ भारत देश को ले जाना चाहते है, लेकिन उन्हें यह नही मालूम कि लाखों देशवासियों, क्रान्तिकारियों के बलिदान से हमें आजादी मिली है। भाजपा का देश के विकास में कोई योगदान नही रहा है तथा संवैधानिक संस्थाओं को पंगु बनाने का काम मोदी सरकार कर रही है।

विधायक अशोक चांदना ने कहा कि यह सरकार किसानों को डीएपी, यूरिया के साथ जोर जबरदस्ती कीट सौंप रही है जो किसान भाईयों के साथ सरेआम अन्याय है। चुनाव में भाजपा को हम झटका देंगे और बता देंगे कि जनता से बढकर कोई नही है।

पूर्व विधायक पानाचन्द मेघवाल ने कहा कि शेर के पांव में पिन चुभ जाने से भेडिए राज नही करेंगे। भाया जैसे समाजसेवी, धर्मात्मा व्यक्ति पर अवैध हथियारों, रेत, बजरी का कार्य करने का आरोप झूंठे मुकदमों में लगाया गया है। जो गरीबों की बेटियों का विवाह करवाता है, मंदिर-मस्जिद बनवाता है, गरीब को गणेश मानकर कार्य करता है, गरीबों का बीमारी में ईलाज करवाता है वह प्रमोद जैन भाया है।

भाया दम्पत्ति ने इतनी भीषण बारिश होने के बावजूद हाडौती संभाग से पधारे हुए कांग्रेस नेताओं, जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया।

हज यात्रा कर चूरू पहुंचने पर हाजीयों का फूल मालाओं से स्वागत किया

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर हज यात्री हज के अरकान मुकम्मल करने के बाद मक्का और मदीना से वापस अपने देश और शहर पहुंच रहे हैं। हज यात्रा कर चूरू पहुंचे पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी हाजी निसार खान व उनकी अहिल्या का परिवार व समाज और रिश्तेदारों ने फूल मालाओं से स्वागत किया। आप से धार्मिक यात्रा के बारे में चर्चाएं की दिनभर मिलने जुलने वालों का तांता लगा रहा। आपने हर आने वाले को मक्का और मदीना से लाई हुई खजूरे व आबे जम-ज़म का पानी बतौर प्रसाद दिया। इसी क्रम में शहर के ईदगाह मोहल्ले के समाज सेवी हाजी आरिफ खान दौलत खानी भी अपनी बहन के साथ हज यात्रा कर चूरू पहुंचने पर सभी ने खुशी-खुशी आपका स्वागत किया। आपसे सभी मिलने वालों को आपने मक्का और मदीना का पाक जल आबे जम-जम व खजूर बतोर प्रसाद दिया। आपने बताया की सैकड़ो देश के लोग हर रंग-रूप, अलग-अलग भाषाओं के बोलने वाले फिर भी एक साथ रहते हैं। वहां पर रहना खाना और व्यवस्थाए अपने आप में एक उदाहरण है। और वहां पर लगभग चालीस लाख से अधिक लोग एक साथ इकट्ठा होते हैं और इबादत करते हैं नमाज पढ़ते हैं । और किसी भी तरह से किसी को कोई परेशानी नहीं होती। रहने-खाने की व्यवस्थाएं वहां पर बेहतर रहती है। एक जगह से दूसरी जगह पर जाने के लिए बस व्यवस्थाएं होती हैं जो हज के अरकान पूरे कराने में मदद देती है। आपने सभी के लिए दुआएं मांगी। आप को मुबारकबाद देने पहुंचे हाजी लियाकत खान रि. व्याख्याता, मोहम्मद अली पठान, डॉक्टर अख्तर खान, रियाजत खान, एडवोकेट जावेद खान, इमरान खान आदि ।

एक रुपया दहेज के रूप में लेकर दहेज मुक्त शादी का दिया संदेश,चर्चा का विषय बनी दहेज मुक्त शादी

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के खेरदा में विगत रात बैरवा समाज की एक शादी चर्चा का विषय बन गई जहां शादी करने आए दूल्हे पक्ष ने दुल्हन पक्ष से दहेज के रूप में एक रुपया लेकर समाज में दहेज मुक्त शादी का संदेश दिया।जहां आज कल शादी समारोह में लोग लाखों रुपये खर्च कर रहे है।बैरवा आज की इस शादी समारोह में ना तो बैंड बाजा बजा और ना ही दहेज का कोई भी समान दूल्हे के परिवार द्वारा दुल्हन पक्ष से लिया गया , दोनों ही परिवारों ने बेहद सादगी के साथ शादी समारोह की सम्पन्न किया । दहेज मुक्त शादी को लेकर बैरवा समाज में दोनों ही परिवारों की खासी चर्चा रही और लोगो ने इसकी सराहना भी की ।

दरसल सवाई माधोपुर जिला मुख्यालय के खेरदा निवासी हरिओम बैरवा अपनी बेटी गायत्री की सगाई के लिए पाटन तहसील बस्सी जिला जयपुर निवासी कृष्ण कुमार बैरवा के घर पहुंचे और कृष्ण कुमार के साथ अपनी बेटी गायत्री की शादी करने को लेकर उसके पिता लादूराम बैरवा से बात की , इस दौरान कृष्ण कुमार ने अपने पिता और गायत्री के पिता की आपस की बात चीत सुनी जो शादी में दहेज के लेनदेन को लेकर चर्चा कर रहे थे ,तभी कृष्ण कुमार ने अपने पिता सहित परिवार के लोगो से अपने मन की बात कहते हुवे कहा कि वो शादी करेगा तो शादी में ससुराल पक्ष से किसी भी तरह का कोई दहेज नही लेगा ।

दूल्हे कृष्ण कुमार ने बताया कि उसकी यह बात सुनकर एक बारगी तो उसके पिता और परिवार सन्न रह गया , लेकिन कृष्ण कुमार की दहेज मुक्त शादी की जिद्द के आगे सबको उसकी बात माननी पड़ी ओर पूरा परिवार बिना दहेज लिए शादी करने को तैयार हो गया । रिश्ता तय होने पर कृष्ण कुमार बारात लेकर सवाई माधोपुर पहुंचा ,जहाँ बीती रात खेरदा में गायत्री व कृष्ण कुमार ने सात फेरे लिए ओर शादी के बंधन में बंध गए । शादी समारोह बेहद सादगी के साथ सम्पन्न हुवा ,ना बैंड बाजा बजा ओर ना ही कोई धूम धड़ाका हुवा ओर ना ही शादी में किसी भी तरह का कोई दहेज दिया लिया गया ,महज दस्तूर के तौर पर एक रूपेया ही कृष्ण कुमार द्वारा गायत्री के पिता से लिया गया ,दहेज मुक्त शादी को लेकर शादी समारोह में शामिल हुवे रिस्तेदारो ओर लोगो सहित बैरवा समाज में इस शादी को लेकर खासी चर्चा रही ओर लोग इसकी सराहना भी कर रहे है ।

दूल्हे कृष्ण कुमार का कहना हे कि आज कल लोग समाज और रिश्तेदारी में अपना नाम ओर प्रतिष्ठा ऊँची रखने के लिए दिखावे में लाखों करोड़ों रुपये खर्च कर देते है ,लेकिन कृष्ण कुमार ने दहेज मुक्त शादी कर समाज को एक बड़ा संदेश दिया है । कृष्ण कुमार पेशे से सिंगर है और राजस्थानी गाने व गीत गाते है ,उनका कहना है कि वो गायिकी के चलते प्रदेश भर में घूमते है ,उन्होंने इस दौरान कई जगहों दहेज के चक्कर में रिश्ते ओर शादियां टूटती देखी है , कृष्ण कुमार का कहना है कि एक बेटी का पिता अपनी बेटी के हाथ पीले करने के चक्कर में ओर समाज व लोगो को खुश करने के चक्कर मे दहेज देने के लिए कर्ज के बोझ के तले दब जाता है ,वो नही चाहते थे कि जिस लड़की से उसकी शादी हो उसका पिता भी कर्ज के बोझ में दबे ,इस लिए उन्होंने दहेज मुक्त शादी की है ,कृष्ण कुमार का कहना है कि गायत्री पढ़ी लिखी ओर संस्कारवान लड़की है , उसके लिए सबसे बड़ी बात यही है कि वो उसकी हमसफ़र बनी है । कृष्ण कुमार का कहना है कि समाज मे जागरूकता लाने के लिए किसी को तो पहले करनी ही होगी ,कृष्ण कृष्ण कुमार का कहना है कि वो चार भाई और तीन बहिन है ,ओर उन्होंने अपनी शादी से ही दहेज मुक्त शादी की शुरुवात की है वे अपने परिवार की किसी भी शादी में अब ना तो दहेज लेंगे और ना देंगे , दहेज देना और लेना एक सामाजिक बुराई है और अब नए युवकों को आगे बढ़ना चाहिए ओर समाज से इस बुराई को जड़ से खत्म कर देना चाहिए

दुल्हन के मामा बाबूलाल बैरवा का कहना हे कि कृष्ण कुमार और गायत्री के दहेज मुक्त और सादगी के साथ आयोजित विवाह समारोह से लोगो को सिख लेने की जरूरत है और दिखावे के लिए शादी समारोह में लाखों की बर्बादी से बचना चाहिए ,दहेज मुक्त शादी ना सिर्फ किसी बेटी का पिता कर्ज के नीचे दबने से बच सकता है अपितु समाज मे एक नई सोच के साथ समाज को आगे बढ़ने की प्रेरणा भी है । कृष्ण कुमार और गायत्री की दहेज मुक्त शादी की सवाई माधोपुर में खासी चर्चा हो रही है और लोग इसकी सराहना भी कर रहे है ।

दुधवा खारा में विशाल निशुल्क नेत्र जांच एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर लगाया गया

चूरू/दुधवा खारा, (रॉयल पत्रिका)। ज़िला मुख्यालय के नजदीक ग्राम दुधवा खारा में अंधता निवारण समिति जयपुर के आर्थिक सहयोग से शंकरा आई हॉस्पिटल के द्वारा व जन सेवा विकास समिति दुधवा खारा एवं दुधवा खारा स्वास्थ्य एवं हरित मंच की व्यवस्था में आज दुधवा खारा के पंचायत भवन में एक विशाल निशुल्क नेत्र जांच एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया गया जो बहुत ही सफल रहा और सराहनीय कदम रहा इस कैंप में मरीजों ने बढ़ चढ़कर शिविर में सेवाए ली अपनी आंखें चेक करवाई ओर बहुत ही खुश नजर आए जिसमें कुल रजिस्ट्रेशन संख्या 253 चेकअप किया गया 235 ऑपरेशन लाइक 28 केस ऑपरेशन करवाने वाले मरीजों को बस द्वारा जयपुर ले जाकर ऑपरेशन कर वापस बस द्वारा गांव दुधवाखारा में छोड़ा जाएगा यह सारी सुविधा निशुल्क रहेगी इस व्यवस्था को सफल बनाने वाली जनसेवा विकास समिति दुधवाखारा एवं दुधवाखारा स्वास्थ्य एवं हरित मंच के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। जिसमें संपूर्ण ग्रामवासी एवं युवा शक्ति सेवा के लिए मौजूद रही सभी युवा शक्ति का ग्रामवासियों का एवं आई हुई टीम का बहुत-बहुत आभार व्यक्त किया।

कपासन में 2 नवम्बर को मंसूरी समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित होगा

कपासन दरगाह शरीफ स्थित मिटिंग हॉल मे मंसूरी एजुकेशन एण्ड वेलफेयर सोसायटी उदयपुर के बिच बैठक हुवी।

कपासन,(रॉयल पत्रिका)। मंसूरी एजुकेशन एण्ड वेलफेयर सोसायटी उदयपुर के तत्वाधान मे 2 नवम्बर रविवार को दरगाह हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. में मंसूरी समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन होगा।

सोसायटी के सैक्रेट्री जाहिद हुसैन मंसूरी के अनुसार दरगाह शरीफ स्थित मिटिंग हॉल में रविवार को सदर अब्दुल लतीफ की अध्यक्षता एवं हाजी आजाद हुसैन मंसूरी सांवलिया जी की सरपरस्ती में तिलावते कलाम पाक के बाद बैठक शुरू हुवीं। बैठक में अब्दुर्रहीम मंसूरी राजसमन्द, ऐडवोकेट राशिदुल गफूर व मास्टर गुलाम जीलानी चित्तौड़गढ़, शोकत अली रेलमंगरा, मोहम्मद हुसैन मंसूरी धरियावद, अल्लादीन मंसूरी कुंवारिया, मोहम्मद अली मंसूरी शाहपुरा, भीलवाडा, मोहम्मद अनीस मंसूरी बेंगू ने अपने-अपने विचार व्यक्त कर बताया कि आज के इस दौर मे हुजूर स.अ.व. की सुन्नत पर अमल करते हुवे, शादी ब्याह व दीगर रस्म मे खर्च कम कर शिक्षा व रोजगार पर ज्यादा खर्च करें। जिससे समाज व देश का विकास होगा। सर्व सम्मति से कपासन मे 2 नवम्बर रविवार को दरगाह हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. मे सामुहिक विवाह सम्मेलन का प्रस्ताव लिया गया।

सोसायटी के कोषाध्यक्ष मोहम्मद युसूफ मंसूरी ने 19 जनवरी को अहमद कबीर मंजिल मे मंसूरी समाज प्रतिभा सम्मान समारोह व मंसूरी समाज परिचय सम्मेलन हुवा उसका आमद व खर्च का ब्योरा पढ़कर सुनाया व बताया। इस बैठक मे हाजी असलम गोरी, मोहम्मद युसूफ निम्बाहेडा, मास्टर अब्दुल हमीद, जलालुद्दीन मंसूरी, मास्टर उमर मंसूरी चित्तौड़गढ़, हाजी उस्मान मंसूरी सदर मंसूरी समाज कांकरोली, आई. एम. मंसूरी, अख्तर हुसैन उदयपुर, हमीद खाँ मंसूरी खेरोदा, अब्दुल रज्जाक भोपाल सागर एवं कपासन के कई समाजजन उपस्थित थे।

भाजपा मनाएगी आपातकाल दिवस

-कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ रहेंगे उपस्थित

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आज आपातकाल विरोधी दिवस एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस का कार्यक्रम 25 जून को रणथंभौर सर्किल स्थित मैरिज गार्डन में दोपहर 11 बजे आयोजित होगा। जिला मीडिया प्रभारी सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ एवं मुख्य वक्ता के रूप में महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा उपस्थित रहेगी, कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर करेंगे। कार्यक्रम संयोजक डॉ. भरतलाल मथुरिया ने बताया कि कार्यक्रम में मिशाबंदि स्वतंत्रता सेनानियों का भी सम्मान किया जाएगा एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस पर संगोष्ठी भी होगी, कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व एवं वर्तमान जिला पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी, मोर्चा पदाधिकारी, प्रकोष्ठ पदाधिकारी, शक्ति केंद्र संयोजक एवं बूथ अध्यक्ष एवं भाजपा कार्यकर्ता मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे।

पीयूष समारिया ने कोटा जिला कलक्टर का कार्यभार ग्रहण किया

शब्बीर हुसैन

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2014 बैच के अधिकारी पीयूष समारिया ने मंगलवार को कोटा जिले के कलक्टर का कार्यभार ग्रहण किया। पूर्व जिला कलक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी ने समारिया को कार्यभार सौंपा।

कार्यभार ग्रहण करने के बाद मीडिया से चर्चा में समारिया ने कहा कि उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग करते हुए यह सुनिश्चित किया जाएगा कि आमजन को किसी तरह की असुविधा नहीं हो। उन्होंने कहा कि अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जाएगा। अमृत योजना, सीवरेज लाइन एवं जल भराव के मुद्दों पर केडीए, नगर निगम एवं अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ चर्चा कर कार्ययोजना बनाई जाएगी।

जिला कलक्टर ने कहा कि कोचिंग में कोटा की एक अलग पहचान है। पूरे देश से बच्चे यहां पढ़ाई के लिए आते हैं। कोचिंग से जुड़े विभिन्न स्टेकहोल्डर्स के साथ चर्चा की जाएगी और इस सेक्टर को मजबूती प्रदान करने के दिशा में कार्य किया जाएगा।

2014 बैच के आईआईएस समारिया इससे पहले रूडसिको में कार्यकारी निदेशक एवं आरयूआईडीपी में प्रोजेक्ट डायरेक्टर पद पर कार्यरत थे। इसके अलावा वे चित्तौड़गढ़, नागौर एवं दौसा में कलक्टर रह चुके हैं।

गुनेबो के नवीनतम सेफ स्टोरेज सॉल्यूशंस प्रोडक्ट्स का प्रदर्शन

भोपाल। फिजिकल सिक्योरिटी सॉल्यूशंस के क्षेत्र में विश्व प्रसिद्ध ब्रांड गुनेबो ने भोपाल के कान्हा फन सिटी में आयोजित ज्वैलर्स डेवलपमेंट वेलफेयर एसोसिएशन की दो दिवसीय वार्षिक बैठक (21-22 जून) में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में गुनेबो सेफ स्टोरेज को अपने नवीनतम सुरक्षा उत्पादों को प्रदर्शित करने का अवसर मिला, जो विशेष रूप से ज्वैलर्स समुदाय की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किए गए हैं। इस बैठक के मुख्य अतिथि के रूप में शिवराज सिंह चौहान, कृषि एवं किसान कल्याण केंद्रीय मंत्री, भारत सरकार उपस्थित थे। अन्य प्रमुख अतिथियों में नरेंद्र शिवाजी पटेल, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री, मध्य प्रदेश सरकार, मुकेश

तंडन, विधायक, विदिशा, पंकज अरोड़ा, राष्ट्रीय अध्यक्ष, एआइजेजीएफ एवं राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री कैट और नितिन केडिया, राष्ट्रीय महासचिव, एआइजेजीएफ शामिल रहे। इस दो दिवसीय आयोजन में 1500 से अधिक लोगों ने भाग लिया, जिसमें प्रदेश भर के ज्वैलर्स, व्यापारिक प्रतिनिधि, और सिक्योरिटी सॉल्यूशंस प्रोवाइडर बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस दो दिवसीय आयोजन में गुनेबो टीम ने सेफ स्टोरेज सॉल्यूशंस की अपनी नवीनतम श्रृंखला का प्रदर्शन किया, जिसमें भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) प्रमाणित तिजोरियाँ, स्ट्रांग रूम डोर्स और इलेक्ट्रॉनिक हाई सिक्योरिटी लॉक शामिल थीं। गुनेबो की ओर से जनरल मैनेजर, चैनल सेल्स (वेस्ट रीजन) प्रकाश कुमार ने गुनेबो प्रोडक्ट्स की विस्तृत प्रेजेंटेशन दी, उन्होंने उपस्थित सदस्यों को गुनेबो के नए उत्पादों की जानकारी दी और इनके उपयोग व लाभों पर चर्चा की। गुनेबो की अन्य टीम से संदीप हांडा – सेल्स मैनेजर, संजीव दास ङ्क डीजीएम गुनेबो सेफ स्टोरेज, और चैनल पार्टनर साई ट्रेड लिंक से विकाश शर्मा और धर्मेंद्र शुक्ला उपस्थित रहे। इस अवसर पर अनिर्बान मुखुति, हेड मार्केटिंग एंड प्रोडक्ट मैनेजमेंट, एशिया गुनेबो सेफ स्टोरेज ने कहा, मध्य प्रदेश ज्वैलर्स डेवलपमेंट वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक में शामिल होकर बेहद खुशी हुई। ऐसे मंच हमारे लिए सिर्फ प्रोडक्ट्स दिखाने का मौका नहीं होते, ये हमें सीधे ज्वैलर्स से जुड़ने और उनकी ज़रूरतों को समझने का अवसर भी देते हैं।

एनपीसीआई की नई सुविधा

पैन-बैंक खाते का तुरंत सत्यापन से इनकम टैक्स रिफंड जल्द मिलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय भुगतान निगम ने आयकर पोर्टल पर पैन और बैंक खात को रियल टाइम में सत्यापित करने की नई सुविधा शुरू की है। इसके जरिए करदाताओं को आयकर रिफंड जल्दी और बिना गलती के मिलेगा। इसके साथ ही सरकारी लाभ

हस्तांतरण की प्रक्रिया भी तेज होगी। एनपीसीआई ने हाल ही में इसे लेकर नया सर्कुलर जारी किया है। एनपीसीआई के अनुसार, नई प्रणाली विशेष रूप से सरकारी विभागों के लिए बनाई गई है। यह सीधे बैंकों के मुख्य सिस्टम से जुड़कर पैन विवरण, बैंक खाता स्थिति और खाताधारक के नाम की तुरंत पुष्टि करके इन्हें सत्यापित कर देगी। चूंकि यह सरकार को प्रदान की जाने वाली सेवा है, इसलिए सभी सदस्य बैंकों को इसे प्राथमिकता के साथ लागू करने का निर्देश दिया गया है।

रिवर्स मॉर्गेज: घर को बनाएं कमाई का जरिया

इस योजना के एवज में बैंक एकमुश्त या हर महीने एक निश्चित रकम देता है

नई दिल्ली, एजेंसी। परिवार अब छोटे होते जा रहे हैं। बच्चों के अलग रहने पर कई ऐसे बुजुर्ग मिल जाएंगे, जिनकी माली हालत खराब है और उनके पास कमाई का कोई जरिया नहीं है। हालात तब और बदतर हो जाते हैं, जब पति-प प्रतिशती घर में अकेले ही रहते हैं। परिवार में उनका ख्याल रखने वाला कोई नहीं होता। दरअसल, अधिकांश लोगों के पास रिटायरमेंट के बाद नियमित आय का साधन नहीं होता। जिन लोगों को रिटायरमेंट के बाद पेंशन मिलती है, उन्हें तो वित्तीय सुरक्षा मिल जाती है, लेकिन कई बार स्वास्थ्य संबंधी कुछ आपात जरूरतों के लिए वह भी नाकाफी साबित होती है। ऐसे

लोगों के लिए रिवर्स मॉर्गेज स्कीम अच्छा विकल्प साबित हो सकती है।

यह योजना सामान्य होम लोन के एकदम उलट है। इसमें आपको किस्तें देने की बजाय आपके घर की कीमत के आधार पर किस्तें मिलती हैं, जो मासिक, तिमाही या वार्षिक हो सकती हैं। योजना के तहत अधिकतम मासिक भुगतान की किस्त 50,000 रुपये तक हो सकती है। आप पात्रता की 50 फीसदी तक राशि एकमुश्त भी ले सकते हैं, जो अधिकतम 15 लाख रुपये हो सकती है। रिवर्स मॉर्गेज से मिलने वाली राशि का उपयोग सिर्फ वास्तविक जरूरतों जैसे चिकित्सा आपात स्थिति, रोजमर्रा के खर्च, घर की मरम्मत, नवीनीकरण या उसी संपत्ति पर लिए गए होम लोन के पुनर्भुगतान के लिए कर सकते हैं।राशि का इस्तेमाल निवेश के लिए नहीं किया जा सकता। आसान भाषा में समझें तो जब हम बैंक से होम लोन लेते हैं तो प्रॉपर्टी खरीदने के लिए वह एकमुश्त राशि देता है। इसके एवज में वह प्रॉपर्टी के कागज अपने पास रख लेता है।

रिवर्स मॉर्गेज की प्रमुख शर्तें...

व्यक्ति की उम्र 60 वर्ष या अधिक होनी चाहिए और वह उस संपत्ति का मालिक होना चाहिए, जिसमें वह रहता हो। संपत्ति खुद की खरीदी हुई होनी चाहिए। यानी विरासत या उपहार में मिली संपत्ति पर यह लोन नहीं मिलेगा। प्रॉपर्टी की बची हुई उम्र न्यूनतम 20 साल होनी चाहिए।

दंपती योजना का लाभ लेना चाहते हैं, तो पति या प प्रतिशती की उम्र कम से कम 60 वर्ष और दूसरे की 55 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। संपत्ति उनके नाम पर होनी चाहिए।

किराये पर दी गई या व्यावसायिक संपत्ति पर रिवर्स मॉर्गेज लोन नहीं मिलता। संपत्ति पर पहले से कोई लोन है, तो उसे चुकाने के बाद ही इसका लाभ ले सकते हैं।

14 के पावर शेयर शेयर को खरीदने की लूट, लगातार तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। रतन इंडिया पावर के शेयर आने वाले दिनों में फोकस में रह सकते हैं। बीते शुक्रवार को इसमें 13 प्रतिशत तक की तेजी थी और यह 14.40 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गया था। महीनेभर में यह शेयर 30 प्रतिशत तक चढ़ा है। बता दें कि जून महीने के शुरुआत में कंपनी के शेयरों भारी खरीदारी देखी गई थी, तब कंपनी को बीएसई को जवाब देना पड़ा था। एक्सचेंज बीएसई और एनएसई ने शेयर प्राइस में उतार-चढ़ाव पर कंपनी से स्पष्टीकरण मांगा था। जवाब में कंपनी ने कहा, हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि कंपनी को अपने शेयरों के ट्रेडिंग वॉल्यूम में हाल ही में हुई जबरदस्त बढ़ोतरी के किसी भी कारण की जानकारी नहीं है। मूल्य और वॉल्यूम में उतार-चढ़ाव पूरी तरह से बाजार द्वारा संचालित है।

गोदरेज भारत में सुरक्षा समाधानों के लिए बना हुआ है पसंदीदा ब्रांड

शहरी इलाकों में 15प्रतिशत बाज़ार हिस्सेदारी का लक्ष्य

- प्रमाणित सुरक्षा समाधानों, नवोन्मेष और स्मार्ट प्रौद्योगिकी के ज़रिये उपभोक्ता विश्वास को बढ़ावा दिया जा रहा
- वित्त वर्ष 2025 में 1200 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व अर्जित किया

मुंबई, एजेंसी। गोदरेज एंटरप्राइज़ेज़ ग्रुप के सुरक्षा समाधान व्यवसाय ने वित्त वर्ष '25 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 1200 करोड़ रुपये से अधिक की आय दर्ज की, जिससे सुरक्षा के क्षेत्र में भारत के सबसे भरोसेमंद नामों में से एक के रूप में इसकी स्थिति और मज़बूत हुई। व्यवसाय ने वित्त वर्ष '26 में 15 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य रखा है, जो भारत के तेज़ी से बदलते शहरी और उपनगरीय बाज़ार खंडों से बढ़ती मांग से प्रेरित है, जहां सुरक्षा की ज़रूरतें तेज़ी से परिष्कृत हो रही हैं। यह वृद्धि नवोन्मेष, प्रौद्योगिकी एकीकरण और ग्राहकों पर ध्यान केंद्रित करने के दृष्टिकोण से प्रेरित होगी। आधुनिक भारतीय उपभोक्ता अब केवल सुरक्षा उत्पाद के प्रति ही नहीं बल्कि डिजाइन के प्रति जागरूक घर के मालिक, टेक्नोलॉजी-प्रेमी माता-पिता, महिला निर्णयकर्ता और विश्वास तथा पारदर्शिता चाहने वाले व्यवसाय के मालिक भी हैं। गोदरेज इन उभरते व्यक्तित्वों की ज़रूरत समझकर ऐसे सुरक्षा समाधान बनाना चाहती है जो न केवल सुरक्षा करें बल्कि उनके जीवन से सहजता से जुड़ें भी।

गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के सुरक्षा समाधान व्यवसाय के बिज़नेस हेड, श्री पुष्कर गोखले ने इस दृष्टिकोण के बारे में कहा, आज उपभोक्ता केवल सुरक्षा ही नहीं चाहते हैं, वे स्मार्ट, सहज और विश्वसनीय सुरक्षा समाधान चाहते हैं जो उनके जीवन के अनुकूल हों। गोदरेज में, हमारा लक्ष्य सुरक्षा से परे जाकर लोगों और संस्थानों को ऐसी टेक्नोलॉजी से सशक्त बनाना है जो विश्वास, सुविधा और मन की शांति दे। हमारा वित्त वर्ष '25 का प्रदर्शन न केवल हमारे नवोन्मेष को बल्कि महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अर्जित गहरे विश्वास को भी दर्शाता है। वित्त वर्ष '26 में आगे बढ़ते हुए हमारा ध्यान हर सुरक्षा टचपॉइंट में इंटेलिजेंस, अनुपालन और सहजता को शामिल करने पर होगा। गोदरेज की वित्त वर्ष '25 की सफलता प्रमुख उत्पाद नवोन्मेष से रेखांकित होती है, जो उपभोक्ताओं और व्यवसायों की उभरती ज़रूरतों को पूरा करती हैं। भारत की पहली स्वदेशी फॉगिंग सुरक्षा प्रणाली स्मार्टफॉग के लॉन्च ने वास्तविक समय के आधार पर सेंधमारी को विफल करने के लिए सक्रिय टेक्नोलॉजी पेश की।

अनिल अंबानी की कंपनी ने चुकाया यस बैंक का पूरा लोन

375 रुपये के पार पहुंचे कंपनी के शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी के मालिकाना हक वाली कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने सोमवार को घोषणा की है कि उसने 273 करोड़ रुपये के एक लोन का यस बैंक को फुल सेटलमेंट कर दिया है, इसमें ब्याज भी शामिल है। यह उधारी, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के पूर्ण मालिकाना हक वाली इकाई जेआर टॉल रोड प्राइवेट लिमिटेड पर थी। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर सोमवार को बीएसई में तेजी के साथ 379 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। पिछले 2 महीने में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्टर के शेयरों

में 41 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है।

पूरे बकाए का कर दिया भुगतान- रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा है कि जेआर टॉल रोड प्राइवेट लिमिटेड के साथ रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने बतौर कॉरपोरेट गारंटर यस बैंक के साथ पहले के सेटलमेंट एग्रीमेंट में एक अडेन्डम पर दस्तखत किए और पूरे बकाए का भुगतान कर दिया है। यस बैंक के शेयर सोमवार को बीएसई में तेजी के साथ 19.91 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं।

इजरायल-ईरान युद्ध से रसोई गैस पर मंडरा रहा बड़ा खतरा, सिर्फ 16 दिनों का स्टॉक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय घरों में रसोई गैस के लिए इस्तेमाल होने वाले हर तीन में से दो सिलेंडर पश्चिम एशिया से आते हैं। उद्योग जगत के अधिकारियों का कहना है कि अगर क्षेत्र में तनाव बढ़ता है और सप्लाई बाधित होती है, तो सबसे पहले और सबसे अधिक राजनीतिक रूप से संवेदनशील झटका आम घरों को ही लगेगा।

अमेरिकी हमलों ने बढ़ाई चिंता- ईरान के परमाणु स्थलों पर अमेरिकी हमलों ने दुनिया के सबसे बड़े तेल उत्पादक क्षेत्र से आपूर्ति रुकने की आशंकाएं और बढ़ा दी हैं। ऐसी स्थितियों की तैयारी में भारतीय नीति निर्माताओं और उद्योग नेताओं ने यह माना है कि सभी ईंधनों का जोखिम एक जैसा नहीं है। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने पर एलपीजी सबसे ज्यादा असुरक्षित है।

दोगुनी हुई खपत, बढ़ी निर्भरता- पिछले एक दशक में, सरकार के प्रयासों से भारत में एलपीजी का

इस्तेमाल दोगुना होकर 33 करोड़ घरों तक पहुंच गया है। इससे देश की आयात पर निर्भरता बढ़ी है। कुल एलपीजी का लगभग 66 प्रतिशत हिस्सा विदेशों से आता है और इसका करीब 95 प्रतिशत हिस्सा सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर जैसे पश्चिम एशियाई देशों से आता है।

इंफीबीम एवेन्यूज़ लिमिटेड ने एआई नवाचार के लिए 700 करोड़ के राइट्स इश्यू की घोषणा

मुंबई, एजेंसी। भारत की अग्रणी डिजिटल पेमेंट्स और ई-कॉमर्स टेक्नोलॉजी कंपनी इंफीबीम एवेन्यूज़ लिमिटेड ने 700 करोड़ तक के राइट्स इश्यू की घोषणा की है। यह फंड रेज़िंग कंपनी के रणनीतिक तकनीकी विस्तार, एआई नवाचार और प्रमुख सब्सिडियरी कंपनियों के विकास को गति देने हेतु किया जा रहा है। राइट्स इश्यू के लिए रिकॉर्ड डेट 26 जून 2025 तय की गई है, जबकि राइट्स इश्यू 03 जुलाई 2025 से खुलेगा। इश्यू से प्राप्त धनराशि का उपयोग मुख्यतः कंपनी की प्रमुख सहायक कंपनियों–इंफीबीम प्रोजेक्ट्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, न्यूरोमाइंड टेक्नोलॉजीस प्रा. ली. और रीडिफ डॉट कॉम इंडिया लिमिटेड में निवेश, रणनीतिक अधिग्रहण और सामान्य कॉर्पोरेट आवश्यकताओं को पूरा करने में किया जाएगा। न्यूरोमाइंड टेक्नोलॉजीस जो कि गिफ्ट सिटी, गांधीनगर में स्थित कंपनी की एआई फोकस्ड सहायक इकाई है, उसमें ?294 करोड़ का निवेश किया जाएगा। इस निवेश से एक अत्याधुनिक एजेंट एआई डेवलपर प्लेटफॉर्म और नेस्ट जनरेशन रीजनिंग मॉडल्स विकसित किए जाएंगे।

फर्जी डीलरशिप के घोटालों से जूझ रही हैं एफएमसीजी कंपनियां

- दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली पुलिस को दिया फर्जी डीलरों पर एफआईआर का निर्देश
- रिलायंस रिटेल के मुकदमें के बाद हरकत में दिल्ली पुलिस, जांच तेज

मुंबई, एजेंसी। हर हाथ में मोबाइल और किफायती इंटरनेट से देश में डिजिटल लेन-देन काफी बढ़ गया है। घर बैठे ऑनलाइन शॉपिंग करनी हो या टिकट बुक करानी हो, बैंक का काम हो या शेयरबाजार में निवेश, सबकुछ अब बस एक क्लिक पर होने लगा है। रोजमर्रा के काम के साथ व्यापार करने में भी आसानी हुई है। लेकिन जैसे-जैसे व्यक्ति और व्यवसाय ऑनलाइन होते जा रहे हैं, वैसे-वैसे घोटालेबाज और नकली बिजनेस चलाने वाले भी बढ़ते जा रहे हैं। पिछले कुछ सालों में, भारत में उद्यमियों को ठगने के लिए फर्जी डीलरशिप घोटाला सबसे पसंदीदा तरीका बन कर उभरा है। ये घोटालेबाज महानगरों से लेकर छोटे शहरों तक हर तरफ तेजी से फैल रहे हैं। आम लोगों से व्यवसायियों तक हर कोई इनका शिकार बन रहा है, उदाहरण के लिए राजेश कुल्हार को ही लीजिए। गुड़गांव के इस व्यवसायी से हाल ही में बदमाशों ने फर्जी कार डीलरशिप का झांसा देकर 25 लाख रुपये लूट लिए। लेकिन कुल्हार अकेले नहीं हैं। हर साल सैकड़ों महत्वाकांक्षी उद्यमियों को ऑटोमोबाइल और उपभोक्ता सामान ब्रांडों की डीलरशिप के झूठे वादों के साथ ठगा जाता है। वैसे तो फर्जी डीलरशिप के ज्यादातर मामलों में घोटालेबाज़ बचकर निकल जाते हैं। परंतु हाल ही में रिलायंस रिटेल द्वारा धोखेबाजों के खिलाफ मुकदमे दायर करने के बाद दिल्ली उच्च न्यायालय ने फ़र्जी डीलरशिप से जुड़े कथित अपराधियों के खिलाफ़ सख़्त कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए।

गांव से निकले तो मिली सिर्फ 1,000 रुपये की नौकरी

फिर ऐसी चमकी किस्मत कि अब 2,700 करोड़ का साम्राज्य

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल में जन्मे सुधीर के ने कभी सिर्फ 1,000 रुपये महीने की मामूली तनख्वाह पर नौकरी की। लेकिन, वह अपने सपनों का पीछा करते रहे। आज, उन्होंने कड़ी मेहनत और लगन से एक विशाल कार्गो और फ्रेट व्यवसाय खड़ा कर दिया है। उनकी कंपनी 2,700 करोड़ रुपये का कारोबार कर रही है। सुधीर दुबई की नेवियो शिपिंग एलएलसी और मुंबई की नेवियो शिपिंग प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक और चेयरमैन हैं। उन्होंने 1993 में तमिलनाडु के थूथुकुडी में शिपिंग उद्योग में अनुभव हासिल करने के बाद दुबई में एक लॉजिस्टिक्स कंपनी में काम किया। 2014 में उन्होंने नेवियो शिपिंग शुरू की। उनकी कंपनी दुनियाभर में कार्गो और फ्रेट सेवाएं देती है। वह टेक्सटाइल, फूड प्रोडक्ट, मेटल, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक सामान और कृषि उत्पाद जैसे विभिन्न प्रकार के कार्गो का प्रबंधन करते हैं। यूएई के अलावा उनकी कंपनियों के ओमान, सिंगापुर, मलेशिया, स्पेन, चीन, थाईलैंड, जापान, जर्मनी, अमेरिका, फ्रांस और इटली में भी कार्यालय हैं। आइए, यहां सुधीर के. की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

साधारण गांव में पले-बढ़े

सुधीर के. का जन्म केरल के तिरुवनंतपुरम से 25 किलोमीटर दूर एक साधारण गांव कोलायिल में हुआ था। उनके पिता सेना से सूबेदार के पद से रिटायर हुए थे। परिवार पति की छोटी सी पेंशन पर निर्भर था। सुधीर ने 1985 में धनुवाचपुरम गांव के एक स्कूल से 12वीं क्लास पास की। उस समय साइकिल खरीदना भी एक सपना था। इसलिए वह रोज 1 किलोमीटर पैदल चलकर स्कूल जाते थे। 1988 में उन्होंने वीटीएम कॉलेज से बी एससी की डिग्री हासिल की। बाद में उन्होंने श्री विद्याधिराजा कॉलेज में अंग्रेजी साहित्य में एमए में दाखिला लिया, लेकिन परीक्षा देने से पहले ही पढ़ाई छोड़ दी। 1991

में उन्होंने भवन के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, त्रिवेंद्रम से मास कम्युनिकेशन एंड जर्नलिज्म में पीजी डिप्लोमा पूरा किया। 1992 में केरल विश्वविद्यालय से जर्मन भाषा का कोर्स करने के बाद भी सुधीर को नौकरी नहीं मिल रही थी।

सिर्फ 1,000 रुपये की नौकरी मिली - साल 1993 में सुधीर को एक चचेरे भाई के रेफरेंस से तमिलनाडु के थूथुकुडी में अरेबी शिपिंग कंपनी में सिर्फ 1000 रुपये महीने के वेतन पर एंट्री-लेवल मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव की नौकरी मिली। उन्होंने वहां डेढ़ साल काम किया। इसके बाद सुधीर कोच्चि चले गए और ए वी थॉमस एंड कंपनी लिमिटेड के सेल्स और मार्केटिंग विभाग में शामिल हो गए। इसी कंपनी में उनकी मुलाकात अंजलि से हुई, जो आगे चलकर उनकी प प्रतिशती बनीं।

दुबई में चमकी किस्मत

बेहतर जीवन की तलाश में अंजलि 1998 में दुबई चली गईं और वहां कस्टमर सर्विस की नौकरी करने लगीं। सुधीर भी 1999 में बेहतर करियर की संभावनाओं के साथ दुबई चले गए और उन्हें एक कंपनी के सेल्स विभाग में नौकरी मिल गई। दुबई में दोनों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। 2007 में एक महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब सुधीर को कारवेल लॉजिस्टिक्स में असिस्टेंट मैनेजर की नौकरी मिली। कंपनी के मालिक साजू चाको ने उनकी क्षमता पर विश्वास किया। उन्हें काम करने की बहुत आजादी दी। सात साल के भीतर वह जनरल मैनेजर के पद पर पहुंच गए।

करोड़ों का साम्राज्य खड़ा किया

2014 में सुधीर ने अपनी खुद की लॉजिस्टिक्स कंपनी शुरू करने का साहसिक कदम उठाया। अप्रैल 2014 में कारवेल लॉजिस्टिक्स छोड़ दी। उन्हें अपने पहले निवेशक का समर्थन मिला, जिन्होंने लगभग 1 करोड़ रुपये का योगदान दिया। उन्हें व्यावसायिक अवसर प्रदान किए। सुधीर उन्हें भगवान की तरह मानते हैं। इसके बाद सुधीर ने दुबई में नेवियो शिपिंग एलएलसी और मुंबई में नेवियो शिपिंग प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना की। ये कंपनियां समुद्र, वायु और सड़क मार्ग से दुनिया के सभी कोनों में कार्गो और फ्रेट का परिवहन करती हैं। आज, नेवियो शिपिंग का कुल कारोबार 2,700 करोड़ रुपये से ज्यादा है।

'सरदार जी-3' विवाद के बीच दिलजीत दोसांझ की क्रिप्टिक पोस्ट: असल लड़ाई अब शुरू हो रही है

-हानिया आमिर संग काम करने पर बैन की चर्चाएं

पंजाबी सुपरस्टार दिलजीत दोसांझ एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार वजह है उनकी आने वाली फिल्म 'सरदार जी-3' से जुड़ा विवाद और पाकिस्तान की अभिनेत्री हानिया आमिर के साथ उनके सहयोग को लेकर उठे सवाल। इसी बीच दिलजीत की एक क्रिप्टिक (रहस्यमयी) सोशल मीडिया पोस्ट ने फैंस और मीडिया दोनों का ध्यान अपनी ओर खींचा है जिसमें उन्होंने लिखा - "असल लड़ाई अब शुरू हो रही है।" यह पोस्ट और विवाद उस समय और ज़्यादा गर्म हो गया जब कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि भारत में दिलजीत पर बैन लगाने की मांग उठ रही है, खासकर हानिया आमिर के साथ उनके काम करने को लेकर। चलिए इस पूरे मामले को विस्तार से समझते हैं।

1. क्या है 'सरदार जी-3' विवाद?

'सरदार जी' पंजाबी सिनेमा की एक सुपरहिट कॉमेडी-हॉरर सीरीज़ रही है जिसमें दिलजीत दोसांझ मुख्य भूमिका में हैं। इसके पहले दो पार्ट को दर्शकों ने खूब सराहा। अब तीसरे भाग यानी 'सरदार जी-3' की घोषणा के साथ ही विवाद शुरू हो गया है। सूत्रों के मुताबिक, इस बार फिल्म की कहानी और कास्टिंग को लेकर निर्देशक और प्रोड्यूसर्स के बीच मतभेद हो गए हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी बताया गया कि फिल्म में हानिया आमिर की एंट्री को लेकर विवाद और ज़्यादा गहरा हो गया। कुछ संगठनों और सोशल मीडिया यूज़र्स ने आरोप लगाया कि एक पाकिस्तानी अभिनेत्री को भारतीय फिल्म में लेना "राष्ट्रहित" के खिलाफ है।

2. हानिया आमिर कौन हैं और कैसे जुड़ीं दिलजीत से?

हानिया आमिर पाकिस्तान की मशहूर एक्ट्रेस हैं जिन्होंने 'जानन', 'परी हाट लव' और 'मेरे हमसफ़र' जैसे कई हिट शोज़ और फिल्मों में काम किया है। भारत में भी उनकी सोशल मीडिया फैन फॉलोइंग तेज़ी से बढ़ रही है, खासकर यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर उनके वीडियो वायरल होते रहते हैं। हाल ही में उन्होंने दिलजीत दोसांझ के साथ एक अंतरराष्ट्रीय म्यूज़िक प्रोजेक्ट और एक पंजाबी फिल्म में काम किया है, जिसकी शूटिंग कनाडा में हुई थी। इस कोलैबरेशन को लेकर सोशल मीडिया पर सकारात्मक प्रतिक्रिया भी आई थी, लेकिन कुछ गुटों ने इसका विरोध शुरू कर दिया।

3. भारत में बैन की मांग – क्या है सच्चाई?

कुछ रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया पोस्ट्स में यह दावा किया गया कि दिलजीत दोसांझ पर भारत में अनौपचारिक बैन लगाने की मांग उठी है। हालांकि भारत सरकार या फिल्म प्रमाणन बोर्ड (CBFC) की तरफ से अभी तक ऐसा कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। कुछ राष्ट्रवादी संगठनों और ऑनलाइन ट्रोल्स ने सोशल मीडिया पर यह आरोप लगाया कि "एक भारतीय कलाकार का पाकिस्तान की अभिनेत्री के साथ काम करना शहीदों और देश की अस्मिता का अपमान है।" उन्होंने दिलजीत की फिल्मों और म्यूजिक इवेंट्स का बायकॉट करने की भी बात कही।

4. दिलजीत की प्रतिक्रिया – "असल लड़ाई अब शुरू हो रही है"

इन तमाम विवादों के बीच दिलजीत दोसांझ ने अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डाली जो काफी रहस्यमयी और तीखी मानी जा रही है। उन्होंने लिखा: "अब असली लड़ाई शुरू हो रही है... जो लोग सच में कुछ बड़ा करना चाहते हैं, उन्हें रोकने की कोशिश हमेशा होती है। पर सच्चाई कभी हारती नहीं।"

इस पोस्ट को फैंस और मीडिया ने उसी विवाद से जोड़ कर देखा। हालांकि दिलजीत ने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके शब्दों में एक प्रकार का प्रतिरोध और दृढ़ता साफ झलक रही थी।

5. फिल्म इंडस्ट्री और फैंस की प्रतिक्रिया

फिल्म इंडस्ट्री में कई लोग दिलजीत के समर्थन में आए। कुछ डायरेक्टर्स और एक्टर्स ने कहा कि "सिनेमा की कोई सीमा नहीं होती, और कलाकारों को उनके टैलेंट के आधार पर देखा जाना चाहिए, न कि उनकी राष्ट्रीयता पर।"

फैंस ने सोशल मीडिया पर #StandWithDiljit और #ArtHasNoBoundaries जैसे हैशटैग के ज़रिए दिलजीत को सपोर्ट किया। वहीं कुछ लोग इस बात से भी परेशान दिखे कि पाकिस्तान से आने वाले कलाकारों के साथ काम करना राजनीतिक और भावनात्मक रूप से संवेदनशील मुद्दा बन चुका है।

6. दिलजीत का ट्रैक रिकॉर्ड – हमेशा विवादों में क्यों रहते हैं?

दिलजीत दोसांझ का नाम पहले भी कई बार विवादों में आ चुका है: किसान आंदोलन में उनकी सक्रिय भागीदारी को लेकर उन्हें केंद्र सरकार समर्थकों की आलोचना झेलनी पड़ी थी। कनाडा में खालिस्तानी झंडों के पास फोटोशूट को लेकर भी विवाद हुआ था, हालांकि दिलजीत ने कभी खुलकर किसी राजनीतिक विचारधारा का समर्थन नहीं किया है। इस बार भी, उन्होंने किसी संगठन या देश का नाम लिए बिना अपने काम और आत्मसम्मान की बात की है।

7. आगे क्या? – सरदार जी-3 और हानिया का भविष्य

'सरदार जी-3' पर अभी भी सस्पेंस बना हुआ है। कुछ खबरें हैं कि फिल्म को पुनः स्क्रिप्ट किया जा रहा है, और कास्टिंग में भी बदलाव हो सकते हैं। दिलजीत और हानिया की जोड़ी पर बनी फिल्म या गाना कब रिलीज़ होगा, इस पर भी अब संशय है। कुछ लोग मानते हैं कि यह विवाद केवल एक पब्लिसिटी स्टंट भी हो सकता है, ताकि फिल्म को रिलीज़ से पहले ही ज़्यादा चर्चा मिले।

आमिर खान का खुलासा: 'धूम 3' की असली कहानी से काटा गया अभिषेक की पत्नी का रोल

-बोले, फिल्म और बड़ी ब्लॉकबस्टर बन सकती थी

मुंबई। बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान ने हाल ही में एक इंटरव्यू में 2013 की सुपरहिट फिल्म 'धूम 3' को लेकर कई दिलचस्प खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि इस फिल्म की ओरिजनल स्क्रिप्ट में एक अहम किरदार था, जो बाद में हटा दिया गया। ये किरदार कोई और नहीं बल्कि अभिषेक बच्चन की ऑनस्क्रीन पत्नी का था। आमिर का मानना है कि अगर वह किरदार फिल्म में होता तो 'धूम 3' की भावनात्मक गहराई और दर्शकों से जुड़ाव कहीं ज़्यादा होता और शायद फिल्म इतिहास की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर बन जाती।

धूम 3: जब एक्शन और इमोशन का संगम अधूरा रह गया

साल 2013 में आई 'धूम 3' उस वक्त की सबसे बड़ी एक्शन फिल्मों में से एक थी। यशराज बैनर तले बनी इस फिल्म में आमिर खान ने डबल रोल निभाया था – साहिर और समर, जो जुड़वां भाई थे। फिल्म में कैटरीना कैफ, अभिषेक बच्चन और उदय चोपड़ा भी अहम भूमिकाओं में थे। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार कमाई की थी, लेकिन आलोचकों ने इसकी भावनात्मक अपील की कमी को लेकर सवाल उठाए थे।

आमिर खान का खुलासा – ये रोल हटाना फिल्म की बड़ी चूक थी

एक नए इंटरव्यू में आमिर खान ने कहा: "हमारे पास एक और ट्रैक था – जय दीक्षित (अभिषेक बच्चन) की पत्नी का किरदार। उस किरदार को काफी इमोशनल और गहराई से लिखा गया था। स्क्रिप्ट में वो एक ऐसा एंगल जोड़ता था जो फिल्म को ज्यादा असरदार बनाता। लेकिन फिर बाद में उसे हटा दिया गया, शायद फिल्म की लंबाई या फ्लो के कारण। मेरा मानना है कि अगर वो ट्रैक होता तो धूम 3 का प्रभाव और गहरा होता।"

कौन थी वो 'पत्नी'?

हालांकि आमिर ने उस एक्ट्रेस का नाम नहीं लिया, लेकिन इंडस्ट्री के कई सूत्रों का मानना है कि विक्टोरिया (Victoria) नाम की एक कैरेक्टर को कास्ट किया गया था, जिसे एक अंतरराष्ट्रीय एक्ट्रेस निभाने वाली थीं। यह रोल जय दीक्षित के व्यक्तिगत जीवन को दिखाता, जिससे दर्शकों को उसके किरदार से जुड़ने का ज़्यादा मौका मिलता। फिल्म में अभिषेक बच्चन का किरदार सिर्फ एक पुलिस अधिकारी तक सीमित रहा, जबकि पहले की दोनों 'धूम' फिल्मों में उनके पारिवारिक जीवन की झलक दिखाई गई थी।

कहानी का भावनात्मक पहलू कमजोर क्यों पड़ा?

'धूम 3' में भले ही वीएफएक्स, स्टंट्स और एक्शन बेहतरीन थे, लेकिन दर्शकों ने एकमत होकर कहा था कि फिल्म की भावनात्मक पकड़ कमजोर है। आमिर खान के मुताबिक: "हमने एक दिल छू लेने वाला सबप्लॉट खो दिया। वह ट्रैक दर्शकों को जय दीक्षित के संघर्ष और मानवता से जोड़ता। जब एक्शन थमता, तो वो ट्रैक एक सुकून देता।"

रिव्यू में भी उठे थे ऐसे ही सवाल

जब फिल्म रिलीज़ हुई थी, उस समय कई समीक्षकों ने लिखा था कि:

फिल्म में केवल आमिर का किरदार ही पूरी कहानी को खींचता है

अभिषेक और उदय का हिस्सा कमजोर लिखा गया

भावनात्मक कनेक्ट की कमी

फिल्म को "बॉलीवुड की स्टाइलिश पर ठंडी फिल्म" बनाती है

अब जब आमिर खुद इस कमी को स्वीकार कर रहे हैं, तो यह साफ होता है कि मेकर्स को भी इसका अहसास है।

क्या अब होगी 'धूम 4' में इसकी भरपाई?

अब जबकि आमिर खान इस मुद्दे पर खुलकर बोल चुके हैं, तो ये सवाल उठ रहा है कि क्या यशराज बैनर 'धूम 4' में इस तरह की भावनात्मक गहराई को शामिल करेगा? हालांकि अभी तक 'धूम 4' की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन इंडस्ट्री में चर्चा है कि रणवीर सिंह या ऋतिक रोशन अगले विलेन हो सकते हैं। वहीं, यह भी उम्मीद जताई जा रही है कि अगर अभिषेक बच्चन की वापसी होती है, तो शायद उनके किरदार को और गहराई दी जाए।

अभिषेक बच्चन की प्रतिक्रिया?

अब तक इस खुलासे पर अभिषेक बच्चन ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन यह जरूर कहा जा सकता है कि यदि उन्हें भी इस बात की जानकारी थी, तो वह जरूर निराश हुए होंगे। फिल्म में उनका किरदार सिर्फ एक केस सुलझाने वाला पुलिस अधिकारी बनकर रह गया था। यदि उनका व्यक्तिगत पहलू भी दिखाया जाता, तो शायद दर्शकों को उनके साथ भी जुड़ने का मौका मिलता।

सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाएं

आमिर के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर चर्चा तेज हो गई है। कुछ यूज़र्स ने लिखा:

"अगर जय दीक्षित की वाइफ होती तो कैरेक्टर और अच्छा लगता।"

"अभिषेक को भी उनके किरदार के साथ न्याय नहीं मिला।"

"धूम 3 में सिर्फ आमिर चमके, बाकी सब साइडलाइन हो गए।"

धूम फ्रेंचाइज़ी का भविष्य

धूम (2004): जॉन अब्राहम ने विलेन का रोल निभाया। हिट रही।

धूम 2 (2006): ऋतिक रोशन और ऐश्वर्या राय का करिश्मा। ब्लॉकबस्टर।

धूम 3 (2013): आमिर खान का डबल रोल और जबरदस्त एक्शन। अब तक की सबसे बड़ी कमाई।

अब देखना यह होगा कि यशराज बैनर इस खुलासे के बाद 'धूम 4' को किस दिशा में ले जाता है।

ट्रोलर्स से भिड़े अमिताभ बच्चन: किसी ने कहा 'बुड्ढा सठिया गया'

-तो बोले, एक दिन आप भी सठिया जाएंगे, मज़ेदार अंदाज़ में लगाई क्लास

मुंबई। बॉलीवुड के शहंशाह और सदी के महानायक कहे जाने वाले अमिताभ बच्चन अपने अभिनय के साथ-साथ अपने शालीन और मज़ाकिया जवाबों के लिए भी मशहूर हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर उन्हें कुछ ट्रोलर्स ने उनकी उम्र को लेकर तंज कसते हुए 'बुड्ढा', 'सठिया गया है', जैसे शब्दों से ट्रोल किया, लेकिन बिग बी ने हमेशा की तरह इस बार भी अपने खास अंदाज़ में जवाब देकर सबका दिल जीत लिया।

सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का शिकार

78 वर्षीय अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं। वह रोज़ाना अपने फैंस से ट्विटर और ब्लॉग के ज़रिए जुड़ते हैं और विचार साझा करते हैं। मगर इस बार कुछ यूज़र्स ने उनकी उम्र को लेकर अपमानजनक बातें लिखीं।

एक यूज़र ने कमेंट किया

"बुड्ढा अब सोशल मीडिया से हट जा, सठिया गया है ये।"

इस पर अमिताभ बच्चन ने बड़ी ही संजीदगी लेकिन हल्के-फुल्के **मज़ाकिया अंदाज़ में जवाब देते हुए लिखा –**

"बेटा, बुड्ढा तो तू भी होगा एक दिन... और अगर किस्मत रही तो हम जैसा सठियाएगा भी।"

बिग बी के इस जवाब ने न केवल ट्रोलर को चुप कराया, बल्कि उनके प्रशंसकों ने भी ताली बजाते हुए सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया दी।

फैंस ने की तारीफ़, ट्रोलर्स को आईना

अमिताभ बच्चन के जवाब के बाद ट्विटर पर "#Legend" और "#BigB" जैसे हैशटैग ट्रेंड करने लगे। फैंस ने उनके मज़ेदार अंदाज़ और धैर्य की सराहना करते हुए कहा कि इस उम्र में भी जिस गरिमा से वे सोशल मीडिया का सामना करते हैं, वह नई पीढ़ी के लिए मिसाल है।

एक फैन ने लिखा –

"बच्चन साहब न सिर्फ़ अभिनय में मास्टर हैं, बल्कि सोशल मीडिया पर भी क्लास लगाना जानते हैं।"

वहीं एक अन्य ने कहा –

"जो लोग उम्र का मज़ाक उड़ाते हैं, उन्हें समझना चाहिए कि यही उम्र अनुभव, गरिमा और इज़्ज़त की पहचान होती है।"

उम्र पर क्यों होते हैं निशाने?

सेलिब्रिटीज़ अकसर अपनी उम्र, लुक या निजी जीवन को लेकर ट्रोलिंग का शिकार होते हैं। लेकिन जब कोई व्यक्ति देश की सांस्कृतिक विरासत बन चुका हो, और जिसने अपने जीवन का अधिकांश हिस्सा दर्शकों का मनोरंजन करने और समाज को संदेश देने में लगाया हो, उसके लिए इस तरह की टिप्पणियाँ निंदनीय मानी जाती हैं। अमिताभ बच्चन ने अपने करियर में इतने उतार-चढ़ाव देखे हैं कि शायद ही कोई और कलाकार उस स्तर की जिजीविषा और संघर्ष का उदाहरण दे सके। उन्होंने न केवल बीमारियों और आर्थिक तंगी को मात दी है, बल्कि उम्र के इस पड़ाव पर भी लगातार फिल्मों, विज्ञापनों और शो में सक्रिय हैं।

ट्रोलिंग पर बिग बी की पुरानी राय

यह पहली बार नहीं है जब अमिताभ बच्चन ने ट्रोलर्स को जवाब दिया है। पहले भी वे अपने ब्लॉग में ट्रोलिंग को लेकर लिख चुके हैं – "नफ़रत फैलाना और बेवजह गाली देना आज के डिजिटल युग का नया चलन बन गया है। लेकिन असली बहादुरी है – प्रेम से जवाब देना।"

वे मानते हैं कि सोशल मीडिया एक 'ओपन फोरम' है जहां हर कोई अपनी बात रख सकता है, लेकिन अभद्रता की कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

'बुड्ढा' शब्द का कर चुके हैं खुद मज़ाक

गौरतलब है कि अमिताभ बच्चन 2011 में आई फिल्म 'बुड्ढा होगा तेरा बाप' में खुद को एक 'कूल और स्मार्ट बुड्ढा' के रूप में पेश कर चुके हैं। इस फिल्म में उन्होंने समाज की उम्रदराज़ सोच को तोड़ते हुए एक्शन और स्टाइल से लोगों को चौंका दिया था। इस फिल्म के डायलॉग "बुड्ढा होगा तेरा बाप" खुद अमिताभ की सोच को दर्शाते हैं – वे उम्र को कभी कमजोरी नहीं मानते बल्कि अनुभव और ऊर्जा का प्रतीक मानते हैं।

हाल की एक्टिविटी और व्यस्तता

बिग बी इस उम्र में भी लगातार काम कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने 'कौन बनेगा करोड़पति' का एक और सीज़न होस्ट किया, जो बेहद सफल रहा। इसके अलावा वह कई बड़ी फिल्मों में अहम भूमिकाएं निभा रहे हैं – जैसे 'कालिया', 'गणपत', 'ब्रह्मास्त्र' जैसी फिल्में। वह हर दिन सोशल मीडिया पर सक्रिय रहते हैं और रात को ठीक 10:30 बजे अपने ब्लॉग पर नई पोस्ट डालते हैं, जिसमें वे अपने जीवन की झलक, कविताएं, फैंस से संवाद और ट्रोलर्स को व्यंग्यात्मक जवाब देते रहते हैं।

सेलेब्रिटीज़ को ट्रोलिंग से कैसे बचाया जाए?

सेलिब्रिटी होना जितना सम्मानजनक है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। सोशल मीडिया पर अनाम ट्रोलर्स बिना किसी जिम्मेदारी के कुछ भी लिख जाते हैं। इसलिए अब समय आ गया है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर ट्रोलिंग को नियंत्रित करने के लिए सख्त नियम और निगरानी रखी जाए। बिग बी जैसे दिग्गजों को ट्रोल करना न सिर्फ़ अनुचित है बल्कि यह हमारे समाज की परिपक्वता पर भी सवाल खड़े करता है।

तमिल एक्टर श्रीकांत ड्रग्स केस में गिरफ्तार: कोकीन सेवन का आरोप

- 'ननबन' फेम एक्टर पर गिरफ़्तारी की गाज

चेन्नई। तमिल फिल्म इंडस्ट्री के चर्चित अभिनेता श्रीकांत को हाल ही में ड्रग्स केस में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उन पर कोकीन के सेवन और ड्रग्स के अवैध सेवन में लिप्त होने का गंभीर आरोप लगाया है। चेन्नई पुलिस के मादक पदार्थ नियंत्रण विभाग ने एक गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर अभिनेता श्रीकांत को हिरासत में लिया और उनके घर से कुछ संदिग्ध पदार्थ भी जब्त किए गए हैं। जांच के बाद यह पुष्टि हुई कि वह कोकीन जैसी नशीली वस्तुओं के इस्तेमाल में शामिल थे।

कैसे हुआ खुलासा?

तमिलनाडु पुलिस को बीते कुछ हफ्तों से चेन्नई के पॉश इलाकों में ड्रग्स के बढ़ते नेटवर्क की शिकायतें मिल रही थीं। पुलिस की एक स्पेशल टास्क फोर्स ने कुछ दिनों से हाई प्रोफाइल सेलेब्रिटीज़ और पार्टियों पर नजर रखनी शुरू की। इसी दौरान एक गुप्त सूचना मिली कि एक फिल्म अभिनेता ड्रग्स पार्टी में नियमित रूप से शामिल हो रहा है। छानबीन के बाद जब पुलिस ने श्रीकांत के आवास पर छापा मारा, तो वहां से ड्रग्स से जुड़े कई सबूत बरामद किए गए।

शुरुआती मेडिकल रिपोर्ट में ड्रग्स सेवन की पुष्टि

श्रीकांत को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उनका मेडिकल परीक्षण करवाया। प्राथमिक मेडिकल रिपोर्ट्स में उनके शरीर में कोकीन के अंश पाए गए हैं, जिससे यह बात और पुख्ता हो गई कि वह नियमित रूप से ड्रग्स का सेवन कर रहे थे। हालांकि, श्रीकांत ने शुरुआती पूछताछ में इन आरोपों को खारिज किया और कहा कि उन्हें फंसाया गया है।

फिल्मी करियर की शुरुआत और लोकप्रियता

श्रीकांत ने तमिल फिल्म इंडस्ट्री में अपने करियर की शुरुआत साल 2002 में फिल्म "रोमियो जूलियट" जैसी फिल्मों से की थी। वह एक समय में युवाओं के बीच रोमांटिक हीरो के तौर पर काफी लोकप्रिय रहे। लेकिन उन्हें असली पहचान मिली शंकर द्वारा निर्देशित फिल्म "ननबन" से, जो आमिर खान की ब्लॉकबस्टर हिंदी फिल्म '3 इडियट्स' की तमिल रीमेक थी। इस फिल्म में श्रीकांत ने माधवन के किरदार को निभाया था, जबकि विजय ने आमिर खान की भूमिका की थी। फिल्म "ननबन" के अलावा उन्होंने "पार्थिबन कनवु", "मेरिना", "बोझा", "कन्ना लड् थिन्ना आसाया" जैसी कई हिट फिल्मों में काम किया। वह हमेशा से ही साफ-सुथरी छवि वाले कलाकार माने जाते रहे हैं।

फैंस और इंडस्ट्री में सदमा

श्रीकांत की गिरफ्तारी की खबर से उनके प्रशंसकों और फिल्म इंडस्ट्री में सदमा फैल गया है। सोशल मीडिया पर फैंस अपनी निराशा और दुख व्यक्त कर रहे हैं। कई लोगों का कहना है कि वे कभी नहीं सोच सकते थे कि श्रीकांत जैसा शांत और विनम्र कलाकार इस तरह की गतिविधियों में शामिल हो सकता है। तमिल फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई लोगों ने भी इस खबर पर प्रतिक्रिया दी है। मशहूर अभिनेता और निर्माता एस. थनु ने कहा, "यह बहुत दुखद है। हमें ड्रग्स जैसे जहर से फिल्म इंडस्ट्री को बचाने की जरूरत है।"

कानूनी कार्रवाई और अगली सुनवाई

पुलिस ने श्रीकांत को NDPS (Narcotic Drugs and Psychotropic Substances) एक्ट के तहत गिरफ्तार किया है। कोर्ट में पेशी के बाद उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उनका केस अब स्पेशल नारकोटिक्स कोर्ट में चलेगा। पुलिस ने कहा है कि जांच के दौरान यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि क्या वह किसी बड़े ड्रग्स रैकेट का हिस्सा थे या केवल उपभोक्ता थे। श्रीकांत के फोन और सोशल मीडिया अकाउंट की भी जांच की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह किन लोगों के संपर्क में थे और ड्रग्स की खरीद कहां से होती थी।

दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में ड्रग्स का बढ़ता दखल

यह पहली बार नहीं है जब दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में ड्रग्स का मामला सामने आया है। बीते कुछ वर्षों में कन्नड़ और तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री से भी ऐसे कई केस सामने आ चुके हैं जिनमें कलाकारों, प्रोड्यूसर्स और कोरियोग्राफर्स तक के नाम ड्रग्स रैकेट से जुड़े पाए गए। विशेषज्ञों का कहना है कि ग्लैमर वर्ल्ड में रात की पार्टियों और नशे का चलन तेजी से बढ़ा है, और यही कई नौजवान कलाकारों को गुमराह कर रहा है।

श्रीकांत का परिवार और निजी ज़िंदगी

श्रीकांत एक मध्यमवर्गीय परिवार से ताल्लुक रखते हैं। वह हमेशा अपने व्यवहार और सादगी के लिए जाने जाते रहे हैं। उन्होंने कुछ साल पहले एक निजी बैंक अधिकारी से शादी की थी और उनके दो छोटे बच्चे भी हैं। उनकी पत्नी और परिवार ने इस गिरफ्तारी को "झूठा फंसाया जाना" बताया है और कहा है कि जल्द ही वह मीडिया के सामने आकर अपनी बात रखेंगे।

फिल्मों पर पड़ेगा असर

श्रीकांत की गिरफ्तारी के बाद उनकी आने वाली दो फिल्मों की शूटिंग को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। निर्माताओं का कहना है कि वह स्थिति साफ होने तक किसी भी शूटिंग को आगे नहीं बढ़ाएंगे।

काजोल ने रामोजी फिल्म सिटी को बताया था 'हांटेड': विवाद बढ़ने पर दी सफाई

-बोलीं, यह एक शानदार और सुरक्षित जगह है

मुंबई। बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री काजोल हाल ही में अपने एक बयान को लेकर सोशल मीडिया पर विवादों में आ गई थीं। उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान रामोजी फिल्म सिटी को "हांटेड" यानी भूतिया जगह बताया था। उनके इस बयान से कई लोगों को आपत्ति हुई, खासकर उन लोगों को जो हैदराबाद स्थित इस फिल्म सिटी में वर्षों से काम कर रहे हैं या वहां आए हैं। विवाद बढ़ता देख काजोल को सामने आकर सफाई देनी पड़ी।

काजोल का पुराना बयान

दरअसल, एक प्रमोशनल इंटरव्यू में जब काजोल से उनके शूटिंग के अनुभवों को लेकर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने बताया कि रामोजी फिल्म सिटी में शूटिंग करते हुए उन्हें हमेशा एक अजीब सा डर महसूस होता था। उन्होंने हँसते हुए कहा था, "मुझे तो वो जगह हांटेड लगती है, वहां शूटिंग के दौरान कई बार अजीब घटनाएं महसूस की हैं।" उनका यह बयान मज़ाकिया लहजे में था लेकिन सोशल मीडिया पर लोगों ने इसे गंभीरता से ले लिया। रामोजी फिल्म सिटी के कई कर्मचारी और दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोगों ने इस पर आपत्ति जताई।

सोशल मीडिया पर हुआ विवाद

काजोल का यह वीडियो जैसे ही वायरल हुआ, ट्विटर (अब एक्स) और इंस्टाग्राम पर यूज़र्स ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया। कई लोगों ने लिखा कि एक जिम्मेदार कलाकार को बिना प्रमाण के किसी जगह को 'भूतिया' कहना शोभा नहीं देता, क्योंकि इससे उस जगह की छवि पर असर पड़ सकता है। कुछ लोगों ने कहा कि रामोजी फिल्म सिटी भारत की सबसे बड़ी और प्रतिष्ठित फिल्म निर्माण स्थलों में से एक है, जहां हजारों लोगों की रोज़ी-रोटी जुड़ी है। ऐसे में इस तरह की टिप्पणी नुकसानदायक हो सकती है।

काजोल ने दी सफाई

विवाद बढ़ने पर काजोल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर सफाई दी। उन्होंने लिखा: "मेरे पुराने इंटरव्यू से एक मज़ाकिया टिप्पणी को ग़लत ढंग से पेश किया गया है। रामोजी फिल्म सिटी एक शानदार, सुरक्षित और बेहतरीन फिल्म लोकेशन है, जहां मैं कई बार काम कर चुकी हूं और हर बार अच्छा अनुभव रहा है। मैं वहां की टीम और व्यवस्थाओं की बहुत सराहना करती हूं। मेरा मकसद किसी की भावनाएं आहत करना नहीं था।" काजोल की इस सफाई के बाद मामला थोड़ा शांत हुआ, लेकिन फिर भी कुछ लोगों का मानना है कि सेलेब्रिटीज़ को अपनी ज़ुबान पर ज़्यादा ध्यान देना चाहिए, क्योंकि उनका एक मज़ाक भी लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचा सकता है।

रामोजी फिल्म सिटी का महत्व

रामोजी फिल्म सिटी को 1991 में शुरू किया गया था और यह 2000 एकड़ में फैला हुआ दुनिया का सबसे बड़ा फिल्म स्टूडियो है। यहां न केवल भारतीय, बल्कि कई विदेशी फिल्में और वेबसीरीज़ की भी शूटिंग होती है। इसमें फिल्म शूटिंग के अलावा होटल, थीम पार्क, पर्यटन स्थल और एडवेंचर स्पोर्ट्स की भी सुविधा है। इस फिल्म सिटी में शाहरुख खान, सलमान खान, आमिर खान से लेकर साउथ सुपरस्टार्स रजनीकांत, प्रभास और अल्लू अर्जुन तक ने कई बार शूटिंग की है।

लीड्स टेस्ट में भारत की मज़बूत पकड़: पंत-राहुल की सेंचुरी से इंग्लैंड को मिला 371 रन का टारगेट

-आखिरी दिन चाहिए 350 रन

लीड्स। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पहले टेस्ट के चौथे दिन भारतीय पारी 364 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत ने इंग्लैंड को 371 रन का टारगेट दिया। स्टंप्स तक इंग्लैंड ने बगैर विकेट 21 रन बना लिए हैं। बेन डकेट और जैक क्रॉली नाबाद लौटे हैं। अब इंग्लैंड को मैच जीतने के लिए 350 रन की जरूरत है।

लीड्स के हेडिंग्ले क्रिकेट स्टेडियम में भारत ने आज 90/2 के स्कोर से खेलना शुरू किया था। भारत से ऋषभ पंत और केएल राहुल ने सेंचुरी लगाई। पहली पारी में इंग्लैंड 465 और भारत 471 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत को पहली पारी में 6 रन की बढ़त मिली थी।

पंत और राहुल ने पलटा मैच का रुख

भारतीय टीम की दूसरी पारी की शुरुआत थोड़ी धीमी रही, लेकिन तीसरे दिन के बाद से ही ऋषभ पंत और केएल राहुल ने बल्लेबाज़ी में जिस अंदाज़ से आक्रमण किया, उसने इंग्लिश गेंदबाज़ों को बैकफुट पर ला दिया। दोनों बल्लेबाज़ों ने तेज़ गति से रन बटोरे और चौथे दिन का खेल पूरी तरह भारत के नाम रहा।

ऋषभ पंत ने अपनी आक्रामक शैली में बल्लेबाज़ी करते हुए सिर्फ 140 गेंदों में 118 रनों की शतकीय पारी खेली, जिसमें 15 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। वहीं केएल राहुल ने संयम और आक्रामकता के संतुलन के साथ 137 रन बनाए। उनकी यह पारी 247 गेंदों में आई, जिसमें उन्होंने 18 चौके जड़े।

इंग्लैंड को आखिरी दिन चाहिए 350 रन, 10 विकेट बाकी

इंग्लैंड की टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए चौथे दिन का खेल खत्म होने तक बिना विकेट खोए 21 रन बना लिए हैं। हालांकि पिच की हालत को देखते हुए पांचवें दिन का खेल भारतीय गेंदबाज़ों के लिए मददगार हो सकता है। अगर भारत को यह मैच जीतना है तो उसे पांचवें दिन सुबह से ही इंग्लैंड के विकेट निकालने होंगे। भारतीय गेंदबाज़ों, खासकर जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा पर बड़ी जिम्मेदारी होगी।

ऋषभ पंत का ऐतिहासिक प्रदर्शन

ऋषभ पंत ने इस टेस्ट में इतिहास रच दिया है। वह भारत की तरफ से इंग्लैंड के खिलाफ दोनों पारियों में शतक लगाने वाले पहले विकेटकीपर बने हैं। पंत ने पहली पारी में 104 और दूसरी पारी में 118 रन बनाए। टेस्ट क्रिकेट में विकेटकीपर-बल्लेबाज़ की भूमिका में ऐसा प्रदर्शन विरले ही देखने को मिलता है।

सुनील गावस्कर ने पंत की तारीफ करते हुए कहा कि, "पंत ने जिस निडरता से बल्लेबाज़ी की, वह भारतीय क्रिकेट के भविष्य के लिए एक शानदार संकेत है। उनकी बल्लेबाज़ी में गुलाटी (पलटवार) मारने की कला है, जो बड़े मैचों में काम आती है।"

जो रूट ने पूरे किए 210 कैच

इंग्लैंड की तरफ से अनुभवी बल्लेबाज़ और पूर्व कप्तान जो रूट ने इस टेस्ट में फील्डिंग के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। उन्होंने टेस्ट करियर में 210 कैच पूरे किए और इस आंकड़े तक पहुंचने वाले इंग्लैंड के दूसरे फील्डर बन गए हैं। उनसे ऊपर सिर्फ एलेस्टेयर कुक हैं, जिनके नाम 211 कैच दर्ज हैं।

भारत का पलड़ा भारी, लेकिन मैच अभी खुला है

371 रनों के लक्ष्य का पीछा करना टेस्ट क्रिकेट में बेहद कठिन होता है, खासकर जब पिच धीरे-धीरे स्पिनरों की मदद करने लगे। भारत के पास यह सुनहरा मौका है कि वह इस टेस्ट को जीतकर सीरीज़ में बढ़त बनाए। हालांकि इंग्लैंड की बल्लेबाज़ी भी गहरी है और अगर जो रूट, बेयरस्टो, स्टोक्स और पोप जैसे बल्लेबाज़ टिक जाते हैं, तो मैच भारत के हाथ से भी निकल सकता है।

विश्लेषण: भारत की जीत के क्या हैं रास्ते?

नई गेंद से जल्दी विकेट: जसप्रीत बुमराह और सिराज को नई गेंद से विकेट निकालने होंगे, ताकि इंग्लैंड दबाव में आ जाए।

जडेजा और अश्विन की स्पिन जोड़ी: पिच में रफ बन चुका है, जिससे स्पिन को टर्न मिलने की संभावना है। अश्विन को जडेजा के साथ मिलकर बीच के ओवरों में विकेट निकालने होंगे।

स्लिप और फील्डिंग अहम: इंग्लैंड की बल्लेबाज़ी तकनीकी रूप से मजबूत है, ऐसे में स्लिप में कैच पकड़ना मैच का रुख तय कर सकता है।

मोमेंट्स ऑफ द मैच

पंत की दोनों पारियों में शतक

राहुल का धैर्यपूर्ण 139 रन

जो रूट का 210वां कैच

बुमराह की शानदार यॉर्कर पर बेन स्टोक्स का बोल्ड (पहली पारी में)

क्या कहता है रिकॉर्ड?

इतिहास बताता है कि 350 से ज्यादा रन का लक्ष्य टेस्ट में कभी-कभार ही हासिल हुआ है। इंग्लैंड को अगर यह मैच जीतना है, तो उसे इतिहास रचना होगा। भारत को अपने गेंदबाज़ों पर पूरा भरोसा है और दर्शकों को पांचवें दिन बेहद रोमांचक खेल की उम्मीद है।

ऋषभ पंत का ऐतिहासिक कारनामा: दोनों पारियों में शतक लगाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर

-जो रूट ने पकड़े 210 कैच, फील्डिंग में भी रचा इतिहास

टेस्ट क्रिकेट में भारतीय क्रिकेट का इतिहास शानदार रहा है, लेकिन कुछ रिकॉर्ड ऐसे होते हैं जो खिलाड़ियों की मेहनत और प्रतिभा को खास पहचान देते हैं। हाल ही में भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए टेस्ट मैच में भारतीय विकेटकीपर ऋषभ पंत ने ऐसा ही एक ऐतिहासिक कारनामा किया। वे भारत के पहले विकेटकीपर बन गए हैं जिन्होंने एक ही टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक लगाया है। इस शानदार प्रदर्शन के बाद देशभर में क्रिकेट प्रेमियों के साथ-साथ दिग्गज खिलाड़ी भी उनकी तारीफों के पुल बाँध रहे हैं।

ऋषभ पंत का इतिहास रचने वाला प्रदर्शन

भारत ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में इंग्लैंड को जीत के लिए 371 रन का टारगेट दिया है। सोमवार को मैच के चौथे दिन भारतीय टीम दूसरी पारी में 364 रन पर ऑलआउट हो गई। लीड्स के हेडिंग्ले क्रिकेट स्टेडियम में स्टंप्स तक इंग्लैंड ने बिना किसी नुकसान के 21 रन बना लिए हैं। इंग्लैंड जीत से 350 रन दूर है। ऋषभ पंत पहले भारतीय विकेटकीपर बने, जिन्होंने टेस्ट की दोनों पारियों में शतक लगाया। **जो रूट ने टेस्ट में 210 कैच पूरे किए,** उन्होंने इस मामले में राहुल द्रविड़ की बराबरी की। सुनील गावस्कर ने पंत को सेंचुरी के बाद जंप लगाने को कहा। पंत की बल्लेबाज़ी में वो आक्रामकता और आत्मविश्वास साफ नजर आया जिसने कई बार भारत को मुश्किल समय से निकाला है। उनकी ये पारियां केवल रन बनाने तक सीमित नहीं थीं, बल्कि यह टीम को मानसिक मजबूती भी दे रही थीं।

गावस्कर का मज़ेदार रिएक्शन: "गुलाटी तो बनती है"

पंत की इन ऐतिहासिक पारियों को देखकर पूर्व भारतीय कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज़ सुनील गावस्कर भी खुद को रोक नहीं पाए। जब कॉमेंट्री के दौरान उनसे पूछा गया कि इस मौके पर ऋषभ पंत को क्या करना चाहिए, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, "गुलाटी तो बनती है।" यह वही लाइन है जो आमतौर पर बच्चों के जश्न के लिए इस्तेमाल होती है, लेकिन गावस्कर ने इसे पंत की खुशी के अंदाज़ में इस्तेमाल किया। उनकी यह बात सोशल मीडिया पर वायरल हो गई और फैन्स ने भी पंत के इस रिकॉर्ड की ख़ूब सराहना की।

विकेटकीपिंग का कमाल: जो रूट के 210 कैच पूरे

हालांकि जो रूट इंग्लैंड के मुख्य बल्लेबाज माने जाते हैं, लेकिन इस मैच में उन्होंने बतौर फील्डर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। उन्होंने अपनी फर्स्ट स्लिप की पोजीशन से कुल मिलाकर 210वां कैच पकड़ा, जो किसी गैर-विकेटकीपर के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले खिलाड़ियों की सूची में वे अब और ऊपर आ गए हैं। रूट की यह उपलब्धि बताती है कि वे सिर्फ बल्लेबाज़ी में ही नहीं, बल्कि फील्डिंग में भी भरोसेमंद खिलाड़ी हैं।

पंत से जुड़े दिलचस्प आंकड़े:

ऋषभ पंत अब तक टेस्ट करियर में 6 शतक लगा चुके हैं। पंत ने यह दोहरे शतक (दोनों पारियों में) इंग्लैंड के खिलाफ उसकी सरज़मीं पर बनाया, जहां एशियाई बल्लेबाजों के लिए बल्लेबाज़ी करना बेहद मुश्किल होता है। दोनों पारियों में शतक जमाने वाले विकेटकीपरों की सूची में अब उनके साथ एंडी फ्लावर, कुमार संगकारा और एलेक स्टीवर्ट जैसे दिग्गज भी हैं।

मैच के अन्य मोमेंट्स जो यादगार रहे

1. रवींद्र जडेजा की गेंदबाज़ी का जलवा

जडेजा ने इस मैच में 7 विकेट झटके और इंग्लिश बल्लेबाज़ों को चौंकाकर रख दिया। खासतौर पर दूसरी पारी में उनकी स्पिन और लाइन-लेंथ ने इंग्लैंड के मिडिल ऑर्डर को तोड़कर रख दिया।

2. बुमराह की बाउंसर पर जो रूट क्लीन बोल्ड

बुमराह ने जो रूट को बाउंसर से चौंकाकर एक बेहतरीन गेंद पर बोल्ड किया, जो मैच का टर्निंग पॉइंट बन गया।

3. गिल और रोहित की ओपनिंग साझेदारी

पहली पारी में शुभमन गिल और रोहित शर्मा ने ठोस शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 85 रन जोड़कर टीम को मजबूत नींव दी।

4. अश्विन की रणनीतिक फील्डिंग सेटिंग

आर अश्विन ने अपने अनुभव का लाभ उठाते हुए कुछ शानदार फील्डिंग सेटअप किए, जिससे इंग्लैंड के बल्लेबाज बार-बार जाल में फँसते रहे।

भारतीय टीम का आत्मविश्वास बढ़ा

यह जीत भारत के लिए न केवल एक सीरीज में बढ़त देने वाली जीत थी, बल्कि खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को भी मजबूत करने वाली रही। खासकर युवा खिलाड़ियों का प्रदर्शन – चाहे वह गेंदबाज़ी हो या बल्लेबाज़ी – दिखाता है कि भारतीय टेस्ट टीम का भविष्य सुरक्षित और उज्जवल है। ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ी, जो मैदान पर आक्रामकता और मस्ती दोनों को संतुलित कर सकते हैं, टीम के लिए गेमचेंजर साबित हो सकते हैं।

पंत का ग्लोबल प्रभाव

ऋषभ पंत का यह प्रदर्शन न केवल भारत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट हलकों में भी चर्चा का विषय बन गया। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा, "पंत का यह प्रदर्शन दिखाता है कि वह दबाव में कितना बेहतरीन खेल सकता है। यह किसी सुपरस्टार की पहचान है।"

सोशल मीडिया पर हलचल

पंत के इस कारनामे के बाद ट्विटर, इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर उनकी इनिंग्स की झलकियाँ वायरल हो गईं। "#PantPower", "#HistoricHundred" जैसे हैशटैग ट्रेंड करने लगे। फैंस ने उन्हें "गब्बर स्टाइल विकेटकीपर", "बैटिंग का बाज़ीगर" और "मिस्टर क्लच" जैसे नामों से नवाज़ा।

ऋषभ पंत को ICC की फटकार: हेडिंग्ले टेस्ट में अंपायर से बहस पर मिला डिमेरिट पॉइंट

लीड्स (इंग्लैंड)। भारत और इंग्लैंड के बीच हेडिंग्ले में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच में भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत एक बार फिर चर्चा में आ गए, लेकिन इस बार वजह उनका बल्ला नहीं, बल्कि मैदान पर उनकी आक्रामक प्रतिक्रिया बनी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने पंत को आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी ठहराते हुए आधिकारिक चेतावनी दी है और उनके अनुशासनिक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट जोड़ दिया गया है।

क्या है पूरा मामला?

तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन का खेल जब अपने चरम पर था, तब इंग्लिश पारी के दौरान गेंद काफी घिस चुकी थी और भारतीय खिलाड़ियों ने अंपायरों से उसे बदलने की मांग की। पंत, जो कि विकेट के पीछे तैनात थे, ने अंपायर के निर्णय पर तीखी प्रतिक्रिया दी और कई बार जोर से अपनी नाराजगी जाहिर की। इसके बाद उन्होंने लगातार अंपायरों से बहस की और उस फैसले को चुनौती दी जिसमें गेंद को नहीं बदला गया। आईसीसी ने इस बर्ताव को अनुशासनहीनता मानते हुए लेवल 1 का उल्लंघन करार दिया। आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 के अंतर्गत किसी अंपायर के फैसले पर आक्रामक प्रतिक्रिया, असहमति या असम्मानजनक रवैये को दंडनीय माना जाता है। पंत का व्यवहार इसी श्रेणी में आया।

आईसीसी का आधिकारिक बयान

आईसीसी ने अपने बयान में कहा, "ऋषभ पंत ने मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर बार-बार असहमति जताई, जो कि खेल भावना के खिलाफ है। उन्हें लेवल 1 का दोषी पाया गया है और उन्हें एक डिमेरिट पॉइंट मिला है। यह घटना तीसरे दिन, इंग्लैंड की दूसरी पारी के 56वें ओवर में हुई थी।"

यह ऋषभ पंत का पिछले 24 महीनों में पहला डिमेरिट पॉइंट है। अगर किसी खिलाड़ी के 24 महीनों में चार या उससे ज्यादा डिमेरिट पॉइंट हो जाते हैं, तो वह मैच से सस्पेंड भी हो सकता है।

पंत की सफाई और टीम मैनेजमेंट की प्रतिक्रिया

मैच के बाद जब इस विषय पर पंत से सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा: "हम बस यही चाहते थे कि खेल निष्पक्ष तरीके से चले। गेंद खराब हो चुकी थी और उससे स्विंग या बाउंस नहीं हो रहा था। मैंने बस अपनी बात रखी, लेकिन अगर मेरे किसी शब्द से किसी को ठेस पहुंची हो, तो मुझे अफसोस है।"

भारतीय टीम प्रबंधन ने भी इस मामले को गंभीरता से लिया और कहा कि वे आईसीसी के फैसले का सम्मान करते हैं और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने की कोशिश करेंगे।

पूर्व खिलाड़ियों की मिली-जुली प्रतिक्रिया

पूर्व भारतीय खिलाड़ी और क्रिकेट कमेंटेटर संजय मांजरेकर ने कहा: "पंत का जोश तो समझ आता है, लेकिन यह अंतरराष्ट्रीय स्तर की क्रिकेट है, जहां अनुशासन सर्वोपरि है। ऐसे में उन्हें अपने इमोशंस पर कंट्रोल रखना चाहिए।"

वहीं, पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग ने इसे हल्का मामला बताया और कहा:

"ऋषभ एक जुनूनी खिलाड़ी हैं। कई बार ऐसा हो जाता है, लेकिन अच्छा होगा कि वह आगे से संयम रखें।"

भारत के लिए क्यों है यह चिंता का विषय?

भारतीय टीम पिछले कुछ महीनों में कई खिलाड़ियों के डिमेरिट पॉइंट्स और फाइन से गुज़री है। इससे टीम की छवि पर असर पड़ता है और विरोधी टीमें इसे मानसिक लाभ के तौर पर भी इस्तेमाल कर सकती हैं। कप्तान रोहित शर्मा पहले ही कह चुके हैं कि उन्हें ऐसी घटनाएं पसंद नहीं हैं जो टीम का ध्यान भटकाएं। अगर पंत आगे भी इसी तरह की घटनाओं में शामिल होते हैं तो उन्हें न सिर्फ जुर्माना भरना पड़ सकता है, बल्कि मैच बैन भी झेलना पड़ सकता है। यह भारत के लिए बड़ा झटका हो सकता है, खासकर ऐसे खिलाड़ी के रूप में जो तेज़ी से टीम इंडिया के स्तंभ बनते जा रहे हैं।

आईसीसी की आचार संहिता क्या कहती है?

आईसीसी की आचार संहिता खिलाड़ियों के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश देती है, ताकि खेल की गरिमा और खेल भावना बनी रहे। इसमें चार स्तर (लेवल 1 से लेवल 4) तक के उल्लंघन शामिल होते हैं:

लेवल 1 और 2: हल्के अपराध माने जाते हैं – जैसे अपशब्द, गुस्से में प्रतिक्रिया, अंपायर के फैसले पर नाराज़गी।

लेवल 3 और 4: गंभीर अपराध जैसे गाली देना, शारीरिक हमला या अंपायर पर सीधा हमला।

पंत को फिलहाल लेवल 1 में रखा गया है, लेकिन दोहराव की स्थिति में यह गंभीर बन सकता है।

क्या इससे पंत की छवि पर असर पड़ेगा?

ऋषभ पंत क्रिकेट जगत में एक चुलबुले और उत्साही खिलाड़ी के रूप में जाने जाते हैं। वह अपने बेबाक अंदाज़ और आक्रामक शैली के लिए मशहूर हैं। लेकिन, ऐसे विवाद उनके करियर पर छाया डाल सकते हैं। बीसीसीआई भी इन मामलों में काफी सख्त रवैया अपना चुका है, और अनुशासन की अनदेखी को बर्दाश्त नहीं करता। यह पहली बार नहीं है जब पंत मैदान पर चर्चा का विषय बने हों, लेकिन यह पहली बार है जब उन्हें आईसीसी से आधिकारिक फटकार मिली है।

पूर्व क्रिकेटर दिलीप दोशी का निधन: 77 साल की उम्र में लंदन में ली अंतिम सांस

-पहले ही टेस्ट में लिए थे 5 विकेट

लंदन/नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के इतिहास में अपनी धीमी चाल और तेज़ सोच के लिए मशहूर बाएं हाथ के स्पिनर दिलीप दोशी का 77 वर्ष की उम्र में लंदन में निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे और वहीं अपना इलाज करा रहे थे। दिलीप दोशी ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में भले ही बहुत ज़्यादा मैच न खेले हों, लेकिन जो भी मौके उन्हें मिले, उनमें उन्होंने खुद को साबित किया। खासकर टेस्ट क्रिकेट में उनकी गेंदबाज़ी की कला ने कई दिग्गज बल्लेबाज़ों को परेशान किया।

दिलीप दोशी: एक संक्षिप्त परिचय

दिलीप रसिकलाल दोशी का जन्म 22 दिसंबर 1947 को गुजरात के राजकोट में हुआ था। वे बाएं हाथ के ऑर्थोडॉक्स स्पिन गेंदबाज़ थे और घरेलू क्रिकेट में अपने शानदार प्रदर्शन के बल पर उन्होंने देर से सही लेकिन भारतीय टीम में जगह बनाई। उनका अंतरराष्ट्रीय डेब्यू 1979 में हुआ, जब वे 31 साल के थे। लेकिन उन्होंने अपने पहले ही टेस्ट में पांच विकेट लेकर सबको चौंका दिया। उनके करियर की शुरुआत इंग्लैंड के खिलाफ हुई और वहीं उन्होंने अपनी छाप भी छोड़ी।

घरेलू क्रिकेट का चमकता सितारा

दिलीप दोशी का क्रिकेट करियर मुख्य रूप से रणजी ट्रॉफी में झारखंड और बाद में सौराष्ट्र के लिए रहा। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में 238 फर्स्ट क्लास मैच खेले और कुल 898 विकेट चटकाए। यह रिकॉर्ड अपने आप में बताता है कि वे किस दर्जे के गेंदबाज़ थे। उनकी गेंदबाज़ी में ग़ज़ब की सटीकता और लगातार एक जैसी लाइन लेंथ पर गेंद फेंकने की क्षमता थी। यही कारण था कि वे घरेलू क्रिकेट में बल्लेबाज़ों के लिए एक डर का कारण बने रहे।

देर से मिला मौका, लेकिन छाप छोड़ी

जब दिलीप दोशी को 1979 में भारतीय टेस्ट टीम में जगह मिली, तब तक वे 30 की उम्र पार कर चुके थे। आमतौर पर क्रिकेट में यह उम्र गिरावट की मानी जाती है, लेकिन दोशी ने इसे चुनौती के रूप में लिया और 33 टेस्ट मैचों में 114 विकेट चटकाए। उनका डेब्यू टेस्ट इंग्लैंड के खिलाफ ओवल मैदान पर हुआ, जहां उन्होंने 5 विकेट झटककर दुनिया को अपने हुनर से परिचित कराया। खास बात यह थी कि उस दौर में भारतीय टीम में स्पिन गेंदबाज़ों की भरमार थी – बिशन सिंह बेदी, चंद्रशेखर और प्रसन्ना जैसे दिग्गज मौजूद थे – ऐसे में दोशी को जगह मिलना और फिर खुद को साबित करना, आसान नहीं था।

1980 का वह शानदार दौर

1980 के दशक की शुरुआत में भारत ने ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज़ खेली, जिनमें दिलीप दोशी ने शानदार गेंदबाज़ी की। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 6/102 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था, जिसे आज भी याद किया जाता है। उनकी गेंदों में फ्लाइट, टर्न और विविधता होती थी। वे बल्लेबाज़ के पैर की मूवमेंट को पढ़कर गेंदबाज़ी करते थे और कई बार बल्लेबाज़ों को स्टंप करा देते थे।

वनडे में भी आज़माया गया

हालाँकि दिलीप दोशी को वनडे इंटरनेशनल में ज़्यादा मौके नहीं मिले। उन्होंने कुल 15 वनडे खेले और 22 विकेट लिए। उस दौर में टेस्ट क्रिकेट को अधिक महत्व दिया जाता था और उनका गेंदबाज़ी स्टाइल भी वनडे के लिहाज से थोड़ी धीमी मानी जाती थी।

क्रिकेट से रिटायरमेंट के बाद

दिलीप दोशी ने 1983 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लिया। इसके बाद उन्होंने क्रिकेट से दूरी बना ली, लेकिन वे खेल के ज़रिए लोगों से जुड़े रहे। उन्होंने लंदन में अपने व्यवसाय में ध्यान दिया और वहीं बस गए। वे कई बार भारतीय क्रिकेटरों को निजी स्तर पर मार्गदर्शन देते रहे, खासकर स्पिन गेंदबाज़ों को। वे आईपीएल के शुरुआती दिनों में भी कोचिंग और क्रिकेट सलाहकार के रूप में देखे गए थे।

उनकी शैली और प्रेरणा

दिलीप दोशी को बिशन सिंह बेदी और श्रीलंका के रत्नायके की स्टाइल का अनुकरणकर्ता माना जाता है। उनकी गेंदों में टर्न भले ही ज़्यादा न हो, लेकिन उनका नियंत्रण बेहद सटीक था। उन्होंने कई बार खुद कहा कि "स्पिन बॉलिंग एक आर्ट है, जो वक्त के साथ निखरता है, और मैं इसी में खुश हूं कि मैंने उस कला को जिया।"

भारतीय क्रिकेट में योगदान

भारत में स्पिन गेंदबाज़ों की लंबी फेहरिस्त में दिलीप दोशी एक खास स्थान रखते हैं। उन्होंने उस समय टीम में जगह बनाई, जब स्पिनर्स की भरमार थी और मौके बहुत सीमित थे। फिर भी, वे 100 से अधिक टेस्ट विकेट लेने वाले उन गिने-चुने भारतीय गेंदबाज़ों में से एक हैं, जिन्होंने 30 की उम्र के बाद डेब्यू किया और फिर भी खुद को पूरी तरह स्थापित किया।

क्रिकेट जगत में शोक की लहर

उनके निधन की खबर से क्रिकेट जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। बीसीसीआई, पूर्व क्रिकेटरों और उनके साथियों ने सोशल मीडिया और बयानों के माध्यम से गहरा शोक व्यक्त किया है।

पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा – "दिलीप दोशी एक सच्चे प्रोफेशनल थे। उन्होंने कभी हार नहीं मानी और देर से मिलने वाले मौकों को भी जिया। उनका जाना भारतीय क्रिकेट के लिए एक बड़ी क्षति है।"

पूर्व स्पिनर मुरली कार्तिक ने ट्वीट किया – "हमने एक महान स्पिनर को खो दिया। उन्होंने एक पीढ़ी को स्पिन का मतलब समझाया।"

क्रिकेटर रिंकू सिंह और सांसद प्रिया की शादी टली: लड़की के पिता बोले- 2-3 महीने क्रिकेट में व्यस्त

-बाद में होगी शादी

नई दिल्ली। चर्चित क्रिकेटर रिंकू सिंह और उत्तर प्रदेश से सांसद बनीं प्रिया चौधरी की शादी को लेकर एक अहम अपडेट सामने आया है। पहले यह शादी जून के अंतिम हफ्ते में होने की चर्चा थी, लेकिन अब इसे कुछ महीनों के लिए टाल दिया गया है। इस बात की पुष्टि खुद प्रिया के पिता ने की है।

रिंकू की व्यस्तता बनी वजह

प्रिया के पिता ने मीडिया से बातचीत में कहा कि रिंकू सिंह इन दिनों अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट के शेड्यूल में बेहद व्यस्त हैं। अगले 2-3 महीने उनका कार्यक्रम काफी टाइट है, इसलिए हमने आपसी सहमति से शादी को कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शादी रद्द नहीं हुई है, सिर्फ डेट आगे बढ़ाई गई है।

प्रिया ने लोकसभा चुनाव में दर्ज की ऐतिहासिक जीत

प्रिया चौधरी ने हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों में जोरदार जीत दर्ज की थी। उन्होंने पश्चिमी उत्तर प्रदेश की एक महत्वपूर्ण सीट से चुनाव जीतकर संसद में एंट्री ली थी। युवा सांसद के तौर पर उन्होंने काफी कम समय में लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। प्रिया की सादगी और मेहनती छवि ने उन्हें जनता के बीच खासा लोकप्रिय बना दिया है।

आईपीएल से स्टार बने रिंकू सिंह

रिंकू सिंह को क्रिकेट के फैंस खासतौर पर इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेले गए एक यादगार मैच से जानते हैं, जिसमें उन्होंने एक ओवर में लगातार 5 छक्के लगाकर मैच जिताया था। इसके बाद से रिंकू भारत की सीमित ओवरों की टीम में भी कई बार शामिल हुए और उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया।

परिवारों की रज़ामंदी

प्रिया और रिंकू की शादी को लेकर दोनों परिवारों की रज़ामंदी पहले ही हो चुकी थी। दोनों एक-दूसरे को काफी समय से जानते हैं और करीबी दोस्त हैं। सूत्रों के अनुसार दोनों की मुलाकात एक सामाजिक कार्यक्रम में हुई थी, जहां से उनकी दोस्ती का सफर शुरू हुआ। बाद में यह रिश्ता परिवारों तक पहुंचा और विवाह की बात तय हो गई।

नई तारीख जल्द घोषित होगी

प्रिया के पिता के मुताबिक, "हमारी तरफ से कोई जल्दबाज़ी नहीं है। रिंकू के क्रिकेटिंग कमिटमेंट्स पूरे हो जाने के बाद ही शादी की तारीख तय की जाएगी। हम चाहते हैं कि शादी में दोनों परिवार, दोस्त और शुभचिंतक बिना किसी जल्दबाज़ी के पूरी खुशी से शामिल हों।" उन्होंने कहा कि शादी की नई तारीख पर विचार किया जा रहा है और इसे जल्द ही घोषित किया जाएगा।

सोशल मीडिया पर चर्चा

इस खबर के बाद सोशल मीडिया पर प्रिया और रिंकू की जोड़ी को लेकर चर्चा तेज हो गई है। फैंस दोनों को शादी के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं और उम्मीद जता रहे हैं कि जब भी यह जोड़ी विवाह बंधन में बंधेगी, वह एक यादगार पल होगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि शादी रद्द नहीं हुई है, बल्कि इसे बाद के लिए टाला गया है। प्रिया ने हाल ही में लोकसभा चुनाव में शानदार जीत दर्ज कर संसद में प्रवेश किया है। वहीं, रिंकू सिंह आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से एक ओवर में 5 छक्के मारकर चर्चा में आए थे। दोनों परिवार इस रिश्ते को लेकर पहले से सहमत हैं और नई शादी की तारीख जल्द घोषित की जाएगी। सोशल मीडिया पर यह जोड़ी खासा सुर्खियों में है, और फैंस उन्हें ढेरों शुभकामनाएं दे रहे हैं।

ईरान के फोर्दो स्थित परमाणु केंद्र पर फिर से हमला : ईरानी मीडिया

» दुबई, भाषा।

ईरान के फोर्दो स्थित भूमिगत यूरेनियम संवर्धन स्थल पर सोमवार को फिर से हमला किया गया और ईरान ने भी इजराइल पर मिसाइलों और ड्रोनों की बौछार कर दी। साथ ही ईरान ने अमेरिका को चेतावनी दी कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा ईरानी परमाणु स्थलों पर बड़े पैमाने पर किए गए हमलों के मद्देनजर अब उसकी सेना को अमेरिकी ठिकानों पर हमला करने की खुली छूट मिल गई है। ईरान के सरकारी टेलीविजन ने बताया कि फोर्दो स्थित परमाणु केंद्र रविवार को हुए हमले में भी प्रभावित हुआ था और सोमवार को इस पर फिर से हमला किया गया। इस बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है कि हमला किसने किया और कितना नुकसान हुआ, हालांकि इजराइल ने पहले कहा था कि वह ईरान पर हवाई हमले कर रहा है। वियना में, संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था के प्रमुख ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि रविवार को अमेरिका द्वारा बंकर-बस्टर बमों से किए गए हवाई हमले के बाद फोर्दो स्थित परमाणु केंद्र में भारी क्षति हुई होगी।

रविवार को ईरान के परमाणु केंद्रों पर हमलों के साथ, अमेरिका ने खुद को इजराइल के युद्ध में शामिल कर लिया, जिससे व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष की आशंकाएं पैदा हो गईं। ईरान ने कहा कि अमेरिका ने मिसाइलों और 30,000 पाउंड के बंकर-बस्टर बमों से तीन स्थलों पर हमला करने के अपने जोखिम भरे कदम से एक बहुत बड़ी वर्जित रेखा पार कर दी है। इजराइल ने कहा कि उसकी रक्षा प्रणालियां नवीनतम ईरानी खतरे को रोकने के लिए काम कर रही थीं, जिसने जाहिर तौर पर देश के उत्तरी और मध्य क्षेत्रों को निशाना बनाया। इजराइल ने लोगों को आश्रय स्थलों में जाने के लिए कहा। ईरान के सरकारी टेलीविजन के अनुसार, ईरान ने इस हमले को अपने ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 3 की नई लहर बताया और कहा कि यह इजराइली शहरों हाइफा और तेल अवीव को निशाना बना रहा था। यरुशलम में भी विस्फोटों की आवाज सुनी गई। हालांकि, नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं है। ईरान में, चश्मदीदों ने बताया कि दोपहर में ईरान की राजधानी तेहरान के आसपास के इलाकों में इजराइली हवाई हमले हुए। यह तुरंत स्पष्ट नहीं था कि किस चीज को निशाना बनाया गया था। वियना में, ग्रॉसी ने कहा, इस समय आईएईए सहित कोई भी, फोर्दो में भूमिगत क्षति का पूरी तरह से आकलन करने की स्थिति में नहीं है। सोमवार को, ईरानी सैन्यकर्मियों के संयुक्त प्रमुख जनरल अब्दुलरहीम मौसवी ने वाशिंगटन को चेतावनी दी कि उसके हमलों ने ईरानी बलों को अमेरिकी हितों और उसकी सेना के खिलाफ कार्रवाई करने की खुली छूट दे दी है। पश्चिम एशिया में हजारों अमेरिकी सैनिक तैनात हैं।

अमेरिकी हमलों पर जवाबी कार्रवाई का समय, तरीका और पैमाना सेना तय करेगी : ईरान

संयुक्त राष्ट्र। ईरान ने कहा है कि अमेरिका ने देश के परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला करके कूटनीति के रास्ते बंद करने का फैसला किया, अब उसके हमलों पर जवाबी कार्रवाई का वक्त, तरीका और इसका पैमाना क्या होगा इसके बारे में फैसला सेना करेगी। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत आमिर सईद इरावनी ने रविवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक आपातकालीन बैठक में कहा कि ईरान ने अपने तीन परमाणु प्रतिष्ठानों पर अमेरिकी हमलों के बाद कहा कि ईरान ने युद्धोन्मादी अमेरिकी शासन को बार-बार चेतावनी दी थी कि वह इस दलदल में न फंसे। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने ईरान के परमाणु केंद्रों पर हमले करके कूटनीति के रास्ते बंद करने का निर्णय लिया तथा अब ईरान की सेना यह निर्णय करेगी कि जवाबी कार्रवाई कब की जाएगी और इसकी प्रकृति कैसी होगी तथा इसे कैसे अंजाम दिया जाएगा। ईरानी राजदूत ने बैठक में कहा, हम सभी आवश्यक कदम उठाएंगे। इरावनी ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर आरोप लगाया कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पश्चिम के घृणित कृत्य कराने में और अमेरिकी विदेश नीति को हाईजैक करने में सफल हो गए और कहा कि इससे अमेरिका एक और निराधार युद्ध में फंस गया है।इरावनी ने कहा कि ईरान के विदेश मंत्री ने इस सप्ताह कई यूरोपीय समकक्षों के साथ बातचीत की थी लेकिन अमेरिका ने कूटनीति के रास्ते बंद करने का फैसला किया।

अमेरिका ने ईरान को सैन्य कार्रवाई नहीं बढ़ाने की चेतावनी दी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की कार्यवाहक राजदूत डोर्थी शी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की एक आपात बैठक में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी को दोहराते हुए कहा कि अमेरिकियों या अमेरिकी सैन्य अड्डों के खिलाफ ईरान के किसी भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष हमले का जवाब सख्ती से दिया जाएगा। उन्होंने ईरान द्वारा बुलाई गई रविवार की बैठक में कहा कि अमेरिका ने इजराइल और अमेरिकी नागरिकों की रक्षा के लिए यह कदम उठाया है ताकि ईरान को परमाणु हथियार प्राप्त करने से रोका जा सके क्योंकि ईरान ने अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम के बारे में भ्रामक बातें फैलाई और हालिया वार्ताओं में सद्भावनापूर्ण प्रयासों को सफल नहीं होने दिया।

दुनिया यह सुनिश्चित करे कि ईरान फिर कभी परमाणु खतरा न बने: इजराइल

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के राजदूत डैनी डैनन ने ईरान द्वारा बुलाई गई संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक आपात बैठक में कहा कि ईरान के तीन परमाणु केन्द्रों पर अमेरिका के हमलों ने विश्व के समक्ष मौजूद अस्तित्व के खतरे को समाप्त कर दिया है। डैनन ने रविवार को कहा कि कूटनीति का मार्ग अपनाने की कोशिश की गई लेकिन ईरान ने बातचीत की मेज का इस्तेमाल देर करने की रणनीति अपनाने, मिसाइलों का निर्माण करने और यूरेनियम संवर्धन करने में किया। डैनन ने कहा कि इजराइल ने ईरान को कई साल दिए लेकिन वह नहीं माना इसलिए इजरायल ने कदम उठाया और जब दुनिया परमाणु आपदा के मुहाने पर खड़ी थी तब अमेरिका आगे आया। उन्होंने कहा कि अब दुनिया को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ईरान फिर कभी परमाणु खतरा न बने।

ईरान ने मिसाइलों की बौछार की, जॉर्डन और मध्य इजराइल में सायरन सुने गए

तेल अवीव। इजराइल की सेना ने कहा कि सोमवार सुबह ईरान से इजराइल की ओर मिसाइलों की बौछार की गई। इजराइली सेना ने बाद में कहा कि ईरान ने अतिरिक्त बमबारी की। जॉर्डन और मध्य इजराइल में सायरन बजाए गए। इस बीच, सशस्त्र बलों के कर्मचारियों के संयुक्त प्रमुख, ईरानी जनरल अब्दुलरहीम मौसवी ने सोमवार को अमेरिका को चेतावनी दी कि उसके हमलों ने ईरानी सशस्त्र बलों को अमेरिकी हितों और उसकी सेना के खिलाफ कार्रवाई करने की खुली छूट दे दी है। मौसवी ने कहा कि रविवार को ईरानी परमाणु स्थलों पर अमेरिकी हवाई हमलों के बाद ईरान ऐसा करने में संकोच नहीं करेगा। उन्होंने अमेरिकी हमले को ईरान की संप्रभुता का उल्लंघन, देश में इजराइली युद्ध में प्रवेश करने और देश पर आक्रमण करने के समान बताया। सरकारी इरना समाचार एजेंसी ने मौसवी के बयान के बारे में खबर जारी की।

ईरान की एविन जेल के गेट पर इजराइल का संदिग्ध हमला

दुबई। ईरान की एविन जेल के गेट पर इजराइल का संदिग्ध हमला हुआ है। ईरानी सरकारी टीवी ने सोमवार को यह खबर दी। ईरानी मीडिया ने आशंका जताई है कि यह हमला संभवतः ड्रोन से किया गया है। खबर के साथ हमले की श्वेत-श्याम निगरानी फुटेज साझा की गई है। यह जेल दोहरी नागरिकता वाले लोगों और पश्चिमी देशों के लोगों को रखने के लिए जानी जाती है और ईरान इन लोगों का पश्चिम के साथ बातचीत में सौदेबाजी के लिए अक्सर इस्तेमाल करता है। इजराइल ने तत्काल इस हमले की बात स्वीकार नहीं की। एविन में राजनीतिक कैदियों और पश्चिमी देशों से संबंध रखने वाले लोगों के लिए विशेष इकाइयां भी हैं, जिनका संचालन अर्धसैनिक रेवुलेशनरी गार्ड करते हैं।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच सुरक्षा परिषद का एक आपातकालीन सत्र

ईरान के परमाणु केंद्रों पर अमेरिकी हमले पश्चिम एशिया में खतरनाक मोड़ का संकेत : संयुक्त राष्ट्र प्रमुख

» संयुक्त राष्ट्र, भाषा।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच सुरक्षा परिषद के एक आपातकालीन सत्र में कहा कि ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर अमेरिका की बमबारी क्षेत्र में एक खतरनाक मोड़ का संकेत है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के तीन परमाणु केंद्रों - फोर्दो, नतांज और इस्फहान पर बमबारी की घोषणा किए जाने के बाद 15 देशों की परिषद ने रविवार को आपातकालीन सत्र के लिए बैठक की। महासचिव गुतारेस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया, अमेरिका द्वारा ईरानी परमाणु प्रतिष्ठानों पर बमबारी एक ऐसे क्षेत्र में खतरनाक मोड़ का संकेत है जो पहले से ही लडखड़ा रहा है। संकट की शुरुआत से ही मैंने पश्चिम एशिया में किसी भी सैन्य वृद्धि की बार-बार निंदा की है। गुतारेस ने कहा कि क्षेत्र के लोग एक बार फिर विनाश को सहन नहीं कर सकते, फिर भी हम जवाबी कार्रवाइयों के बीच प्रतिशोध के दलदल में उतरने का जोखिम उठाते हैं। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने जोर देकर कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को लड़ाई रोकने और ईरानी परमाणु कार्यक्रम पर गंभीरता के साथ तथा निरंतर वार्ता पर पुनः शुरू करने के लिए तुरंत और निर्णायक रूप से कार्य करना चाहिए।

गुतारेस ने कहा कि ईरान को परमाणु अप्रसार संधि का पूरा सम्मान करना चाहिए, जो अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की आधारशिला है। उन्होंने चेतावनी दी कि दुनिया को ऐसे रास्ते के बीच कठोर विकल्प चुनना होगा जो या तो व्यापक युद्ध, गहरी मानवीय पीड़ा देता हो और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचाता हो तथा दूसरा विकल्प जो तनाव कम करने, कूटनीति और संवाद की ओर ले जाता हो। उन्होंने कहा, हम जानते हैं कि कौन सा रास्ता सही है। मैं इस परिषद और सभी सदस्य देशों से आग्रह करता हूं कि वे तार्किक तरीके से, संयम और तत्परता से काम लें। हम शांति का मार्ग नहीं छोड़ सकते और हमें ऐसा नहीं करना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने परिषद को बताया कि ईरानी परमाणु केंद्रों पर हमलों के कारण देश में परमाणु सुरक्षा और संरक्षा में भारी कमी आई है। उन्होंने कहा, अब तक इन हमलों से जनता को प्रभावित करने वाला कोई रेडियोधर्मी विकिरण नहीं हुआ है, लेकिन ऐसा होने का खतरा है। फोर्दो ईरान का मुख्य संवर्धन केंद्र है, जहां यूरेनियम को 60 प्रतिशत तक संवर्धित किया जाता है। आईएईए ने कहा कि उसे इस समय फोर्दो में किसी नुकसान की जानकारी नहीं है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि परमाणु केंद्रों पर सशस्त्र हमले कभी नहीं होने चाहिए और इससे हमले वाले स्थलों से उस देश की सीमाओं के भीतर और बाहर गंभीर परिणाम वाले रेडियोधर्मी उत्सर्जित हो सकते हैं।

पुतिन ने ईरान के प्रति समर्थन जताने के लिए ईरानी विदेश मंत्री से मुलाकात की

» मास्को, भाषा।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को क्रेमलिन में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से मुलाकात की और अमेरिकी हमलों को पूरी तरह से बिना किसी उकसावे के किया गया आक्रमण बताया तथा तेहरान के प्रति रूसी समर्थन की पुष्टि की। पुतिन ने सोमवार की बैठक में कहा, ईरान के खिलाफ यह पूरी तरह से बिना किसी उकसावे के किया गया आक्रमण है इसका कोई आधार या औचित्य नहीं है। पुतिन ने ईरान के साथ रूस के दीर्घकालिक, अच्छे, विश्वसनीय संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा, हम अपनी ओर से ईरानी लोगों को सहायता प्रदान करने का प्रयास कर रहे हैं। अराघची ने ईरान के विरुद्ध इजराइल और अमेरिका की कार्रवाई की निंदा करने के लिए रूस को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, इजराइल और अमेरिका की ए आक्रामक कार्रवाइयां पूरी तरह से अनुचित हैं और अंतरराष्ट्रीय नियमों और अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का उल्लंघन करती हैं।

हम अपनी संप्रभुता और देश की रक्षा कर रहे हैं और हमारी रक्षा जायज है। अराघची ने कहा कि रूस हमेशा से शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में ईरान का साझेदार रहा है और तेहरान के परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत में सकारात्मक भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, ईरान के परमाणु कार्यक्रम के क्षेत्र में रूस हमेशा से हमारा साझेदार रहा है। इसने बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र का निर्माण किया है।

ईरान की सहायता करने के लिए तैयार हैं: रूस

मास्को। रूस विभिन्न तरीकों से ईरान की मदद करने के लिए तैयार है, जो तेहरान के अनुरोध पर निर्भर करेगा। यह बात क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने सोमवार को कही। पेस्कोव ने एक प्रेसवार्ता में एक सवाल के जवाब में कहा, सब कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि ईरान को क्या चाहिए। हमने मध्यस्थता के अपने प्रयासों की पेशकश की है। ये पक्का है। पेस्कोव ने कहा कि रूस ने ईरान-इजराइल युद्ध पर अपना रुख खुले तौर पर घोषित कर दिया है तथा इसे तेहरान के लिए समर्थन का एक महत्वपूर्ण रूप बताया है। उन्होंने कहा, हमने अपना रुख बता दिया है। यह भी एक बहुत ही महत्वपूर्ण अभिव्यक्ति है, ईरानी पक्ष के लिए समर्थन का एक रूप है। उन्होंने यह भी कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हाल ही में हुई बातचीत में ईरान का विषय बार बार आया है। पेस्कोव ने संवाददाताओं से कहा, ईरान के विषय पर राष्ट्रपतियों ने अपनी हालिया बातचीतों के दौरान कई बार चर्चा की।

न्यूज ब्रीफ

हिरासत से रिहा हुए महमूद खलील ने इजराइल का विरोध करते रहने का संकल्प जताया

» नेवार्क, भाषा।

तीन महीने से ज्यादा समय तक हिरासत में रखे गए फलस्तीनी कार्यकर्ता महमूद खलील संघीय आव्रजन केंद्र से रिहा किए जाने के बाद शनिवार को यहां पहुंचे तो अमेरिकी प्रतिनिधि एलेक्जेंड्रिया ओकासियो-कोर्टेज सहित समर्थकों ने उनका स्वागत किया। लूसियाना में संघीय आव्रजन केंद्र छोड़ने के एक दिन बाद न्यू जर्सी के नेवार्क अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर खलील ने दोस्तों का अभिवादन किया और पत्रकारों से संक्षिप्त बातचीत की। कोलंबिया विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र और परिसर में विरोध प्रदर्शनों के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कार्रवाई के प्रतीक बन गए खलील ने इजराइल का और गाजा में युद्ध का विरोध जारी रखने का संकल्प जताया। उन्होंने कहा, अमेरिकी सरकार इस नरसंहार को वित्तपोषित कर रही है और कोलंबिया विश्वविद्यालय इस नरसंहार में निवेश कर रहा है।

यही कारण है कि मैं आप सभी के साथ विरोध करना जारी रखूंगा। ओकासियो-कोर्टेज ने हवाईअड्डे पर खलील का स्वागत करते हुए कहा, उन पर निराधार आरोप लगाए गए हैं, सिर्फ इसलिए क्योंकि ट्रंप प्रशासन और हमारा पूरा प्रतिष्ठान उनके राजनीतिक भाषण से असहमत है। कानूनी तौर पर नागरिक खलील (30) की पत्नी ने उनकी 104 दिन की हिरासत के दौरान बच्चे को जन्म दिया। खलील ने कहा कि वह उन अप्रवासियों के लिए भी आवाज उठाएंगे, जो अब भी हिरासत केंद्र में हैं। उन्होंने कहा, चाहे आप नागरिक हों, अप्रवासी हों, इस देश में कोई भी हों, आप अवैध नहीं हैं। इससे आप कमतर इंसान नहीं बन जाते। कोलंबिया में विरोध प्रदर्शन के दौरान खलील पर किसी भी कानून को तोड़ने का आरोप नहीं लगाया गया था।

परमाणु केंद्रों पर हमले के बाद ईरान में सत्ता परिवर्तन के बारे में विचार कर रहे हैं ट्रंप

» तेल अवीव, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के परमाणु केंद्रों पर हमले के बाद अब तेहरान में सत्ता परिवर्तन की संभावना के बारे में भी विचार कर रहे हैं। ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अगर तेहरान अमेरिकी बलों के खिलाफ कार्रवाई करता है तो उस पर और हमले किए जाएंगे। ट्रंप ने ईरान में सत्ता परिवर्तन की संभावना के बारे में भी विचार किया है जबकि उनके प्रशासन के अधिकारियों ने पहले संकेत दिया था कि वे ईरान के साथ वार्ता फिर से शुरू करना चाहते हैं। वहीं, इजराइल की सेना ने सोमवार को कहा कि वह ईरान के पश्चिमी शहर केरमानशाह के आसपास हमले कर रही है। इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध में अब अमेरिका भी कूद पड़ा है। उसने ईरान के परमाणु केंद्रों पर हमला किया है जिससे इस क्षेत्रीय संघर्ष के और फैलने का खतरा बढ़ गया है।

अमेरिका ने ईरान के तीन परमाणु केंद्रों पर मिसाइलों और 30,000 पाउंट के बंकर-बस्टर बमों से हमला किया है। इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए ईरान ने कहा कि अमेरिका ने हद पार कर दी है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने सीबीएस को दिए एक साक्षात्कार में कहा, आइए, सीधे बातचीत करते हैं। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी इरना के अनुसार, देश के सर्वोच्च नेता के सलाहकार अली अकबर विलायती ने कहा कि अमेरिका ने ईरान पर हमला करने के लिए जिस भी देश का इस्तेमाल किया, वह हमारे सशस्त्र बलों के लिए वैध लक्ष्य के दायरे में होगा। उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया में अमेरिका के हजारों सैनिक तैनात हैं। इस बीच, उत्तर कोरिया ने ईरान पर अमेरिकी हमलों की निंदा की है। उत्तर कोरिया ने कहा है कि वह ईरानी परमाणु प्रतिष्ठानों पर अमेरिकी हमले की कड़ी निंदा करता है तथा उसने इसे ईरान की क्षेत्रीय अखंडता और सुरक्षा हितों का गंभीर उल्लंघन बताया है। उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा कि अमेरिका और इजराइल सैन्य बल प्रयोग से पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ा रहे हैं और उन्होंने न्यायसंगत सोच वाले अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इसके खिलाफ आवाज उठाने का आह्वान किया। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान के परमाणु केंद्रों को भारी क्षति पहुंची है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया हैंडल ट्रुथ सोशल पर कहा है कि अमेरिका के हमले में ईरान के परमाणु केंद्रों को भारी क्षति पहुंची है और नुकसान का आकलन किया जा रहा है। ईरान ने भी यह नहीं बताया है कि हमले में कितना नुकसान हुआ है। उसने अभी तक इजराइल के हमले में हुए नुकसान के बारे में भी कोई जानकारी नहीं दी है। ईरान ने संभवतः अमेरिकी हमलों से पहले परमाणु केंद्रों के पास बनी सुरंगों को भर दिया था।

यूक्रेन पर रूसी हमले में कम से कम 10 लोग मारे गए, दर्जनों घायल हुए

» कीव, भाषा।

यूक्रेन में रात में रूसी ड्रोन और मिसाइल से किए गए हमलों में कम से कम 10 लोग मारे गए। स्थानीय अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राजधानी कीव में सात लोगों की मौत की खबर है, जहां आपातकालीन दल आंशिक रूप से ढह गई एक इमारत के मलबे के नीचे फंसे लोगों को खोजने की मशक्कत कर रहे हैं। यूक्रेन की वायु सेना ने बताया कि रूस ने रात भर में 352 ड्रोन और छद्म हथियार दागे, साथ ही 11 बैलिस्टिक मिसाइल और पांच वरूज मिसाइलें भी दागीं। एक बयान में कहा गया कि वायु रक्षा प्रणाली ने 339 ड्रोन और 15 मिसाइलों को उनके लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही रोक दिया या जाम कर दिया।

एक सप्ताह पहले किए गए रूसी हमले में कीव में 28 लोग मारे गए थे, जिनमें से 23 लोग एक आवासीय इमारत में मारे गए थे, जो मिसाइल हमले के बाद ढह गई थी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि प्रारंभिक डेटा से संकेत मिलता है कि रूसी सेना ने कीव हमले में उत्तर कोरियाई मिसाइलों का इस्तेमाल किया। उन्होंने रूस, उत्तर कोरिया और ईरान को हत्यारों का गठबंधन कहा और चेतावनी दी कि अगर उनका गठबंधन जारी रहा तो आतंक फैल सकता है। ईरान ने रूस को ड्रोन मुहैया कराए हैं।

ईरान ने मोसाद के कथित जासूस को फांसी पर लटकाया

» दुबई, भाषा।

इजराइल की ओर से ईरान पर हमले के बाद से ईरान ने मोसाद के जासूस होने के आरोप में एक और व्यक्ति को सोमवार को फांसी पर लटका दिया। मोसाद का जासूस होने के आरोप में फांसी देने का यह तीसरा मामला है। सामाजिक कार्यकर्ताओं को डर है कि ईरान में और अधिक लोगों को फांसी दी जाएगी, विशेष रूप से तब जब वहां के शासन ने जासूसी कर रहे लोगों को रविवार तक खुद ही आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी है। न्यायपालिका से जुड़ी समाचार एजेंसी मिज़ान ने फांसी पर लटकाए गए व्यक्ति की पहचान मोहम्मद अमीन महदावी शाएस्तेह के रूप में की है।

मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल ने पूर्व में शाएस्तेह का मामला उठाया था और कहा था कि उसे ईरान के अल्बोरज़ प्रांत की गेज़ल हेसर जेल में रखा गया है। रविवार को ईरान ने एक अन्य व्यक्ति माजिद मोसाएब्बी को फांसी पर लटका दिया था और फांसी दिए जाने के बाद ही इसकी जानकारी सार्वजनिक की गई थी।

बांग्लादेश के पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त को चुनाव में हेराफेरी के मामले में गिरफ्तार किया

» ढाका, भाषा।

बांग्लादेश के पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) के एम नूरुल हुदा को उनके कार्यकाल के दौरान चुनावों में हेराफेरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। ढाका महानगर पुलिस के उपायुक्त मोहिदुल इस्लाम ने रविवार को कहा कि हुदा को पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) द्वारा उनके और अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना सहित 18 अन्य के खिलाफ दर्ज मामले में गिरफ्तार किया गया है। डेली स्टार अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने कहा कि यह शायद पहली बार है कि चुनाव से संबंधित मुद्दों पर किसी पूर्व सीईसी को हिरासत में लिया गया है। इससे पहले दिन में, 77 वर्षीय हुदा पर उनके उत्तरा स्थित आवास के बाहर भीड़ ने हमला कर दिया था। हुदा ने 2014, 2018 और 2024 में चुनावों का आयोजन कराया था।

उत्तरा पश्चिम पुलिस थाने के प्रमुख हाफिजुर रहमान ने कहा, हमें सूचना मिली थी कि भीड़ ने हुदा को घेर लिया है, जिसके बाद हम घटनास्थल पर गए थे। हमने उन्हें हिरासत में ले लिया है। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि भीड़ ने ढाका के उत्तरा इलाके में स्थित हुदा के आवास पर धावा बोल दिया और पुलिस के पहुंचने से पहले ही उन्हें घर से बाहर खींच लिया। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में लोगों का एक समूह हुदा को जूतों से पीटता, उन्हें जूतों की माला पहनाता और उनके ऊपर अंडे फेंकते हुए दिखाई दे रहा है। वीडियो में भीड़ उन्हें गाली देती हुई और पुलिस के घटनास्थल पर पहुंचने के बाद भी पीटती नजर आ रही है। अधिकारी ने बताया कि हुदा रात पुलिस के जासूसी शाखा कार्यालय में बिताएंगे और कानूनी कार्रवाई के लिए उन्हें अदालत में पेश किया जाएगा।

ट्रंप इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और इजराइल की युद्ध लॉबी के जाल में फंस गए : पूर्व सीनेटर मुशाहिद हुसैन

पाक नेताओं ने नोबेल शांति पुरस्कार के लिए ट्रंप के नाम की सिफारिश पर पुनर्विचार करने को कहा

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान के कुछ नेताओं और प्रमुख हस्तियों ने ईरान के तीन परमाणु केंद्रों पर अमेरिका के हमले के बाद सरकार से 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम की सिफारिश करने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा है। सरकार ने शुक्रवार को एक आश्चर्यजनक कदम उठाते हुए घोषणा की थी कि वह हाल में भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान शांति प्रयासों के लिए ट्रंप के नाम की सिफारिश इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए करेगी।

उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार के हस्ताक्षर वाला अनुशंसा-पत्र नॉर्वे में नोबेल शांति पुरस्कार समिति को भेजा जा चुका है। लेकिन अमेरिका द्वारा ईरान के फोर्दो, इस्फहान और नतांज परमाणु केन्द्रों पर हमले किए जाने के बाद इस फैसले को लेकर आपत्तियां आने लगी हैं। डॉन अखबार ने लिखा कि कुछ प्रमुख राजनेताओं ने सरकार से नवीनतम घटनाक्रम के मद्देनजर अपने फैसले की समीक्षा करने की मांग की है।जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (जेयूआई-एफ) के प्रमुख वरिष्ठ नेता मौलाना फजलुर रहमान ने मांग की कि सरकार अपना फैसला वापस ले। फजल ने रविवार को मरी में पार्टी की एक बैठक में कार्यकर्ताओं से कहा, राष्ट्रपति ट्रंप का शांति का दावा झूठ साबित हुआ है नोबेल पुरस्कार के लिए प्रस्ताव वापस लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ट्रंप की हाल में पाकिस्तान के सेना प्रमुख, फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के साथ बैठक और दोनों के साथ में भोजन करने से पाकिस्तानी शासकों को इतनी खुशी हुई कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति को नोबेल पुरस्कार के लिए नामित करने की सिफारिश कर दी। फजल ने सवाल किया, ट्रंप ने फलस्तीन, सीरिया, लेबनान और ईरान पर इजराइल के हमलों का समर्थन किया है। यह शांति का संकेत कैसे हो सकता है? उन्होंने कहा, जब अमेरिका के हाथों पर अफगानों और फलस्तीनियों का खून लगा हो, तो वह शांति का समर्थक होने का दावा कैसे कर सकता है? पूर्व सीनेटर मुशाहिद हुसैन ने एक्स पर लिखा, चूंकि ट्रंप अब संभावित शांतिदूत नहीं रह गए हैं, बल्कि एक ऐसे नेता हैं जिन्होंने जानबूझकर एक अवैध युद्ध छेड़ दिया है, इसलिए पाकिस्तान सरकार को अब नोबेल पुरस्कार के लिए उनके नाम की सिफारिश पर पुनर्विचार करना चाहिए, उसे रद्द करना चाहिए उन्होंने कहा कि ट्रंप इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और इजराइल की युद्ध लॉबी के जाल में फंस गए हैं, और अपने राष्ट्रपति पद की सबसे बड़ी भूल कर रहे हैं। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के सांसद अली मुहम्मद खान ने अपने एक्स अकाउंट पर पुनर्विचार करें लिखा। उन्होंने ईरान पर अमेरिकी हमले और गाजा में इजराइल द्वारा की गई हत्याओं के लिए निरंतर अमेरिकी समर्थन होने का दावा किया। एक अलग पोस्ट में, विपक्षी पीटीआई ने अमेरिकी हमलों को बिना उकसावे के किया गया बताते हुए उनकी निंदा की और ईरान की संप्रभुता के लिए पूर्ण समर्थन व्यक्त किया। अमेरिका में पाकिस्तान की पूर्व राजदूत मलीहा लोधी ने इस कदम को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया और कहा कि यह जनता के विचारों को प्रतिबिंबित नहीं करता है। वरिष्ठ पत्रकार मारियाना बाबर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आज पाकिस्तान भी बहुत अच्छा नहीं दिखता है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,